जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

प्रगति पथ पर गतिमान राजस्थान

शहरी विकास को नई रफ्तार - आधुनिक राजस्थान की नई पहचान

मजबूत सड़कें • सुगम यातायात • बेहतर ड्रेनेज • आधुनिक सीवरेज • सुरक्षित सबवे • बेहतर मेडिकल सुविधाएं • श्रमिक कल्याण • स्वच्छ एवं हरित परिवहन

राजस्थान के शहरों को मिल रही ₹2,340 करोड़ की सौगातें
941 कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण

श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के
1 लाख 32 हजार 421 लाभार्थियों को ₹154 करोड़ से अधिक की सहायता राशि की डीबीटी

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण की दिशा में जयपुर को बड़ी सौगात

लोकार्पण

RUHS जयपुर : 128-स्लाइस CT स्कैन मशीन

जनाना चिकित्सालय, चांदपोल : नवीन आईपीडी टावर

SMS अस्पताल :
आयुष्मान टावर अंतर्गत कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज संस्थान

RUHS जयपुर :
1.5 टेस्ला MRI मशीन तथा नवीन स्नातक छात्रावास

जयपुर जिले में झोटवाड़ा के अभयपुरा के उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं दूदू विधानसभा क्षेत्र के उप स्वा. केन्द्र, रेहलाना का निर्माण कार्य

शिलान्यास जयपुर जिले के झोटवाड़ा में सैटेलाइट चिकित्सालय

पीएम ई-बस योजना

71 ई-बसों का शुभारंभ

जयपुर एवं भीलवाड़ा की 24 ई-बसों का जयपुर से
तथा अलवर, अजमेर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर से 47 ई-बसों का वर्चुअल शुभारंभ

18 अगस्त, 2026 | शाम 4 बजे | एचसीएम रीपा (ओ.टी.एस.) परिसर, जयपुर

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The CIA Officer Who Hid 303 Gold Bars

CIA hired him because it believed the Navy had already verified his background, while the Navy assumed the CIA would conduct its own checks

Ancient Egyptian Priests Shaved...

Know Terms Like Cutwork, Needle, and Jacquard Jamdani

वंदे मातरम् का गायन राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक मुद्दा बनता जा रहा है

भाजपा इस बात को बड़े ध्यान से देख रही है कि कानून पास होने के बाद किसी भी स्तर पर वंदे मातरम् की अवहेलना तो नहीं हो रही है

- कांग्रेस ने भी मान लिया है, जैसा राहुल गांधी ने भी कहा है, कि कानून बनने के बाद वंदे मातरम् को पूरा गाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, फिर भी थोड़ी बेचैनी सी है।
- सवाल यह है कि क्या वंदे मातरम् चुनावी मुद्दा बन सकता है, क्योंकि कांग्रेस मुसलमानों की सहानुभूति पाना चाहती है, वहीं भाजपा इस मुद्दे पर हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है और वंदे मातरम् के संदर्भ में विपक्षी दलों की मामूली सी चूक को भी हवा दे रही है।
- इसी संदर्भ में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोनिया गांधी और कांग्रेस पर वंदे मातरम् के गायन में अड़ंगा डालने का आरोप लगाया और माफी मांगने को कहा। यही नहीं, दिल्ली पुलिस से जाँच करने और रिपोर्ट देने को भी कहा है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। क्या अमित शाह हताश हैं या उन्हें पता ही नहीं कि कहां रुक जाना चाहिए?

या फिर वे कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करके अपना खोया हुआ राजनीतिक प्रभाव वापस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं?

कहानी 1897 से शुरू होती है, जब कांग्रेस के एक अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम् बिना किसी झिझक या समस्या के गाया गया था।

यह सिलसिला कई वर्षों तक चलता रहा।

1930 के दशक में, जब कांग्रेस ने स्वतंत्रता आंदोलन को और तेज कर दिया था, तब कुछ नेताओं ने वंदे मातरम् के तीसरे अंतरे पर आपत्ति जतानी शुरू की। इस अंतरे में मूर्ति पूजा का वर्णन था, जिसे इस्लाम धर्म में मान्यता नहीं है।

इस विवाद को ध्यान में रखते हुए जवाहरलाल नेहरू ने रवीन्द्रनाथ टैगोर को पत्र लिखा। उन्होंने पूरे विवाद का विवरण देते हुए पूछा कि सभी पक्षों को संतुष्ट रखने और हिंदू-मुस्लिम टकराव को और बढ़ने से रोकने के लिए क्या रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता शामिल हुए। इनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचारी और कई अन्य नेता मौजूद थे।

रवीन्द्रनाथ टैगोर से भी दोबारा सलाह ली गई। उन्होंने कहा कि जिस तीसरे अंतरे को लेकर विवाद पैदा हो रहा है, उसे हटा दिया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि जब भारत स्वतंत्रता हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है, तब सभी विवादास्पद मुद्दों को अलग रख देना चाहिए।

टैगोर ने बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय से भी बात की। बंकिम चन्द्र ने कहा कि उन्हें किसी भी अंतरे को हटाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

इस तरह सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद मामला सुलझा लिया गया और विवाद समाप्त हो गया।

लेकिन मोदी सरकार ने फैसला किया कि मुसलमानों को लगातार उकसाते रहना जरूरी है, ताकि हिंदू-मुस्लिम विभाजन पहले से कहीं अधिक गहरा हो सके।

मोदी सरकार ने एक कानून पारित किया, जिसके तहत पूरा वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया गया और इसे न गाने पर सजा का प्रावधान किया गया।

15 अगस्त को कांग्रेस ने अपने नए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक आज

जयपुर, 17 अगस्त। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के षष्ठम सत्र की शुरुआत से पहले, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को प्रातः 11 बजे विधानसभा में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। 20 अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अध्यक्ष देवनानी की अध्यक्षता में होने वाली यह सातवीं सर्वदलीय बैठक होगी। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली,

- स्पीकर देवनानी की अध्यक्षता में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष रफीक खान सहित, विभिन्न दलों के विधायकों को आमंत्रित किया गया है। देवनानी ने कहा कि विधानसभा जनहित के मुद्दों पर चर्चा का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मंच है। सदन की गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष सहित, सभी विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सर्वदलीय बैठक के माध्यम से सभी दलों के बीच संवाद, समन्वय और विश्वास का वातावरण तैयार होता है। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र में जनमहत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा के लिए सकारात्मक वातावरण जरूरी है। सर्वदलीय बैठक के माध्यम से सदन की कार्यवाही को सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और जनहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन की टीम में राज्य के पाँच नेता, सतीश पूनिया राष्ट्रीय महामंत्री बने

वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष, सुनील बंसल महामंत्री, राजेश मंगल सह कोषाध्यक्ष व मन्नालाल रावत एसटी मोर्चा अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर, 17 अगस्त। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में राजस्थान को मिला मजबूत प्रतिनिधित्व प्रदेश भाजपा की राजनीति के लिहाज से खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश मंगल को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। एक ही प्रदेश से कई नेताओं को राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलना भाजपा की संगठनात्मक रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

- भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राजस्थान भाजपा के प्रभारी राधामोहन लाल अग्रवाल तथा राष्ट्रीय सचिव सांसद अलका गुर्जर को स्थान नहीं मिला।

सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया जाना नई टीम में राजस्थान के लिहाज से सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। 2019 से 2023 तक राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे पूनिया संगठन में लंबे अनुभव के साथ सक्रिय रहे हैं। जून 2026 में राज्यसभा सांसद बनने के बाद अब राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने से उनका राजनीतिक दायरा प्रदेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। पूनिया को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद आने वाले समय में चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार और पार्टी के महत्वपूर्ण अभियानों में उनकी भूमिका बढ़ सकती है।

दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखना उनके राजनीतिक अनुभव और राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका को लेकर पार्टी के भरोसे का संकेत माना जा रहा है। राजे इससे पहले जेपी नड्डा की राष्ट्रीय टीम में भी उपाध्यक्ष थीं।

उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत को भाजपा एसटी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भाजपा की राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की दृष्टि से यह नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजस्थान सहित, आदिवासी बहुल राज्यों में पार्टी संगठन को मजबूत करने में रावत की भूमिका अहम हो सकती है।

राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश मंगल को पीयूष गोयल के साथ राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है। इन नियुक्तियों के जरिए राजस्थान के संगठनात्मक अनुभव वाले नेताओं को केन्द्रीय संगठन में जगह दी गई है।

नई राष्ट्रीय टीम में राजस्थान भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल को स्थान नहीं मिला है। राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना सकीं। इसके बजाय राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या देवेन्द्र फड़नवीस दिल्ली शिफ्ट होंगे?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फड़नवीस की प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात के बाद एक बार फिर राजनैतिक हलकों में यह सवाल पूछा जा रहा है

- फड़नवीस का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में तीन कार्यकाल का प्रशासनिक अनुभव है, वे युवा हैं और उनकी पृष्ठभूमि संघ से जुड़ी है, यही नहीं, अक्सर प्रधानमंत्री के पद पर मोदी के विकल्प के रूप में उनका नाम लिया जाता है, हालांकि, खुद फड़नवीस इससे इंकार कर चुके हैं।
- चर्चा है कि अगर फड़नवीस केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हुए तो उन्हें संभवतया शिक्षा मंत्री बनाया जा सकता है।
- फड़नवीस ने कहा कि उनकी प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात राज्य की योजनाओं के संदर्भ में थी, वे दिल्ली शिफ्ट नहीं हो रहे हैं और महाराष्ट्र में ही बने रहेंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के सोमवार को नई दिल्ली दौरे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात ने एक बार फिर उन्हें केन्द्र सरकार में लिए जाने की संभावना को लेकर राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है।

फडणवीस ने प्रधानमंत्री को राज्य की प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इनमें राजमार्ग, रेलवे, मेट्रो विस्तार और नदी जोड़ो परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने केन्द्र और राज्य की संयुक्त योजनाओं के लिए केन्द्र से और अधिक सहयोग की भी मांग की।

हालांकि, बाद में उन्होंने दिल्ली आने की अटकलों को खारिज कर दिया। पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि जो लोग ऐसी अटकलों के "गुब्बारे" या "पतंगें" उड़ा रहे हैं, वे ऐसा करते रहें, लेकिन वे महाराष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। फडणवीस को लेकर मौजूदा अटकलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर में रहने वाले भारतीय यूपीआई का उपयोग कर सकेंगे

नई दिल्ली, 17 अगस्त। कतर में रहने वाले भारतीय अब डाकघरों के माध्यम से भारत में यूपीआई से जुड़े बैंक खातों में सीधे पैसे भेज सकेंगे। कतर-भारत धन प्रेषण (पोस्टल रेमिटेंस)

- यह सेवा डाक विभाग तथा कतर डाक सहित संबंधित संस्थाओं के सहयोग से शुरु की गई है।

सेवा 15 अगस्त से शुरू हो गई है। यह सुविधा डाक विभाग और कतर डाक सहित, अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से शुरू की गई है।

केन्द्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि इस सेवा के तहत कतर में ग्राहक कतर के डाकघर जाकर भारत में किसी व्यक्ति की यूपीआई आईडी के जरिए पैसे भेज सकेंगे। इसके लिए उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"दिमागी नक्सल" कौन होता है?

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए अपने भाषण में प्र.मंत्री मोदी की "दिमागी नक्सल" टिप्पणी ने नई राजनैतिक बहस छेड़ दी है

- प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए कई योजनाएँ घोषित कीं, साथ ही यह भी कहा कि युवाओं के एक वर्ग का "दिमागी नक्सली" लोगों द्वारा "ब्रेन वॉश" किया जा रहा है, उन्हें गुमराह किया जा रहा है।
- विपक्षी नेताओं का कहना है कि प्र.मंत्री का इशारा स्वतंत्र विचारधारा और वामपंथी रुझान वाले छात्र संगठनों की ओर है और उनकी दिमागी नक्सल टिप्पणी सरकार की भावी दिशा का संकेत दे रही है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरकार के विरोधियों के लिए दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल कई अन्य बातों के अलावा, भाजपा सरकार के रवैये में युवाओं के प्रति विरोधाभास को भी दर्शाता है।

एक ओर मोदी ने मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग, एआई कौशल प्रशिक्षण और नशामुक्त भारत जैसी घोषणाओं के जरिए युवाओं की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया और सरकार को महत्वाकांक्षी युवा भारतीयों के साथ खड़े साझेदार के रूप में पेश किया। दूसरी ओर, उन्होंने संकेत दिया कि इसी युवा वर्ग के एक भाग को दिमागी नक्सलियों द्वारा गुमराह करने या ब्रेनवॉश किए जाने का खतरा है और उसे मुख्यधारा में वापस लाने की जरूरत है।

इसका निहित संदेश साफ है: छात्रों की वास्तविक आकांक्षाओं का स्वागत है, लेकिन सरकार की आलोचना करने वाली या स्वतंत्र विचारधारा की छात्र राजनीति शक की नज़र से देखी जाती है।

"दिमागी नक्सल" का तंज इस बात का संकेत भी है कि आने वाले महीनों में छात्र राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ सकती है। सभी संकेतों से लगता है कि एबीवीपी के लिए यह काफी सक्रिय दौर होने वाला है। परिसरों में अपनी पहुंच बढ़ाने, जवाबी लामबंदी करने और अपने विरोधियों को राष्ट्र-विरोधी या वैचारिक रूप से दूषित बताकर उन्हें निशाना बनाने की कोशिश तेज हो सकती है।

एबीवीपी खुद को युवा विकास की वैध आवाज के रूप में पेश करती रहेगी, जबकि वामपंथी रुझान वाले या स्वतंत्र छात्र संगठनों को बदनाम करने के लिए दिमागी नक्सल जैसे आरोपों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

हालांकि, अनुकूल रुख रखने वाले युवाओं के लिए प्रोत्साहन और असहमति जताने वालों के लिए सख्ती की यह दोहरी रणनीति सीजेपी के बाद की जैनरेशन ज़ी की उभरती मुखरता को नियंत्रित कर पाएगी या नहीं, यह अभी एक खुला राजनीतिक सवाल है।

कॉकरोच जनता पार्टी के जैनरेशन ज़ैड आंदोलन, जिसने पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया था, उससे जुड़े छात्र संगठनों ने प्रधानमंत्री के भाषण को इस बात के एक और प्रमाण के रूप में लिया है कि सरकार युवाओं के गुस्से को समझने और उसके मूल कारणों को दूर करने के बजाय उसे किसी लेबल से जोड़ने में अधिक सहज है।

सीजेपी और वामपंथी छात्र संगठनों को पहले ही अर्बन नक्सल जैसे आरोपों का सामना करना पड़ा है। अब इस्तेमाल किया गया नया शब्द उस रणनीति के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है, जिसे ऐसी पीढ़ी के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर एयरलाइन किराया बढ़ाये तो केन्द्र उड़ानें रोके'

नई दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने त्यौहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि अगर एयलाइंस कंपनियां नियमों का पालन नहीं कर रही हैं, तो उनकी उड़ानें रोकने तक के कदमों पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस विक्रम नाथ की

- सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को सख्त निर्देश दिये।

अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यात्रियों के हित में व्यवस्था तो बनाई गई है, लेकिन उसके पालन और नियमन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि हवाई किराये से जुड़े नये नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। केंद्र सरकार ने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को सौंपा। केंद्र सरकार ने कहा कि तीन हफ्ते में नये नियमों को अंतिम रुप दे दिया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलायची और माउथ फ्रेशनर के बहाने पान मसाला ब्रांड का प्रचार, कानून से खिलवाड़ की एक और मिसाल

महाराष्ट्र सरकार ने विमल इलायची के प्रचार के लिए बॉलीवुड फिल्म स्टार शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के खिलाफ एक्शन लेकर "सरोगेट एडवर्टिज़मैंट" के खेल को सुर्ख़ियों में ला दिया है

- "सरोगेट" यानि छद्म विज्ञापन वे विज्ञापन हैं, जिनमें किसी प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार करने के लिए किसी अन्य प्रोडक्ट का सहारा लिया जाता है, जैसे विमल गुटखा के प्रचार के लिए विमल इलायची का विज्ञापन किया जाता है।
- भारत में तंबाकू आधारित उत्पादों के विज्ञापन पर काननून रोक है और इस कानून में बाद में ऐसे नियम भी जोड़ दिए गए, जिनमें तंबाकू उत्पाद ब्रांड के प्रचार के लिए अन्य उत्पाद का प्रचार करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।
- उपभोक्ता संरक्षण कानून की गाइडलाइन्स में भी "सरोगेट" विज्ञापन पर रोक लगाई गई है।
- महाराष्ट्र सरकार द्वारा फिल्मी हस्तियों पर की गई कार्यवाही सैलिब्रिटी विवाद बन कर न रह जाए, यह ध्यान रखना होगा, क्योंकि, यह मुद्दा इस विवाद का समाधान कर सकता है कि क्या किसी वैध उत्पाद की आड़ में प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार किया जा सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। विमल इलायची के विज्ञापनों को लेकर बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार की कार्रवाई ने भारत की सरोगेट विज्ञापन (छद्म विज्ञापन) के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई को फिर से चर्चा में ला दिया है। यह विवाद एक बड़ा सवाल खड़ा करता है: किसी ऐसे उत्पाद का विज्ञापन, जो देखने में पूरी तरह वैध है, कब प्रतिबंधित तंबाकू या पान मसाला उत्पाद का अप्रत्यक्ष विज्ञापन बन जाता है?

यह मुद्दा नया नहीं है। सालों से, तंबाकू और पान मसाला उत्पाद बनाने वाली कंपनियाँ इलायची, माउथ फ्रेशनर और अन्य उत्पादों जैसे ब्रांड एक्सटेंशन के जरिए, अपने ब्रांड को लोगों की नज़र में बनाए रखती हैं, जबकि उक्त उत्पादों के सीधे विज्ञापन पर प्रतिबंध है।

भारत में इस तरह की गतिविधियों से निपटने के लिए पहले से ही एक मजबूत कानूनी ढांचा मौजूद है। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सी.ओ.पी.टी.ए.), 2003 तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत बाद में बनाए गए नियम अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर भी रोक लगाते हैं। इनमें तम्बाकू उत्पाद के नाम या ब्रांड का इस्तेमाल अन्य सामान सेवाओं या कार्यक्रमों के प्रचार के लिए करना भी शामिल है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून की व्यवस्था भी इसमें एक और स्तर जोड़ती है। केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की 2022 की गाइडलाइंस उन वस्तुओं और सेवाओं के सरोगेट या अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर रोक लगाती हैं, जिनके विज्ञापन पर पहले से प्रतिबंध या रोक है।

फिर भी इन नियमों को लागू करना मुश्किल रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री का बचाव (डिफैंस) सीधा है: विज्ञापन पूरी तरह से वैध उत्पाद के लिए है।

इस बचाव की अदालतों में परीक्षा हो चुकी है। विमल इलायची से जुड़े एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शहजाद पूनावाला ने भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन से अनुरोध किया है कि इस बार उनके इस्तीफे को स्वीकार

- उन्होंने भाजपा व शीर्ष नेतृत्व को मार्ग दर्शन व सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया।

कर लिया जाए। इससे पहले भी उन्होंने 30 जुलाई को इस्तीफा दिया था, लेकिन पार्टी ने उसे स्वीकार नहीं किया था।

सोमवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने एक बार फिर अपना इस्तीफा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को भेजा है और इसे स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जल प्रबंधन में नए कीर्तिमान
जल समृद्ध हो रहा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

₹91,000 करोड़ की लागत से राम जल सेतु लिंक परियोजना

संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना

- 4.98 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा
- 17 जिलों को पेयजल-
  जयपुर, अलवर,
  दौसा, भरतपुर,
  सवाई माधोपुर,
  करौली, टोंक,
  बूंदी, कोटा, बारां,
  झालावाड़, अजमेर,
  ब्यावर, डीग
  कोटपूतली-बहरोड़,
  खैरथल-तिजारा,
  धौलपुर

₹34,102 करोड़ की यमुना जल परियोजना

शेखावाटी को वर्षों बाद जल

32 वर्षों का इंतज़ार पूरा

चूरू, सीकर, झुंझुनूं – भरपूर पानी

राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते (MoA) पर हस्ताक्षर

गंग, भाखड़ा एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना के नहरी-तंत्र के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए राशि ₹5500 करोड़

लाभान्वित जिले - हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर , चुरू, बीकानेर, फलौदी
जैसलमेर ,सीकर, झुंझुनू , नागौर, जोधपुर, डीडवाना- कुचामन, बाड़मेर और बालोतरा

ब्राह्मणी-राणा प्रताप सागर- बनास लिंक
680 एमसीएम जल बनास नदी में अपवर्तन
लाभान्वित जिले भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, अजमेर, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, अलवर, भरतपुर एवं डीग

₹2,500 करोड़
की **अपर हाई लेवल कैनाल माही परियोजना**
से बांसवाड़ा के 338 गांवों में सिंचाई

देवास तृतीय एवं चतुर्थ बांध का निर्माण
राज्य सरकार द्वारा राजसमंद जिले में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु खारी फीडर की जल संवहन क्षमता को दोगुना करने की लगभग ₹150 करोड़ की महत्वाकांक्षी परियोजना

₹7,355 करोड़ की
परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना से कोटा, बारां, झालावाड़ के 571 गांवों में 2.01 लाख हेक्टेयर सिंचाई एवं 1402 गांवों में पेयजल सुविधा

पाली एवं सिरोही में पेयजल आपूर्ति हेतु सेई एवं साबरमती बांधों का निर्माण कर जवाई बांध में पानी पहुंचाया जाएगा। परियोजना लागत **₹1,255.90 करोड़** है साथ ही, सेई बांध की टनल क्षमता बढ़ाने पर ₹65 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं।

माही बेसिन के अनास एवं सोम नदियों के 500 MCM अधिशेष जल को जाखम बांध, जयसमंद बांध के साथ साथ सोम-कमला-अंबा बांध के माध्यम से **जवाई बांध** एवं जालौर तक आपवर्तित करने का संकल्प
लाभान्वित जिले: बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूंबर, डूंगरपुर, उदयपुर, पाली, जालौर एवं जोधपुर

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है। –साने गुरूजी

क्या सत्ताधीशों का काम केवल विरोध को कुचलने का रह गया है?

दिनांक 13 अगस्त, 2026 को बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बी सी आई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने आदेश जारी किया कि हैदराबाद के विधि विश्वविद्यालय, NALSAR के 2026 बैच के छात्रों का पंजीयन किसी राज्य की बार कौंसिल में नहीं किया जाएगा। बिना बार कौंसिल में रेजिस्ट्रेशन के कोई विधि स्नातक किसी भी न्यायालय में वकालत नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि NALSAR के छात्रों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में बुलाने का विरोध किया था और कहा था कि वे उनके हाथों से डिग्री नहीं लेंगे। इसका कारण यह बताया गया कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के छात्रों की अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करने में असमर्थ रहे हैं। जब दिल्ली में पुलिस अत्याचार के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उनके पास ये वीडियो देखने के लिए समय नहीं है। यह बयान युवाओं के प्रति उनकी असंवेदनशीलता दर्शाता था। उनके फैसले, युवाओं के हित के विपरीत रहे हैं। पाठकों के लिए यह जानना उचित होगा कि पारंपरिक रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश को NALSAR के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि की तरह बुलाया जाता रहा है।

बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन मिश्रा वही व्यक्ति हैं जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर बिहार से विधायक का चुनाव लड़ा। बाद में 2013 में ये भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और भाजपा के प्रति स्वामी भक्ति दिखाने के कारण इनको राज्यसभा का सदस्य बना दिया गया। ये 2014 से लगातार बार काउंसिल के अध्यक्ष बने हुए हैं। मिश्रा के इस मनमाने और बेतुके आदेश की सब वकीलों, नेताओं, यहां तक कि भाजपा के नेताओं ने भी कडी निंदा की। कॉकरोच जनता पार्टी, (सी जे पी) के नेताओं ने तो यहां तक घोषणा कर दी कि वे मनन मिश्रा के सरकारी आवास और उनके कार्यालय का घेराव करेंगे। तीव्र विरोध को देखते हुए मनन मिश्रा को दो घंटों में ही अपना वह आदेश वापस लेना पड़ा। उन्होंने बड़े भोलेपन से मीडिया के माध्यम से यह बयान दिया कि वे युवाओं के भविष्य को किसी प्रकार से खराब नहीं करना चाहते हैं।

मनन मिश्रा का यह आदेश तो केवल एक उदाहरण है, वास्तविकता तो यह है कि सत्ता की कुर्सी पर बैठा हर व्यक्ति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुंठित करने का कार्य कर रहा है। विरोध के प्रति इतनी असहिष्णुता पहले नहीं देखी गई। नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी, संविधान द्वारा दी गई है। जहां, जिसको अवसर मिलता है वह विरोध को सहन नहीं कर पाता और उसके स्वर को कुचलने का प्रयास करने लगता है।

देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में 15-20 साल से छात्र संगठन के चुनाव नहीं हुए हैं। अपनी राजनीतिक विचारधारा को अभिव्यक्त करने का कोई मंच ही छात्रों को उपलब्ध नहीं है। केंद्र एवं राज्यों में सरकारों ने अपने चहेते कुलपति और अध्यक्ष सभी शिक्षण संस्थाओं में बिठा दिए, ताकि छात्रों को उनकी ही विचारधारा को मानने हेतु बाध्य किया जा सके। सरकार विरोधी विचारधारा रखने वाले लोगों को टारगेट करके प्रताड़ित करने का प्रयास किया जाता है।

हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान कई विश्वविद्यालयों और संस्थाओं ने इस आंदोलन में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया और छात्रों को सलाह दी कि इसमें भाग न लें। यह धमकी तक दी गई कि यदि उन्होंने इसमें भाग लिया तो उन्हें विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है। एक विश्वविद्यालय ने तो यहां तक लिख दिया कि यदि उनके विश्वविद्यालय के छात्र आंदोलन में भाग लेंगे तो, विश्वविद्यालय और केंद्र सरकार के संबंध पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे आदेश निकालने वालों में दिल्ली विश्वविद्यालय, जे एन यू, जामिया मिलिया, आई आई टी रुड़की और मद्रास जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय एवं शैक्षिक संस्थानों का कार्य स्वतंत्र सोच को विकसित करने का है अथवा उसे दबाने का? यदि विश्विद्यालय, सरकार विरोधी विचारधारा के स्वर को दबाने का काम करेंगे तो उन्हें विश्वविद्यालय कहना बेमानी होगा। विश्वविद्यालय छात्र संघों से निकले कई छात्र नेता, बाद में राष्ट्रीय राजनीति में आए और विधायक, सांसद और मंत्री तक बने, जैसे अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, रवि शंकर प्रसाद आदि आदि।

यह देश का दुर्भाग्य ही है कि जिस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी संविधान में दी गई है, उसे ही किसी न किसी तरह से, हर स्तर पर दबाने का प्रयास किया जा रहा है। यह काम सरकारी विभागों के अधिकारी तो करते ही थे, अब तो उच्च शिक्षण संस्थान तक यही करने लगे हैं। कई बार तो लगता है कि प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के मुखिया के रूप में नियुक्त होने के लिए केवल एक ही अनिवार्य शर्त है, और वह यह कि, आप सत्ताधारी दल के सेवक के रूप में कार्य करने को तत्पर हों।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम केवल वर्तमान भाजपा सरकार ही नहीं कर रही है। पूर्व में भी, हर सत्ताधारी दल ने अपने विरोधियों की आवाज़ को दबाने और कुचलने का ही काम किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो आपातकाल के रूप में 1975 में सामने आया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया था।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम केवल वर्तमान भाजपा सरकार ही नहीं कर रही है। पूर्व में भी, हर सत्ताधारी दल ने अपने विरोधियों की आवाज़ को दबाने और कुचलने का ही काम किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो आपातकाल के रूप में 1975 में सामने आया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया था। सभी प्रकार के संचार माध्यमों पर सरकार विरोधी कोई बयान देने और संगठन बनाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया। आपात काल के बाद मार्च, 1977 में जब चुनाव हुए, तब जनता ने दिखा दिया कि वह अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखना चाहती है और जो भी उसे दबाने का प्रयास करेगा, उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। जनता ने इंदिरा गांधी जैसी शक्तिशाली प्रधानमंत्री की सरकार को 1977 के चुनावों में बुरी तरह पराजित करके सत्ता से उखाड़ फेंका।

गत कुछ वर्षों से जिस प्रकार की असहिष्णुता, विचारों की भिन्नता के लिए और सत्ताधारी दल के मत से अलग मत रखने वालों के प्रति दिखाई जा रही है, उससे तो यही लगता है कि राजनैतिक दलों ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा और फिर वही गलती दोहरा रहे हैं। इस भय के वातावरण के कारण सरकार के विरुद्ध मुंह खोलना, जोखिम भरा काम हो गया है। जिन विद्यार्थियों ने कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर मंतर के प्रदर्शन में भाग लिया, पुलिस द्वारा उनकी पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई कार्यवाही की जा रही है।

आजकल तो विश्वविद्यालय में कुलपति, प्रोफेसर एवं शिक्षकों के पदों पर चयन हेतु, सत्ताधारी दल की विचारधारा वाला व्यक्ति होना, अनिवार्य शर्त बन गई है। यहां तक कि निजी विश्वविद्यालय में भी यदि सरकार के निर्णय के विरुद्ध कोई आवाज उठा दें, तो वहां के मुखिया को उनके मालिकों के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की जाती है।

मीडिया अपनी सही भूमिका तभी निभा सकता है जब वह अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखे और निष्पक्ष रहे। कुछ वर्षों से यह देखा गया है कि मीडिया अंग्रेज़ी की कहावत "more loyal than the king" को सही सिद्ध करने में लगा है। यह मीडिया निष्पक्षता की सभी सीमाओं को लांघते हुए सत्ताधारी दल को खुश करने में लगा है। इस प्रकार के मीडिया को 'गोदी मीडिया' की संज्ञा दी गई है यानि सरकार की गोद में बैठा मीडिया। इनका उद्देश्य स्पष्ट है, सरकार के अधिकाधिक विज्ञापन उन्हें मिलते रहें और सरकार का पूर्ण संरक्षण उन्हें प्राप्त हो।

आज, यदि धरातल के वास्तविक समाचार लोगों तक पहुंच रहे हैं तो, वह केवल सोशल मीडिया की बदौलत है। कुछ साहसी पत्रकार, फील्ड में जाकर वास्तविकता उजागर करने का प्रयास करते हैं किंतु उनके लिए भी जोखिम बहुत बढ़ी है। सरकार के किसी निर्णय और कार्रवाई का विरोध, उनके लिए कितना भारी पड़ सकता है, इसके अनेक उदाहरण गत कुछ वर्षों में देखने में आए हैं। कई चैनल बंद कर दिए गए या उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। कुछ के विरुद्ध ई डी, सी बी आई, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों को छोड़ दिया गया है।

सरकार विरोधी रिर्पोटिंग करने वाले कुछ पत्रकारों को गिरफ्तार तक कर लिया गया। यूपी में एक सरकारी स्कूल में मिड डे मील में पानी और नमक के साथ रोटी खाते हुए बच्चों को दिखा दिया तो सरकार ने उस पत्रकार को गिरफ्तार करवा दिया। जिस पत्रकार ने हाथरस बलात्कार और हत्या कांड के सच को मीडिया में प्रसारित करने की कोशिश की तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी जमानत भी सुप्रीम कोर्ट के दखल से हुई।

कोई शायर या कॉमेडियन ऐसी कोई बात सार्वजनिक मंच से कह दे जो सरकार को अपने विरोध में दिखाई दे तो उस पर कार्रवाई करने में कोई देरी नहीं होती। सरकार के इस काम में, दुर्भाग्य से, प्रशासन भी पूरी तरह सहयोग करने के लिए, हर गैर कानूनी आदेश का पालन करने के लिए तत्पर रहता है। उदाहरणार्थ, लद्दाख के जिला प्रशासन ने बिना पर्याप्त कारण के, सोनम वांगचुक को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट में गिरफ्तार करके सात महीने के लिए जेल में डाल दिया था। बाद में, स्वयं गृह मंत्रालय को एन एस ए के अंतर्गत जारी आदेश को वापस लेना पड़ा। इससे, सरकार की बडी किरकिरी हुई थी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने में जहां सत्ता पक्ष के नेताओं की प्रमुख भूमिका है, वहीं, संविधान की शपथ लेने वाले नौकरशाहों और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की भी उतनी ही भूमिका है। यदि वे अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधी रखें तो सरकार, चाहते हुए भी असंवैधानिक तरीके नहीं अपना सकती है। बस, इसके लिए उनको स्वयं को दो ही बातों से मुक्त करना होगा - भय और लोभ। अधिकारी गण, सरकार के उचित -अनुचित सभी आदेशों का पालन केवल इसलिए करते हैं कि उन्हें मनमानी पोस्टिंग मिल जाए या वह नेताओं के साथ मिलकर अनैतिक रूप से धन कमा सकें, या फिर वे इतने कायर है कि उनके विरुद्ध प्रताड़ना की कार्यवाही से भय खाते हैं। यदि अधिकारी अपने विवेक से कानून सम्मत काम करते तो जंतर मंतर के प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन का इस्तेमाल नहीं होता और बिहार में कोई सिपाही एके-47, प्रदर्शनकारियों पर नहीं तान देता।

ऐसा लगता है कि कोई भी व्यक्ति कुर्सी पर बैठे, उसका पहला काम ही विरोध के स्वर को दबाने का हो जाता है। यह प्रवृत्ति अब शायद जनता के दबाव से कम होगी और अधिकारीगण, स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कार्य करेंगे। राजनेताओं को सबक सिखाने का काम तो जनता, केवल चुनाव के माध्यम से पांच साल में एक बार कर सकती है। राजनीतिज्ञों को यह बात समझती होगी कि जनता के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करके वे न केवल लोकतंत्र की रक्षा कर पाएंगे अपितु स्वयं की छवि और भविष्य को भी बेहतर बना पाएंगे। अन्यथा, मौका लगने पर जनता उन्हें कैसे पटखनी दे देती है, इसका इतिहास गवाह है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

संवैधानिक धर्म: समानता और बंधुत्व का मार्ग

मदन सिंह काला

संविधान की प्रस्तावना हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। 26 जनवरी 1950 को जब यह लागू हुआ, तो हर भारतीय नागरिक से चार वादे किए - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व। 75 वर्ष बाद आज हमें यह परखना है कि इन वादों को जमीन पर उतारने में हम कहां तक सफल हुए। यदि प्रस्तावना एक संकल्प है, तो आरक्षण उस संकल्प को पूरा करने का सबसे बड़ा संवैधानिक उपकरण है।

इतिहास हमें बताता है कि भारत की हार का सबसे बड़ा कारण बाहरी आक्रांता नहीं, बल्कि अंदर की फूट थी। इस फूट की जड़ जन्म आधारित वर्ण व्यवस्था में थी। समाज को चार हिस्सों में बांट दिया गया। ब्राह्मण को समस्त समाज को शिक्षा देने का दायित्व मिला, पर उसने उसे सीमित रखा। क्षित्रय को रक्षा की जिम्मेदारी मिली, पर वह अकेला बार-बार हारता गया क्योंकि उसके पीछे पूरा समाज नहीं खड़ा था। वैश्य का काम शुद्ध व्यापार था, पर उसने उसे ईमानदारी से नहीं निभाया गया। शूद्रों को खेती, पशुपालन, भवन निर्माण, कपड़ा बुनाई, लोहे-सोने का काम, जूते बनाने जैसे सभी तकनीकि व उत्पादकता जैसे कार्यों में लगा दिया गया, लेकिन उन्हें शिक्षा और संपत्ति के अधिकार से वंचित रखा गया। अतिशूद्रों को तो "पूर्व जन्म के कर्मों" का हवाला देकर अछूत घोषित कर समाज से बिल्कुल अलग कर दिया गया।

इस तरह समाज की 80-85 प्रतिशत शक्ति को शिक्षा, सम्मान और अवसरों से दूर रख दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देश न आर्थिक रूप से मजबूत बन पाया, न सैन्य रूप से और न बौद्धिक रूप से। यही कारण है कि हम बार-बार गुलाम हुए।

इसी ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए संविधान निर्माताओं ने 'सकारात्मक कार्रवाई' का मार्ग चुना। यह कोई राजनीतिक चाल या दया नहीं थी, बल्कि एक संवैधानिक उपचार था। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि संविधान में आरक्षण का आधार कभी आर्थिक कमजोरी नहीं रहा। संविधान सभा में बहस के दौरान डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था - "I don't prefer the competent government, I prefer the representative government." इसका अर्थ है आरक्षण का उद्देश्य 'योग्य सरकार' नहीं, बल्कि 'प्रतिनिधि सरकार' बनाना है। इसलिए अनुच्छेद 16(4) में आधार 'सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन' रखा गया है। दुनिया के अन्य देशों में भार Affirmative Action है, लेकिन उसका आधार भी आर्थिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक भेदभाव और कम प्रतिनिधित्व है।

-आरक्षण प्रतिभा के विरुद्ध व्यवस्था नहीं है; यह उस असमान प्रारंभिक स्थिति को संतुलित करने का संवैधानिक प्रयास है जिसमें सभी प्रतियोगियों को समान अवसर कागज पर तो मिलता है, लेकिन सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक परिस्थितियाँ समान नहीं होतीं।- जिस बच्चे के घर में किताब नहीं, कोचिंग नहीं, अच्छे स्कूल नहीं, उसे उसी लाइन से दौड़ाना जहाँ दूसरे के पास पीढ़ियों से संसाधन हैं, यह समानता नहीं होगी। आरक्षण उसी दौड़ को बराबर करने के लिए 'हैंडीकैप' की तरह है। एक बार बराबरी आ जाए, फिर मैदान सबके लिए खुला है।

75 वर्षों का परिणाम सामने है। एससी/एसटी की साक्षरता 1951 के 10 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 70 प्रतिशत से अधिक हो गई। आज इन वर्गों से आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, खिलाड़ी, उद्यमी और जनप्रतिनिधि निकल रहे हैं। राज्यों में आरक्षण की स्थिति अलग-अलग है। सिक्किम में कुल 85 प्रतिशत आरक्षण है, तमिलनाडु में 69 प्रतिशत, राजस्थान में 64 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 60 प्रतिशत और कर्नाटक में 50 प्रतिशत की सीमा लागू है, जिसे राज्य सरकार ने 66 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। केंद्र में एससी 15 प्रतिशत, एसटी 7.5 प्रतिशत, ओबीसी 27 प्रतिशत और इडब्ल्यूएस 10 प्रतिशत आरक्षण लागू है।

आरक्षण के बाद भारत की तस्वीर बदली। आजादी के बाद हम कभी किसी विदेशी ताकत के गुलाम नहीं बने। हमारी तीनों सेनाएं - थल, नौसेना, वायुसेना - दुनिया की सबसे बहादुर सेनाओं में हैं। -ध्यान देने योग्य बात है कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं की कॉम्बैट/लड़ाकू भर्ती में कोई जातिगत आरक्षण नहीं है।- वहां चयन पूरी तरह मेरिट, शारीरिक दक्षता और राष्ट्र भक्ति के आधार पर होता है, और यही हमारी ताकत है। इसी तरह ओलंपिक और एशियाड में भी कोई आरक्षण नहीं है, फिर भी एससी/एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के खिलाड़ी मिलकर मेडल लाते हैं। यह सिद्ध करता है कि अवसर मिलने पर हर वर्ग प्रतिभा दिखा सकता है।

पिछले वर्षों में 'समरसता' शब्द चर्चा में है। समर्थक इसे प्रेम और भाईचारे का प्रतीक मानते हैं। लेकिन यहां गंभीर आपत्ति है। डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने स्वयं कहा था - "I don't want Samrasta, I want Samata" मुझे समरसता नहीं, समानता चाहिए। यदि 'समरसता' का अर्थ जन्म आधारित कर्म को स्वीकार करना है, तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है। संविधान का लक्ष्य 'समरसता' नहीं, बल्कि 'समानता और बंधुत्व' है। वास्तविक समरसता तभी होगी जब हर वर्ग का व्यक्ति मंदिर से लेकर प्रयोगशाला तक, खेत से लेकर संसद तक, अपनी योग्यता से आगे बढ़ सके।

सरकारी क्षेत्र में आरक्षण के बाद भी समाज के कुछ क्षेत्रों में असमानता दिखती है। हिंदू धर्म जिसे सनातन धर्म भी कहा जाता है, के कई धार्मिक स्थलों, ट्रस्टों और पूजा से जुड़ी भूमिकाओं में आज भी पीढ़ीगत आधार पर ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य वर्णों का वर्चस्व है। शूद्र और अतिशूद्र वर्ण की जातियों को व्यवस्थित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। इसी तरह देश के चार पीठों के शंकराचार्यों और विभिन्न अखाड़ों के महामंडलेश्वरों जैसे शीर्ष पदों परंपरागत रूप से जन्म के आधार पर ही चयन होता आया है। जब तक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं में सभी वर्गों को समान सम्मान और भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'बंधुत्व' अधूरा रहेगा।

इस संदर्भ में इडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रश्न भी उठता है। 10 प्रतिशत इडब्ल्यूएस आरक्षण को संविधान की मूल भावना के विरुद्ध माना जा सकता है। सबसे बड़ी विसंगति यह है कि यह एससी/एसटी, और ओबीसी के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर लागू ही नहीं होता। यदि आधार आर्थिक है, तो फिर इन वर्गों के गरीबों को इससे बाहर क्यों रखा गया? इससे स्पष्ट है कि इसका आधार सामाजिक न्याय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे बिना गहन बहस के स्वीकार कर लिया, लेकिन संवैधानिक दृष्टि से यह प्रावधान संदिग्ध है।

अब समय आ गया है कि हम आरक्षण को अंतिम लक्ष्य न मानें। - आरक्षण अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि समान अवसर तक पहुंचने का साधन है। अंतिम लक्ष्य ऐसा समाज होना चाहिए जिसमें जन्म व्यक्ति की शिक्षा, सम्मान, रोजगार, नेतृत्व और जीवन की संभावनाओं को निर्धारित न करे। इसके लिए हमें एक संयुक्त मॉडल अपनाना होगा - आरक्षण + गुणवत्तापूर्ण शिक्षा + आर्थिक सशक्तिकरण + सामाजिक प्रतिनिधित्व + संवैधानिक बंधुत्व।

इसके लिए सबसे पहले हर 10 वर्ष में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण होना चाहिए ताकि नीति सही आंकड़ों पर बने और ओबीसी के लिए 'क्रीमी लेयर' को सख्ती से लागू किया जाए। दूसरा बड़ा कदम शिक्षा में होना चाहिए। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, मुफ्त कोचिंग और छात्रवृत्ति से लक्ष्य यह हो कि अगली पीढ़ी को आरक्षण पर निर्भर न रहना पड़े। तीसरा कदम आर्थिक सशक्तिकरण का है। मुद्रा, स्टार्टअप और कौशल विकास योजनाओं को एससी/एसटी, ओबीसी युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। चौथा कदम संस्थाओं में समावेश का है। सरकारी मंदिरों और ट्रस्टों की प्रबंधन समितियों में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिले और धार्मिक शिक्षा सभी के लिए खोली जाए। पांचवां कदम संवाद का है। गांव-स्तर पर संविधान और बंधुत्व पर चर्चा हो और भेदभाव के खिलाफ कानूनों का कड़ाई से पालन हो।

अब 75 वर्षों बाद हमें एक नई सोच अपनानी होगी। परम्परागत धर्मों की जगह हमें एक -'संवैधानिक धर्म'- की अवधारणा विकसित करनी चाहिए। इस धर्म में शनैः शनैः जन्म, कर्म और जाति की जगह संवैधानिक मूल्य ले लें - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व। इस 'संवैधानिक धर्म' के 4 स्तंभ होंगे: समानता का पूजा-स्थल स्कूल, अस्पताल, अदालत, बंधुत्व का प्रसाद अवसर और प्रतिनिधित्व, न्याय का आचरण भेदभाव न करना, और स्वतंत्रता का मंत्र अपनी प्रतिभा से जीवन चुनने की आजादी।

आरक्षण कमजोरी नहीं है। यह उस टूटी हुई कड़ी को जोड़ने का संवैधानिक रास्ता है जिसके कारण हम सदियों तक कमजोर रहे। जब समाज का हर वर्ग - सरकारी दफ्तर, स्कूल, सेना, उद्योग और धार्मिक संस्था - सब जगह शिक्षित और सशक्त होकर भाग लेगा, तभी भारत एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकेगा। अनेकता में एकता ही हमारी वास्तविक जीत है। संविधान केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं है, बल्कि -145 करोड़ से अधिक- भारतीयों के बीच का सामाजिक समझौता है। आइए हम सब मिलकर न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के इस वादे को पूरा करने के लिए काम करें।

–मदन सिंह काला, पूर्व आई.ए.एस अधिकारी

रंगमंच महंगा होगा तो अभिव्यक्ति सस्ती कैसे रहेगी?

राजेन्द्र जोशी

कला, साहित्य और संस्कृति किसी भी समाज की आत्मा होती है। इनका संरक्षण करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन केवल संरक्षण की घोषणा कर देने से संस्कृति जीवित नहीं रहती। इसके लिए कलाकारों, साहित्यकारों और रंगकर्मियों को साधन, सुविधाएँ और सबसे महत्वपूर्ण-अभिव्यक्ति के लिए सहज और सुलभ मंच उपलब्ध करवाना भी सरकार का दायित्व है।

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति का अधिकार तभी सार्थक है, जब आम आदमी अपनी बात कह सके। कलाकार अपने नाटक के माध्यम से समाज की विसंगतियों और कुरीतियों पर सवाल उठाता है, साहित्यकार गोष्ठियों के माध्यम से विचारों को समाज तक पहुँचाता है और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हमारी लोक परंपराओं और सामाजिक चेतना को आगे बढ़ाती हैं। इसलिए सरकारी सभागारों और रंगमंचों का किराया इतना नहीं होना चाहिए कि आम कलाकार वहाँ कार्यक्रम करने के बारे में सोच भी न सके।

बीकानेर का सांस्कृतिक इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। साहित्य, रंगमंच, लोककला और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में बीकानेर की अपनी विशिष्ट पहचान है। बीकानेर को साहित्य की राजधानी तक कहा गया है। यहाँ अनेक साहित्यकारों, रंगकर्मियों और कलाकारों ने अपनी रचनात्मक यात्रा शुरू की और देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाई।

ऐसे शहर में टाउन हॉल केवल एक भवन नहीं है। यह बीकानेर की सांस्कृतिक स्मृति और सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। लंबे समय से साहित्यिक गोष्ठियाँ, नाट्यय प्रस्तुतियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक आयोजन और विचार-विमर्श यहाँ होते रहे हैं। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या टाउन हॉल वास्तव में आम रंगकर्मी, साहित्यकार और सामाजिक संस्थाओं की पहुँच में रह गया है? टाउन हॉल का किराया जिस तरह बढ़ाया गया है, उसने छोटे बजट में काम करने वाले रंगकर्मियों और संस्थाओं के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। किसी रंगकर्मी के लिए नाटक तैयार करना ही आसान काम नहीं है। कलाकारों की मेहनत, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि, प्रचार-प्रसार और अन्य खर्चों के बाद यदि सभागार का किराया ही इतना अधिक हो जाए कि आयोजन की पूरी आर्थिक गणित बिगड़ जाए तो कलाकार अपनी प्रस्तुति कहाँ करेगा? यह सवाल केवल रंगकर्मियों का नहीं है। यह बीकानेर के सांस्कृतिक भविष्य का सवाल है।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि बीकानेर के रंगकर्मी और कला-संस्कृति से जुड़े लोग टाउन हॉल के किराये को लेकर कई बार राजनेताओं और जिला प्रशासन से आग्रह कर चुके हैं। अपनी समस्या से अवगत करवाया है और किराये को तर्कसंगत एवं सामान्य करने की मांग रखी है। लेकिन लगातार आग्रह के बावजूद यदि प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होती तो यह चिंता का विषय है। ऐसा लगता है जैसे कलाकारों की आवाज प्रशासन के कानों तक पहुँच ही नहीं रही। रंगकर्मियों का यह कहना गलत नहीं है कि जब वे बार-बार अपनी बात रख चुके हैं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से आग्रह कर चुके हैं, फिर भी कोई निर्णय नहीं होता तो आखिर वे अपनी बात किसके सामने रखें? सरकारी भवन जनता के पैसे से बनते हैं। टाउन हॉल भी जनता की सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए है। उसका उद्देश्य केवल किराये से अधिकतम राजस्व अर्जित करना नहीं हो सकता। व्यावसायिक आयोजन और सांस्कृतिक आयोजन एक कैसे हो सकते हैं? जिला प्रशासन को एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा व्यावसायिक कार्यक्रम और गैर-व्यावसायिक सांस्कृतिक आयोजन एक समान नहीं होते।

यदि कोई बड़ा व्यावसायिक कार्यक्रम है, किसी कंपनी का प्रचारात्मक आयोजन है अथवा ऐसा कार्यक्रम है जिससे आयोजक को आर्थिक लाभ होता है, तो उसके लिए अलग किराया निर्धारित किया जा सकता है। लेकिन स्थानीय रंगकर्मी जब अपनी जेब से या सीमित सहयोग से नाटक तैयार करता है, साहित्यकार साहित्यिक गोष्ठी आयोजित करता है या कोई सामाजिक संस्था जनजागरूकता का कार्यक्रम करती है, तो उनसे उसी दर पर किराया लेना न्यायसंगत नहीं है।

सरकार को चाहिए कि टाउन हॉल के किराये की अलग-अलग श्रेणियाँ निर्धारित करे। व्यावसायिक आयोजनों के लिए सामान्य दर हो, जबकि साहित्य, कला, रंगमंच, लोक संस्कृति, विद्यार्थी गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े गैर-व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए अत्यंत रियायती दर रखी जाए। बीकानेर के रंगकर्मियों ने रवींद्र रंगमंच के लिए एक-दो वर्ष नहीं, बल्कि लगभग तीन दशक तक संघर्ष किया। आंदोलन किए, आवाज उठाई और सरकारों के सामने अपनी मांग रखी। लंबे संघर्ष के बाद रवींद्र रंगमंच बना। लेकिन आज स्थिति यह है कि उसका किराया भी सामान्य रंगकर्मी की आर्थिक पहुंच से बाहर होता जा रहा है। ऐसे में जिस मंच के लिए कलाकारों ने वर्षों संघर्ष किया, वही मंच यदि कलाकारों के लिए महंगा हो जाए तो यह व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

फिर भी टाउन हॉल की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह लंबे समय से बीकानेर की सांस्कृतिक गतिविधियों का सुलभ केंद्र रहा है। यदि टाउन हॉल भी कलाकारों की आर्थिक पहुंच से बाहर हो गया तो छोटे रंगकर्मियों और साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के पास आखिर कौन-सा विकल्प बचेगा?

सरकारें बड़े-बड़े सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करती हैं। मंच सजते हैं, कलाकार बुलाए जाते हैं और संस्कृति के संरक्षण की बातें होती हैं। लेकिन संस्कृति का वास्तविक संरक्षण तब होगा, जब स्थानीय कलाकारों को वर्षभर मंच उपलब्ध होगा। बीकानेर के कलाकारों को किसी बड़े महोत्सव में साल में एक बार मंच देने से अधिक जरूरी है कि उन्हें पूरे वर्ष छोटे-छोटे कार्यक्रम करने के लिए सुलभ स्थान मिले। कला और साहित्य के लिए बने सरकारी सभागारों का उद्देश्य राजस्व कमाना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होना चाहिए। जिला प्रशासन को टाउन हॉल के किराये पर तत्काल पुनर्विचार करना चाहिए। रंगकर्मियों, साहित्यकारों, कलाकारों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी बात सुननी चाहिए और ऐसा किराया तय करना चाहिए जो व्यावहारिक भी हो और कलाकारों की पहुंच में भी। बीकानेर के रंगकर्मी कोई विशेष सुविधा नहीं मांग रहे हैं। वे केवल इतना चाहते हैं कि जिस शहर की सांस्कृतिक पहचान इतनी समृद्ध है, वहाँ संस्कृति के लिए बने मंच संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए सुलभ रहें। अभिव्यक्ति का अधिकार संविधान ने दिया है, लेकिन उस अभिव्यक्ति के लिए मंच उपलब्ध करवाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। टाउन हॉल आम आदमी की पहुंच से बाहर होगा तो बीकानेर की सांस्कृतिक आवाज कमजोर होगी। इसलिए समय आ गया है कि जिला प्रशासन कलाकारों की आवाज सुने और टाउन हॉल के बढ़े हुए किराये को तत्काल वापस लेकर रंगकर्मियों, साहित्यकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए तर्कसंगत एवं रियायती किराया निर्धारित करे। बीकानेर का टाउन हॉल केवल ईंट-पत्थर का भवन नहीं है-यह बीकानेर की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है। इसे बाजार की दरों पर नहीं, संस्कृति की जरूरतों के आधार पर चलाया जाना चाहिए।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद- साहित्यकार

राशिफल मंगलवार 18 अगस्त, 2026

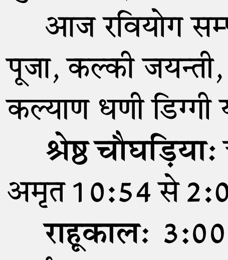

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, स्वाती नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:47 तक, शुक्ल योग रात्रि 3:23 तक, तैतिल करण सायं 5:51 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज मंगल गौरी पूजा, कल्की जयन्ती, श्रियाल छठ, वर्णषष्ठी है। आज से कल्याण धणी डिग्गी यात्रा आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:17 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:08 तक, शुभ 3:44 से 5:21 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:58

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

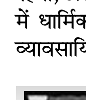

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

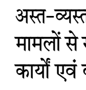

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

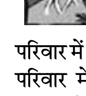

कर्क

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

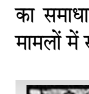

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

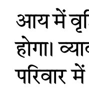

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

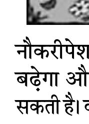

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है।

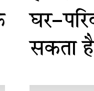

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

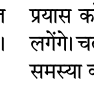

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

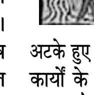

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज व्यक्तिगत पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

निकाय चुनाव में भाजपा ने कसी कमर, बड़े चेहरों के साथ जेन-जी पर दांव

'डबल इंजन के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार का लक्ष्य'

- बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजय कुमार, निकाय चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी सहित राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे

जयपुर। राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी ने निकाय चुनाव को सिर्फ वार्ड स्तर का चुनाव नहीं मानते हुए इसे संगठन की जमीनी ताकत और सरकार के कामकाज की परीक्षा के तौर पर लेने की रणनीति बनाई है। इसी के तहत केंद्रीय नेताओं को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ युवा और नई पीढ़ी, खासकर जेन जी मतदाताओं पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजय कुमार, निकाय चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी सहित राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में निकाय चुनाव की संभाग टीम, मेनिफेस्टो टीम, संभाग प्रभारी और सह प्रभारी भी शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक हुई।

बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, प्रत्याशी चयन, स्थानीय मुद्दों, चुनावी रणनीति तथा केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा की रणनीति विकास और सुशासन को चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाने के साथ स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं तथा नए चेहरों को आगे बढ़ाने की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ढाई वर्ष के कार्यकाल में राजस्थान को विकास की नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने रोजगार, किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण, जल उपलब्धता, निवेश और आधारभूत ढांचे को सरकार की प्राथमिकता बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 लाख 89 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां देने का काम हुआ है। यमुना जल समझौते और राम जल सेतु जैसे प्रयासों को भी उन्होंने राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण बताया।

राठौड़ ने कहा कि टिकट का फैसला जनाकांक्षा, स्थानीय समीकरण और जीत की संभावना को ध्यान में रखकर किया जाएगा। युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों को भी प्रत्याशी चयन में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने का प्रयास रहेगा। आरक्षित महिला सीटों पर महिलाओं को अवसर देने के साथ प्रभावी महिला नेताओं को सामान्य सीटों से भी चुनाव मैदान में उतारने की संभावना पर विचार किया जाएगा।

निकाय वार्डों के आरक्षण के बाद टिकट के दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ गई है। जयपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में पार्षद, चेयरमैन और महापौर पदों को लेकर स्थानीय समीकरण बनने लगे हैं। ऐसे में केंद्रीय नेताओं की मौजूदगी में हुई बैठक को टिकट वितरण और चुनाव प्रबंधन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी विकास, सुशासन और जनकल्याण के मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी। वहीं कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मदन राठौड़ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास जनता को बताने के लिए ठोस उपलब्धियां नहीं हैं और पार्टी गुटबाजी में उलझी हुई है।

सावन के तीसरे सोमवार पर शिवमय हुई छोटी काशी

जयपुर। सावन के तीसरे सोमवार को गुलाबी नगरी 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठी। बादलों से घिरे सुहावने मौसम के बीच अलसुबह से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। ताड़केश्वर महादेव, झारखंड महादेव, आत्माराम जलेश्वर महादेव, अमरपुरेश्वर महादेव और नर्मदेश्वर महादेव सहित छोटे-बड़े शिव मंदिरों में दिनभर अभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, विशेष शृंगार और आरती के आयोजन हुए। भक्तों ने दूध, गंगाजल, पंचामृत, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और फलों के रस से भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की।

वैशाली नगर स्थित प्रसिद्ध झारखंड महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार का सबसे बड़ा आकर्षण हरिद्वार की हर की पौड़ी से मंगवाया गया गंगाजल रहा। बब्बू सेठ मेमोरियल ट्रस्ट और धर्म फाउंडेशन की ओर से दो टैंकर गंगाजल जयपुर मंगवाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश सोमानी ने बताया कि गुरुवार को दो ट्रक हरिद्वार रवाना किए गए थे, जो शनिवार को गंगाजल लेकर जयपुर पहुंचे।

सोमवार सुबह करीब 5 बजे महाशिवाभिषेक शुरू हुआ, जो शाम 4 बजे तक चला।

सार-समाचार

सारस्वत परिवार तीज उत्सव में महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

जयपुर। सारस्वत महिला मंडल, जिला जयपुर की ओर से राजधानी के रजवाड़ा रिसोर्ट, वैशाली नगर में सारस्वत परिवार सावन उत्सव सीजन 5 आया सावन झूम के तीज उत्सव के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध आयोजन में त्यौहार की जीवंत विरासत का मनमोहक और शानदार प्रदर्शन किया तथा पारंपरिक संगीत, नृत्य और उत्सवों की परंपराओं को एक साथ प्रस्तुत किया गया। सारस्वत ब्राह्मण समाज, जिला जयपुर एवं सारस्वत युवा मंडल, जिला जयपुर के सहयोग से आयोजित रंगारंग कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सावन-तीज की पारंपरिक रंगत, पारंपरिक वेशभूषा, रैम्प वॉक, कपल्स की भागीदारी, नृत्य प्रस्तुतियों, मनोरंजक गेम्स और विशेष आकर्षणों ने सभी का मन मोह लिया। उपाध्यक्ष राखी शुक्ला ने बताया कि आयोजन की शुरुआत गणेश वंदना तथा दीप प्रज्वलन सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के महामंत्री सुरेश सारस्वत,विशिष्ट अतिथि सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा तथा महिला मंडल जिला जयपुर की अध्यक्षा कुलदीप शर्मा तथा आयोजक टीम के सभी सदस्य द्वारा हुआ।

गजानंद मिश्र मानव को पीएच.डी. की उपाधि मिली

जयपुर/नई दिल्ली। अमेरिका की सीडर ब्रुक यूनिवर्सिटी द्वारा कांस्टीट्यूशनल क्लब, नई दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह में आर्ट कैटेगरी में फिल्म निर्देशक लेखक अभिनेता अधिवक्ता गजानंद मिश्र मानव को उत्कृष्ट अतुलनीय असाधारण फिल्म निर्देशक के रूप में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने के लिए "दर्शनशास्त्र" के सिनेमा डायरेक्टर्स आर्ट कैटेगरी में "पीएच.डी." की मानद डॉक्टरेट उपाधि,गोल्ड मेडल से मानव को साथ सीडर ब्रुक यूनिवर्सिटी यू.एस.ए.ने प्रदान कर पुरस्कृत किया है, फिल्म निर्देशक गजानंद मिश्र मानव को सम्मानित किया।

आयुक्त राकेश शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी

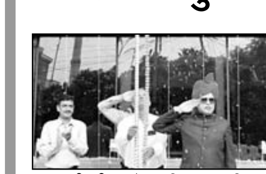

जयपुर। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को सूचना केंद्र, जयपुर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी एवं उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की।

रिश्तों की सुदृढ़ता के लिए पवित्रता जरूरी : मुनि सुधाकर

जयपुर। तेरापंथ महिला मंडल, सी-स्कीम के तत्वावधान- में आचार्य महाश्रमण जी के शिष्य मुनि सुधाकर जी के पावन सान्निध्य में रविवार को श्याम नगर स्थित भिक्षु साधना केंद्र में दंपति कार्यशाला का विशेष आयोजन हुआ। कार्यशाला में बड़ी संख्या में दंपतियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ मुनि सुधाकर जी ने नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से किया। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुनि ने कहा कि स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार है। इसके लिए पति-पत्नी के रिश्ते में आपसी पवित्रता और सुदृढ़ता जरूरी है। उन्होंने कहा कि दांपत्य जीवन में टकराव के मुख्य पांच कारण असंयम, आवेश, अभिमान, असंतुलन और अविवेक हैं। रिश्तों को मधुर एवं मजबूत बनाने के लिए संकीर्णता की भावना का त्याग कर विवेक चेतना को जागृत रखना चाहिए। मुनि ने युवा दंपतियों को अध्यात्म एवं संयम के छोटे-छोटे प्रयोगों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

17 साल से फरार स्थायी वारंटी सहित महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पश्चिम की हरमाड़ा थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन स्पेशल एरिया डोमिनेशन' के तहत कार्रवाई करते हुए 17 साल से फरार स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक महिला स्मैक तस्कर को भी दबोचकर उसके कब्जे से 6.14 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। अभियान के दौरान असामाजिक तत्वों और नशाखोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को निरोधात्मक धाराओं में गिरफ्तार किया गया।

आमेर में जिंदा बम मिलने से दहशत

- आमेर में सीआईएसएफ कैंपस के पास जिंदा बम मिलने से हड़कंप मचा

जयपुर। आमेर में सीआईएसएफ कैंपस के पास जिंदा बम मिलने से हड़कंप मच गया। खातीवालों की ढाणी, वार्ड नंबर 148 क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे काम के दौरान एक स्थानीय महिला को खेत के कचरे में बमनुमा वस्तु दिखाई दी। महिला ने इसकी जानकारी परिवार को दी। लोगों ने संदिग्ध वस्तु देखी तो दहशत फैल गई और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई।

डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस अमित शर्मा के अनुसार कंट्रोल रूम को करीब 11.05 बजे सूचना मिली। सूचना के करीब आठ मिनट बाद आमेर थाना पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने संदिग्ध वस्तु के आसपास जमा लोगों को हटाया और जांच के बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया। जांच में वस्तु के जिंदा बम होने की पुष्टि हुई।

इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच बम को आबादी से दूर सुनसान स्थान पर पहुंचाया। करीब दोपहर 2 बजे जमीन में गहरा गड्ढा खोदकर बम को डिस्पोज किया गया। डिस्पोजल के दौरान काफी तेज धमाका हुआ। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

आमेर एसीपी सुरेंद्र सिंह रणावत के अनुसार कंट्रोल रूम को सोमवार सुबह बम मिलने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया। जांच के बाद संदिग्ध बम को आबादी से दूर सुनसान स्थान पर ले जाकर सुरक्षित तरीके से डिस्पोज किया गया।

आमेर थानाधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया कि बम गांव के खेत में पड़े कचरे के बीच मिला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि जिंदा बम वहां कैसे पहुंचा और इसके पीछे किसी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

त्यौहार पर मिलावट करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि त्यौहार के दौरान आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राठौड़ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जोखिम आधारित जांच, प्रभावी सैंपलिंग और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि त्यौहार के दौरान जिन खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका अधिक रहती है, उन पर विशेष निगरानी रखी जाए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मैदानी स्तर पर सक्रिय रहें और मिलावटी अथवा असुरक्षित खाद्य पदार्थ मिलने पर नियमानुसार तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सैंपल लेने के बाद उनकी जांच भी तय समय में पूरी हो, ताकि मिलावट पाए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति या प्रतिष्ठान के खिलाफ आगे की कार्रवाई में अनावश्यक देरी नहीं हो।

हाईकोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में दो माह में तबादला नीति बनाने के आदेश

- अदालत ने सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के लिए सभी संबंधित विभागों में सात कार्य दिवस में ट्रांसफर शिकायत समितियां गठित करने का भी निर्देश दिया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के अफसरों और कर्मचारियों के तबादलों को लेकर बडी संख्या में याचिकाएं दायर होने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने हाईकोर्ट के पूर्व जज आलोक शर्मा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी गठित करने के आदेश दिए हैं। यह कमेटी व्यापक और समान तबादला नीति बनाकर दो माह में राज्य सरकार के समक्ष रखेगी। कमेटी में महाधिवक्ता और मुख्य सचिव को भी शामिल करने को कहा गया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश तबादलों से जुडी 468 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के लिए सभी संबंधित विभागों में सात कार्य दिवस में ट्रांसफर शिकायत समितियां गठित करने का भी निर्देश दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देते हुए उनके ट्रांसफर आदेशों की क्रियान्विति पर फिलहाल रोक लगा दी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जयपाल रातावल व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि तबादला नीति में कर्मचारियों के कार्यकाल, समय पूर्व स्थानांतरण, काउंसलिंग, पति-पत्नी के मामले, मेडिकल, दिव्यांगता, सेवानिवृत्ति के निकट कर्मचारी, विधवा, तलाकशुदा कर्मचारी, दुर्गम क्षेत्रों में सेवा, पारदर्शिता, स्थानांतरण प्राधिकारी, अभ्यावेदन की प्रक्रिया और बार-बार होने वाले मनमाने स्थानांतरण से सुरक्षा इत्यादि को भी शामिल करने के लिए कहा है। वहीं अदालत ने रेट की प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए राज्य सरकार को संक्रमणकालीन व्यवस्था के तौर पर हाईकोर्ट के रिटायर जज की नियुक्ति के लिए तत्काल कदम उठाने और खाली पदों को भरने व न्यायिक सदस्यों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है। हालांकि अदालत ने कहा कि तबादला सेवा का सामान्य हिस्सा ही है और कर्मचारी को किसी विशेष स्थान पर बने रहने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन ट्रांसफर की शक्ति असीमित भी नहीं है। यदि ट्रांसफर दुर्भावनापूर्वक, मनमाना व सक्षम अधिकारी के बिना वैधानिक तौर पर व नियम के खिलाफ किया गया है तो अदालत उसकी न्यायिक समीक्षा कर सकता है।

अदालत ने याचिकाकर्ताओं को कहा कि वे 15 दिन में सभी दस्तावेजों सहित अपने सक्षम अधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन दें।

बकाया भुगतान के विवाद में युवक की हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

- शराब पार्टी के बाद ठेकेदार से रुपए मांगने पहुंचा था सचिन
- लाठी-सरियों से हमला, बाल अपचारी भी हिरासत में

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में बकाया पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में 25 वर्षीय युवक की लाठी और लोहे के सरिए से पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक सचिन वर्मा रविवार रात अपने दोस्त के साथ शराब पीने के बाद टाइल्स ठेकेदार से बकाया भुगतान मांगने पहुंचा था। कहासुनी के बाद हुए झगड़े में आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब 12 घंटे में वारदात का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया है।

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार तथा एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया।

सचिन महाराष्ट्र में टाइल लगाने का काम करता था और करीब एक माह से अपने गांव मावंडा कलां आया हुआ था। 17 अगस्त को महाराष्ट्र जाने के लिए जयपुर पहुंचा, लेकिन ट्रेन छूट जाने पर वह रिंग रोड के पास किराए के कमरे में रहने वाले दोस्त हैप्पी उर्फ ऐपी के पास रुक गया। इससे पहले रविवार शाम दोनों ने कमरे पर शराब पी। दोस्त ने सचिन को बताया कि टाइल्स ठेकेदार बुद्धाराम उसका बकाया भुगतान नहीं कर रहा है। विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई। इस झगड़े के दौरान बुद्धाराम उसके साथी कृष्ण और एक बाल अपचारी ने सचिन पर लाठियों और लोहे के सरिए से हमला कर दिया।

नगर निकाय व पंचायती राज चुनावों को लेकर कांग्रेस की बैठक

जयपुर। आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा एआईसीसी प्रभारी राजस्थान सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने 23 जिलों के जिलाध्यक्ष, विधायक/विधायक प्रत्याशी, सांसद/सांसद प्रत्याशी, जिला प्रभारी/ सहप्रभारी, जिला प्रमुख, महापौर, अग्रिम संगठनो एवं विभागों/प्रकोष्ठों के प्रदेशाध्यक्ष जो उस जिले में निवासरत हैं की बैठक ली जिसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सहप्रभारी चिरंजी राव भी शामिल रहे।

बैठक में चुनावों की रणनीति हेतु फीडबैक लिया गया तथा महत्वपूर्ण निर्देश प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, सुखजिन्दर सिंह रंधावा, टीकाराम जूली, सहप्रभारी चिरंजी राव ने दिये।

'हर माह 800 कुत्तों की नसबंदी, हिंसक को पकड़ने के लिए दो वाहनों का संचालन'

जयपुर। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से आवारा कुत्तों को लेकर जारी दिशा-निर्देश की पालना में राजस्थान हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान अपना जवाब पेश किया है। अदालत ने मामले की सुनवाई एक सितंबर को रखते हुए जवाब को रिकॉर्ड पर लेने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने विस्तृत जवाब पेश किया। जिसमें कहा गया कि निजी संस्था के जरिए पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जहां आवारा कुत्तों की नसबंदी कर तय समय के बाद उसे पकडे गए स्थान पर छोड दिया जाता है। हर माह करीब साठ सौ कुत्तों की नसबंदी की जा रही है। वहीं रेबीज पीडित, बीमार और हिंसक कुत्तों को पकडने के लिए दो वाहनों का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही कुत्तों के रहने के लिए बाडों का निर्माण किया जा रहा है और स्थानीय स्तर पर पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति भी गठित हुई है। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आवारा कुत्तों के लिए तीन सौ जगहों पर डॉग फीडिंग स्थल बनाए गए हैं। पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में करीब दो करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल, स्कूल, सहित अन्य सार्वजनिक परिसरों में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए स्थानीय संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं और शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान न्यायमित्र प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि अभी तक केन्द्र सरकार ने अपना जवाब पेश नहीं किया है। इस पर अदालत ने राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेने के आदेश देते हुए मामले की सुनवाई एक सितंबर को रखी है।

नकबजनी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के छह सदस्य गिरफ्तार

- आरोपियों के कब्जे से तार कटर, टूल किट, दो प्लास, गुलेल, कांच की गोलियां, लाल मिर्च पाउडर सहित नकबजनी में प्रयुक्त सामान बरामद किया

जयपुर। बगरू के रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित लुहाड़िया केबल फैक्ट्री में हुई नकबजनी का पुलिस ने खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को कालाडेरा रीको क्षेत्र में दूसरी वारदात को अंजाम देने से पहले ही दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से तार कटर, टूल किट, दो प्लास, गुलेल, कांच की गोलियां, लाल मिर्च पाउडर और अलग-अलग नंबर के पाने सहित नकबजनी में प्रयुक्त सामान बरामद किया गया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण के अनुसार 21 जुलाई को लुहाड़िया एएनपी केबल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, एफ-29 रीको इंडस्ट्रियल एरिया, बगरू में सुबह करीब 2 से 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने वारदात की थी। फैक्ट्री परिसर से लाखों रुपए का सामान, मशीनरी, केबल, वायर, डाईज और अन्य सामग्री चोरी हुई थी। मामले की रिपोर्ट पर बगरू थाने में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

पुलिस ने केबल फैक्ट्री में हुई नकबजनी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया।

घटना के बाद पुलिस टीम ने मौके और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में संदिग्ध हरियाणा नंबर के ऑटो रिक्शा से आते और वारदात के बाद उसी से वापस जाते दिखाई दिए। पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी आधार पर आरोपियों का रूट मैप तैयार किया, जिसमें उनके हरियाणा की ओर जाने की जानकारी मिली।

इसी बीच 16 अगस्त की रात आरोपियों के कालाडेरा रीको क्षेत्र में दोबारा वारदात की फिराक में आने की सूचना मिली। बगरू थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और वारदात से पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा निवासी दीपक, साहिल उर्फ सागर, तरुण उर्फ डीजल, जोगेंद्र, सन्नी और नरेंद्र उर्फ निन्दर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी रेवाड़ी और झज्जर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पूछताछ में सामने आया कि गैंग हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्रियों की रेकी करता था। देर रात ऑटो रिक्शा से पहुंचकर फैक्ट्रियों में नकबजनी कर वायर व अन्य कीमती सामान चोरी करता और उसे हरियाणा ले जाकर बेच देता था। गिरोह के सदस्य पकड़े जाने की स्थिति में हमले के लिए लाल मिर्च पाउडर और गुलेल जैसी वस्तुएं भी साथ रखते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पूर्व में नकबजनी, अवैध हथियार, हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं।

सीनियर सिटीजन कार्ड के नाम पर लाखों की ठगी

जयपुर। राजधानी में साइबर ठगों ने बैंक की ई-केवाईसी अपडेट और सीनियर सिटीजन कार्ड के फायदे बताने के नाम पर दो बुजुर्गों को निशाना बनाकर करीब 30.03 लाख रुपए ठग लिए। दोनों मामलों में ठगों ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर विश्वास में लिया और बैंक से जुड़ी जानकारी हासिल करने के बाद खातों से रकम निकाल ली। जवाहर सर्किल और महेश नगर थाने में मामले दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दुर्गापुरा के चन्द्रकला कॉलोनी निवासी 71 वर्षीय गोपा चक्रवर्ती ने साइबर ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला के मोबाइल पर 22 जुलाई को दो अज्ञात नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आईसीआईसीआई बैंक का मैनेजर अभिजीत रॉय बताते हुए बैंक खाते की ई-केवाईसी पेंडिंग होने की बात कही।

आरोपी ने ई-केवाईसी के नाम पर महिला से आधार कार्ड, पैन कार्ड और डेबिट कार्ड की जानकारी मांगी।

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकली

- ओबीसी के 30, एसी के 20 वार्ड रिजर्व, 30 सीटें अनारक्षित महिला के लिए

जयपुर। जयपुर जिले में आगामी निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को वार्डों के आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। जयपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जयपुर नगर निगम के कुल 150 वार्डों के लिए वर्गवार और महिला आरक्षण की प्रक्रिया की गई। आरक्षण की स्थिति सामने आने के साथ ही शहर में निकाय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों के राजनीतिक समीकरण भी बदलने लगे हैं।

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में ओबीसी के लिए 30 और अनुसूचित जाति के लिए 20 वार्ड आरक्षित हैं। वहीं अनारक्षित महिला वर्ग के लिए 30 सीटें आरक्षित रखी गई हैं। इसके अलावा एसटी तथा आरक्षित वर्गों में महिलाओं के लिए भी वार्ड निर्धारित किए गए हैं।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई प्रक्रिया में वार्डवार आरक्षण निर्धारित किया गया। जारी हो रही सूची के अनुसार वार्डों को अनारक्षित ओपन, अनारक्षित महिला, ओबीसी ओपन, ओबीसी महिला, एससी ओपन, एससी महिला, एसटी ओपन और एसटी महिला जैसी श्रेणियों में रखा गया है। लॉटरी की प्रक्रिया के साथ वार्डवार सूची को अपडेट किया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 35 और वार्ड नंबर 100 की कैटेगरी का विवरण अभी अपडेट होना बाकी है।

वार्ड आरक्षण की लॉटरी का सीधा असर आगामी नगर निगम चुनाव की राजनीति पर पड़ेगा। जिन वार्डों में आरक्षण की श्रेणी बदली है, वहां पहले से चुनाव की तैयारी कर रहे कई दावेदारों को अपनी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। वहीं महिला अथवा आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित हुए वार्डों में नए दावेदारों के सामने आने का रास्ता खुलेगा।

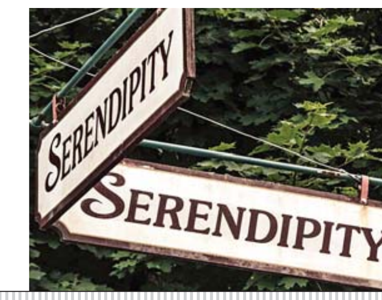

Embracing Life's Happy Accidents

Serendipity Day celebrates the joy of unexpected discoveries and happy accidents that enrich life in surprising ways. Observed annually on August 18, it encourages people to remain open to possibilities rather than rigidly following plans. The term "serendipity," coined by Horace Walpole in the 18th century, refers to finding something valuable while not specifically seeking it. On this day, people are reminded that chance encounters, unplanned events, and unforeseen opportunities can lead to meaningful connections, creative ideas, or personal growth. Embracing spontaneity, exploring new paths, and welcoming surprises are central to honouring the spirit of Serendipity Day.

#PURITY BEFORE PRAYER

Ancient Egyptian Priests Shaved Every Hair from Their Bodies

More than three thousand years before the rise of modern public health, Egyptian temple culture had embedded regular washing, clean clothing, careful grooming

To serve in the temples of ancient Egypt demanded far more than religious devotion. It required a level of physical cleanliness so rigorous that it governed every aspect of a priest's daily life. Before entering the sacred precincts, priests were expected to present themselves in a state of complete ritual purity, a standard that included shaving every hair from their bodies.

The head, beard, eyebrows, and even body hair were removed. Ancient sources indicate that temple priests shaved themselves regularly, often every three days, ensuring that not a single hair remained. This was not a matter of appearance or fashion; it was a religious obligation. To stand before the gods, one had to be free from anything considered impure.

To the Egyptians, hair could trap sweat, dirt, and parasites such as lice. By removing it completely, priests minimized the risk of contamination before performing sacred rituals. Their concern with cleanliness extended far beyond shaving. They bathed several times each day, traditionally described as four times, twice during the day and twice at night, to maintain ritual purity. They also chewed aromatic plants or herbs to keep their breath fresh before reciting prayers and offering sacrifices.

Their clothing reflected the same philosophy. Priests wore freshly laundered white linen garments, a fabric associated with purity and cleanliness. Animal wool, by contrast, was generally prohibited within temple rituals because it was regarded as ritually impure. Every detail, from clothing to personal grooming, reinforced the belief that the divine deserved absolute cleanliness.

Their dietary rules were equally strict. Many priests abstained from foods such as fish and beans during periods of temple service, although these restrictions could vary depending on the deity and the temple in which they served. Contact with animals considered ritually unclean, particularly pigs, required purification before a priest could once again enter sacred space.

To modern eyes, these practices may appear to be purely religious customs. Yet, many of them had practical consequences. Frequent bathing reduced the accumulation of dirt and parasites. Regular shaving helped control lice and other insects. Clean linen garments were cooler and more hygienic in Egypt's hot climate. Although the Egyptians explained these practices through the language of ritual rather than medicine, many of them also promoted better personal hygiene.

It would, however, be an oversimplification to claim that the Egyptians had discovered modern germ theory or that medieval Europeans simply "refused to bathe." Medieval Europe did experience devastating epidemics such as the Black Death, but the causes were far more complex, involving bacteria transmitted primarily through fleas carried by rodents, along with crowded living conditions and limited medical knowledge. Europeans did bathe, though bathing customs varied widely over time and place and generally did not match the ritual standards observed in Egyptian temples.

Nevertheless, the contrast is striking. More than three thousand years before the rise of modern public health, Egyptian temple culture had embedded regular washing, clean clothing, careful grooming, and dietary discipline into daily religious practice. What they called ritual purity often produced tangible hygienic benefits.

The priests of ancient Egypt were not merely performing ceremonies; they were living according to one of history's most exacting codes of cleanliness. Their shaved heads, spotless linen, frequent ablutions, and strict rules of conduct reflected a civilization that saw purity as the bridge between humanity and the divine. Whether understood as religion or hygiene, their practices demonstrate a remarkable awareness that cleanliness was essential, not only for worship, but for life itself.

The CIA Officer Who Hid 303 Gold Bars

David J. Rush is a former CIA agent who allegedly created a fake intelligence program to siphon resources from the CIA.

> "The David Rush, I remember, he was chiseled," said Jeff Bellmer, a retired lieutenant at the department. "Big back, skinny waist, fit." Despite his intellectual and physical gifts, Rush didn't act like a big shot, his former fire department colleagues said. He was reserved and humble. But when he did get to talking about his military career, the stories he told were just amazing, how he had graduated first in his class at Top Gun, the legendary Navy fighter pilot school, and flown F-14 Tomcat fighter jets over Iraq and Afghanistan. "Rush told me he had ejected and bailed out of two F-14s, and the third one he landed over there at Andrews with the cockpit on fire," Bellmer said.

#DAVID J. RUSH CASE

● Verna Mohon

Imagine discovering 303 gold bars, each weighing one kilogram, stacked inside the home of a senior intelligence officer. At current prices, each bar is worth roughly US$130,000, making the cache worth close to US$40 million. It sounds like the plot of a spy thriller. Instead, it is the basis of a federal criminal case involving David J. Rush, a former senior officer of the U.S. Central Intelligence Agency (CIA).

The CIA officer was arrested for possessing several hundred gold bars stashed in his house, received additional money or valuables as part of his work for the agency, which federal investigators have not been able to locate, four people with knowledge of the investigation say.

The officer, David Rush, requested the money or other valuables to provide the resources to agency sources abroad, the sources say. It is unclear if the money or valuables were used for their intended purposes.

CIA officers typically provide money or other compensation to foreign contacts who spy for the agency. But the agency requires officers to follow an approval process and be able to fully account for all money or other valuables, former intelligence officers say.

The irony is difficult to ignore. The CIA is tasked with monitoring some of the world's most sensitive security threats, from tracking North Korea's weapons programmes and monitoring Iran's nuclear facilities to running sophisticated intelligence and surveillance networks across the globe. Yet, according to federal prosecutors, the agency failed to detect the alleged diversion of tens of millions of dollars in gold entrusted to one of its own senior officials.

On 19 May 2026, FBI agents arrested David J. Rush at his residence in Ashburn, Virginia. Rush had held a Senior Executive Service (SES) position within the CIA and possessed a Top Secret/Sensitive Compartmented Information (TS/SCI) security clearance, granting him access to some of the most closely guarded intelligence in the United States. According to the indictment, however, the same individual allegedly spent decades constructing an elaborate web of deception that ultimately culminated in one of the most remarkable fraud cases to emerge from the American intelligence community.

According to prosecutors, the story began in 1997, when Rush enlisted in the U.S. Navy Reserve. To become a commissioned officer, a college degree was required. Investigators allege that Rush did not possess one and instead fabricated academic credentials, including a counterfeit degree purportedly issued by a university in South Carolina. He was commissioned as an ensign despite the alleged falsified qualifications.

The deception allegedly expanded over the following years. Although Rush worked as an Information Systems Technician, prosecutors say he falsely represented himself as a naval aviator and even claimed credentials from the prestigious U.S. Naval Test Pilot School. He reportedly applied to join the CIA three times. On his third attempt, he succeeded, allegedly using the same fabricated educational and professional credentials.

Former CIA Officer David Rush in court.

One of the most striking aspects of the case is the apparent failure of institutional verification. During the FBI investigation, officials contacted the universities and organizations whose credentials Rush had claimed. According to court filings, they confirmed that he had never attended the institutions in question. Yet, investigators allege that the CIA hired him because it believed the Navy had already verified his background, while the Navy assumed the CIA would conduct its own checks. This chain of assumptions, rather than independent verification, allegedly allowed fabricated credentials to survive repeated scrutiny.

Once inside the agency, Rush built a successful career. He rose through the ranks, received promotions, and earned increased compensation. Holding one of the government's highest security clearances, he was entrusted with responsibilities involving highly sensitive intelligence operations.

He wasn't just highly intelligent. He was also capable, calm under pressure and a physical specimen, according to interviews with a half-dozen former Ashburn volunteer firefighters.

"The David Rush, I remember, he was chiseled," said Jeff Bellmer, a retired lieutenant at the department. "Big back, skinny waist, fit." Despite his intellectual and physical gifts, Rush didn't act like a big shot, his former fire department colleagues said. He was reserved and humble. But when he did get to talking about his military career, the stories he told were just amazing, how he had graduated first in his class at Top Gun, the legendary Navy fighter pilot school, and flown F-14 Tomcat fighter jets over Iraq and Afghanistan.

"Rush told me he had ejected and bailed out of two F-14s, and the third one he landed over there at Andrews with the cockpit on fire," Bellmer said.

"He was just such a neat guy for me at the time," Bellmer added. "The first real naval aviator that I had come across."

Rush made a similar impression on Lloyd Harting, another former Ashburn volunteer firefighter.

"He told me he was a former fighter pilot, and I had no reason to doubt him," Harting said. "He was completely believable. He looked the part. He talked the part."

The alleged fraud took a dramatic turn in November 2025. According to federal prosecutors, Rush requested physical gold bars and foreign currency from the CIA, claiming they were required for operational expenses associated with covert missions. Such requests were not inherently unusual. Intelligence agencies sometimes use gold and foreign currencies because they can be transported discreetly, function outside conventional banking systems, and support clandestine operations where digital transactions would be impractical or traceable.

Between November 2025 and March 2026, prosecutors allege that Rush repeatedly requested and obtained additional quantities of gold and foreign currency. When agency officials later attempted to account for the assets, they reportedly discovered significant discrepancies. CIA Director John Ratcliffe referred the matter to the FBI after potential legal violations were identified.

In May 2026, FBI agents executed a search warrant at Rush's Virginia residence. According to court documents, they recovered 303 one-kilogram gold bars, valued at approximately US$40 million, along with luxury watches and other high-value assets. Rush was arrested the following morning.

Federal prosecutors argued that the magnitude of the alleged fraud and the resources available to the defendant created a substantial flight risk. A federal judge denied bail, ordering Rush to remain in federal custody while the case proceeds. At the time of writing, Rush has not entered a guilty plea, and the allegations remain subject to judicial determination.

Investigators also uncovered another alleged layer of deception. Although Rush was reportedly honourably discharged from the U.S. Navy in 2015 with the rank of lieutenant, prosecutors allege that he continued telling the CIA he remained on active military service until September 2025. During that period, he allegedly received approximately US$77,000 in paid military leave benefits from the agency, giving rise to additional criminal allegations.

The case raises an important question: How could someone allegedly maintain such deception for nearly three decades? Security experts often describe this phenomenon as institutional assumption transfer. In complex bureaucracies, organizations sometimes assume that another agency has already completed critical verification. When responsibility becomes fragmented, accountability can disappear into procedural gaps. Rather than repeatedly confirming credentials, each institution relies on previous checks that may never have occurred. If forged documents are convincing enough, or if verification is incomplete, the deception can persist for years.

Whether the failures resulted from inadequate background investigations, misplaced institutional trust, or exceptionally sophisticated document fabrication will likely remain central issues as the case unfolds.

Beyond the individual allegations, the Rush case raises broader questions about oversight within government institutions. Intelligence agencies are entrusted with enormous authority, extensive financial resources, and access to classified information because they operate in the interest of national security. Public confidence depends not only on their operational effectiveness abroad but also on the strength of their internal accountability.

Ultimately, the alleged loss was not merely the disappearance of gold bars. The resources involved were public assets funded by taxpayers. The case illustrates that even organizations built to monitor global threats can themselves become vulnerable when verification systems fail.

rajeshsharma1049@gmail.com

#BUYING JAMDANI?

Know Terms Like Cutwork, Needle, and Jacquard Jamdani

A finely woven traditional Jamdani saree can take several weeks to several months, depending on the complexity of the design

Jamdani is one of South Asia's most celebrated handwoven textiles, admired for its delicate motifs that seem to float on the fabric. Traditionally, a genuine Jamdani is woven by hand using the extra-weft technique, a painstaking process that requires exceptional skill and patience.

However, anyone shopping for a Jamdani today is likely to hear terms such as Cutwork Jamdani, Needle Jamdani, and Jacquard Jamdani. While all of these fabrics may resemble Jamdani, they differ significantly in how they are made, how long they take to produce, and their value.

Traditional Jamdani: The Extra-Weft Technique

Authentic Jamdani is woven on a handloom using the extra-weft technique. Unlike printed or embroidered fabrics, every motif is created during weaving itself. As the base fabric is woven, the artisan inserts an additional weft thread by hand only where a motif is required. Each flower, paisley, or geometric design is built thread by thread, without being embroidered later.

The motifs become an integral part of the fabric rather than sitting on its surface. This is why authentic Jamdani is highly valued, it combines weaving and design in a single process. A finely woven traditional Jamdani saree can take several weeks to several months, depending on the complexity of the design.

Needle Jamdani

Needle Jamdani is not woven using the traditional extra-weft technique. Instead, a plain woven fabric is first prepared, and the decorative motifs are later created using a needle and thread.

Because every motif is formed individually by hand, Needle Jamdani is labour-intensive and can require around three months or even longer for intricate designs. The finished fabric closely resembles traditional Jamdani, but technically it is a form of hand needlework rather than handwoven Jamdani.

Jacquard Jamdani

Jacquard Jamdani is produced on a loom fitted with a Jacquard mechanism, which controls the lifting of warp threads according to a programmed pattern.

Instead of inserting each motif manually, the loom automatically creates repeated designs, making production much faster.

A Jacquard Jamdani saree can often be completed in about a week, depending on the design and weaving speed. Although it offers the appearance of Jamdani at a more affordable price, it lacks the individual hand-inserted motifs that define traditional Jamdani.

Cutwork Jamdani

Cutwork Jamdani is generally produced using a jacquard loom with floating extra threads. During weaving, extra yarns run across the back of the fabric to create the motifs. After weaving is complete, these loose floating threads are cut and trimmed by hand, giving rise to the name Cutwork. Because the design is mechanically woven and only the excess threads need to be removed, the cutting process for a saree may take about an hour, making it much faster and less labour-intensive than traditional handwoven Jamdani.

Which One Should You Buy?

Each type serves a different purpose. If you value traditional craftsmanship and heritage, a handwoven extra-weft Jamdani remains the benchmark. If you appreciate detailed handwork, Needle Jamdani offers intricate artistry through embroidery. Jacquard and Cutwork Jamdani provide similar aesthetics at lower prices and are suitable for everyday wear or budget-conscious buyers.

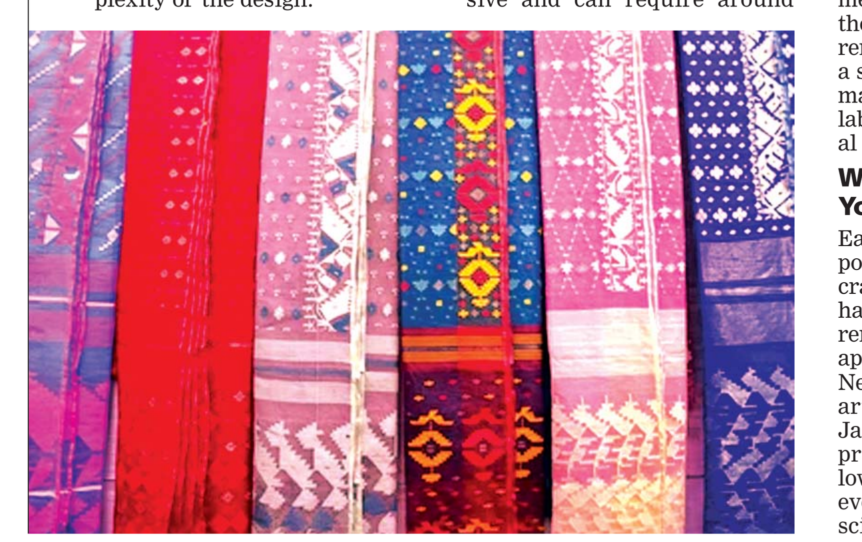

THE WALL

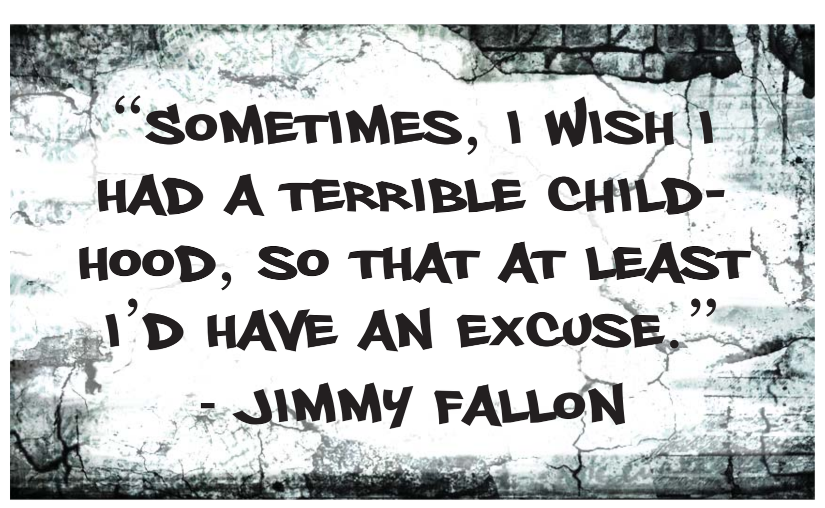

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

दौसा में वार्ड 1, 35 तथा 40 पर रहेगी भाजपा व कांग्रेस की नजर

दौसा नगर परिषद के 55 वार्डों की लाटरी निकाली।

- दौसा नगर परिषद का सभापति ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। ऐसे में वार्ड 1, वार्ड 35 एवं वार्ड 40 से जीत कर आने वाली ओबीसी महिला की सभापति की दावेदार रहेगी।

दौसा (निसं.)। दौसा जिले की 2 नगर परिषद तथा 9 नगर पालिकाओं के 325 वार्डो की लॉटरी सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दो अलग-अलग छात्राओं द्वारा निकाली गई। इधर लॉटरी प्रक्रियापूर्ण होने के साथ ही नगरीय राजनीति में उबाल आ गया है तथा अधिकांश नेता सक्रिय हो गये है। जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में सोमवार को नगर परिषद दौसा के 55 वार्डो के लिए लॉटरी निकाली गई। 55 वार्डो में से 7 वार्ड एससी सामान्य वर्ग, 4 वार्ड एससी महिला, 4 वार्ड एसटी सामान्य, 2 वार्ड एसटी महिला, 6 वार्ड ओबीसी सामान्य, 3 वार्ड ओबीसी महिला, 19 वार्ड सामान्य तथा 10 वार्ड सामान्य महिला के आरक्षित किये गये है। नगर परिषद दौसा का वार्ड 1 ओबीसी महिला, वार्ड 2 ओबीसी सामान्य, वार्ड 3 सामान्य महिला, वार्ड 4 सामान्य, वार्ड 5 सामान्य महिला, वार्ड 6 ओबीसी सामान्य, वार्ड 7 सामान्य, वार्ड 8 सामान्य महिला, वार्ड 9 एसटी सामान्य, वार्ड 10 ओबीसी सामान्य, वार्ड 11 एसटी महिला, वार्ड 12 एसटी सामान्य, वार्ड 13 एसटी महिला, वार्ड 14 सामान्य, वार्ड 15 ओबीसी सामान्य, वार्ड 16 सामान्य, वार्ड 17 सामान्य, वार्ड 18 सामान्य, वार्ड 19 सामान्य, वार्ड 20 ओबीसी सामान्य, वार्ड 21 सामान्य, वार्ड 22 एसटी सामान्य, वार्ड 23 सामान्य, वार्ड 24 एससी सामान्य, वार्ड 25 सामान्य महिला, वार्ड 26 ओबीसी सामान्य, वार्ड 27 सामान्य, वार्ड 28 सामान्य महिला, वार्ड 29 एससी महिला, वार्ड 30 सामान्य महिला, वार्ड 31 सामान्य, वार्ड 32 सामान्य, वार्ड 33 सामान्य, वार्ड 34 सामान्य, वार्ड 35 ओबीसी महिला, वार्ड 36 सामान्य महिला, वार्ड 37 एससी सामान्य, वार्ड 38 एससी महिला, वार्ड 39 सामान्य महिला, वार्ड 40 ओबीसी महिला, वार्ड 41 सामान्य, वार्ड 42 एससी महिला, वार्ड 43 एससी सामान्य, वार्ड 44 सामान्य, वार्ड 45 सामान्य, वार्ड 46 एससी सामान्य, वार्ड 47 एससी सामान्य, वार्ड 48 एसटी सामान्य, वार्ड 49 सामान्य, वार्ड 50 एससी सामान्य, वार्ड 51 एससी महिला, वार्ड 52 सामान्य महिला, वार्ड 53 सामान्य, वार्ड 54 सामान्य महिला तथा वार्ड 55 एससी सामान्य के लिए आरक्षित किया गया है। दौसा नगर परिषद का सभापति ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। ऐसे में वार्ड 1, वार्ड 35 एवं वार्ड 40 से जीत कर आने वाली ओबीसी महिला की सभापति की दावेदार रहेगी। पूर्व में आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी किसी भी वार्ड से चुनाव जीतकर आने पर सभापति एवं पालिका अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी ठोंक देता था।

डॉ. रवि बंसल व डॉ. खुशबू अग्रवाल सम्मानित

- डॉ. खुशबू अग्रवाल को उपखंड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया

पावटा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा परिसर में आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान उपजिला अस्पताल पावटा की डॉ. खुशबू अग्रवाल को उपखंड स्तर पर तथा उपजिला अस्पताल पावटा के प्रभारी डॉ. रवि बंसल को जिला स्तर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में सम्मानित किए गए दोनों चिकित्सकों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने, अस्पताल की व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने तथा आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने में उनके योगदान को उल्लेखनीय माना गया। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर सार्वजनिक मंच पर मिले इस सम्मान से चिकित्सा विभाग एवं उपजिला अस्पताल पावटा के कर्मचारियों में भी उत्साह का माहौल रहा।

हत्या के प्रयास में वांछित 5 आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाय जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत उनियारा वृताधिकारी अशोक कुमार व सोप थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये थाना में दर्ज हत्या के प्रयास में चार माह से फरार आरोपी बाबूलाल गुर्जर, राजाराम गुर्जर, मुरली गुर्जर, हनुमान गुर्जर व महेश कुमार गुर्जर को रविवार को गिरफ्तार किया गया है। सोप थानाधिकारी ने बताया 28 अप्रेल को देर सांय मुकेश कुमार पुत्र रामकल्याण जो भगवान की पूजा अर्चना कर रहा था, वहां आये महेश, राजाराम, हनुमान, मुरली, बाबूलाल, रामस्वरूप, करूना, बदाम, सारदा, रामबाई, देवनारायण निवासी गलवानिया ने लेन ेन के मामले में मुकेश व मनीष के साथ लोहे के सरिया से सिर पर वार कर दिया।

दौसा रेलवे स्टेशन पर सघन चैकिंग अभियान

एसआर डीसीएम जेपी एवं डीसीएमजेपी के मार्गदर्शन में दौसा स्टेशन पर सघन जांच अभियान में विशेष चैकिंग की गई, जिस दौरान 'डीसीटीआई जयपुर एवं 30 चेकिंग स्टाफ, 14 स्टाफ मौजूद रहे। चेक के दौरान 324 बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से कुल 193755 की आय अर्जित की। इस दौरान कुल 17 ट्रेन की संघनता से जांच की गई, जिससे जेपीडीआईवी के स्टेशनों की खिडकी सेल में बढ़ोतरी हुई है।

लगातार चोरियों से दहशत में पावटा व विराटनगर क्षेत्र, फिर दो जगह चोरी

चोरी के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

- एक ही रात में कई मकानों को बनाया निशाना, नकदी और लाखों के आभूषण पार

पावटा । प्रागपुरा व विराटनगर थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही चोरी की वारदातों ने आमजन की नींद उड़ा दी है। चोर बेखौफ होकर मकानों को निशाना बना रहे हैं और पुलिस की गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात यह हैं कि एक वारदात का खुलासा और आरोपियों की गिरफ्तारी होने से पहले ही दूसरी चोरी की घटना सामने आ जाती है। हाल ही में कल्याणपुरा क्षेत्र में एक ही रात में चार-पांच मकानों में चोरों ने सेंध लगाकर लाखों रुपये की नकदी और आभूषण चोरी कर लिए। चोरों ने सुनसान और बंद मकानों को निशाना बनाया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है।

इसी तरह सोमवार भांकरी निवासी सोहनलाल पुत्र रिछपाल ने मामला दर्ज करवाया कि बीती रात अज्ञात चोरों ने मेरी पत्नी के सोने, चांदी के गहने सहित 5 हजार रूपये नकदी लेकर फरार हो गए। वही विराटनगर थाना क्षेत्र के श्यामपुरा निवासी हरफूल रातावाल ने मामला दर्ज करवाया है कि अज्ञात चोर मकान के पीछे स्थित कमरे का जंगला तोड़कर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद चोरों ने कमरे की अंदर से कुंडी लगा दी और अलमारी व बेड में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी सहित अन्य कीमती सामान समेटकर फरार हो गए।

सुबह परिवार के लोगों को चोरी का पता चला तो कमरे की कुंडी अंदर से लगी मिली। जंगला टूटा हुआ देखकर परिजनों के होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने नारेबाजी कर विरोध जताया और पुलिस प्रशासन से चोरी की वारदात का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन वारदातों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। इससे पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने और चोरियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। क्षेत्र में पहले भी लगातार चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। कहीं मकान के ताले टूट रहे हैं तो कहीं दुकानों और प्रतिष्ठानों को चोर निशाना बना रहे हैं। रात के समय संदिग्ध गतिविधियां बढ़ने के बावजूद प्रभावी पुलिस गश्त नजर नहीं आने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की गश्त केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। यदि रात के समय नियमित और प्रभावी गश्त होती तो चोरों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते। सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक के बाद एक चोरी की घटनाएं होने के बावजूद पुलिस अपराधियों तक क्यों नहीं पहुंच पा रही है? क्या पुलिस ने संवेदनशील इलाकों को चिह्नित कर रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई है? क्या पुराने चोरी के मामलों में सक्रिय अपराधियों की निगरानी की जा रही है? ऐसे कई सवाल अब आमजन पुलिस प्रशासन से पूछ रहा है। चोरी की घटनाओं ने लोगों को अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हालात इसी तरह रहे तो लोगों को रात में अपने घरों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खुद पहरा देना पड़ेगा। पुलिस प्रशासन को महज वारदात के बाद मौके पर पहुंचने के बजाय वारदात रोकने की रणनीति पर काम करना होगा। हर चोरी के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू करने की औपचारिकता से आमजन को सुरक्षा का भरोसा नहीं मिल सकता। पुलिस को चोरी की घटनाओं का पैटर्न खंगालकर सक्रिय चोर गिरोहों की पहचान करनी होगी। साथ ही रात में नियमित गश्त, संदिग्ध वाहनों की जांच और संवेदनशील गांवों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ानी होगी। पुलिस प्रशासन पर टिकी हैं। चोरों के हौसले बुलंद हैं या पुलिस की निगरानी कमजोर-इसका जवाब अब कार्रवाई से ही मिलेगा। लोगों की मांग है कि चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में चोरों को वारदात करने से पहले कई बार सोचना पड़े।

चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकाली

चौमूं / कालाडेरा । चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों व कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों के पार्षदों की आरक्षण की लॉटरी सोमवार को निकाली गई। चौमूं नगर परिषद में निकाय चुनाव के लिए वार्ड पार्षदों के आरक्षण प्रक्रिया के बाद नगर परिषद के सभी 45 वार्डों के लिए अलग-अलग श्रेणियों में आरक्षण तय हो गया है। जारी लॉटरी के अनुसार सामान्य जनरल वार्ड,2,3,4,9,11,14,20,21,22,23,24,25,26,30,31,32,34,37,43,44,45 तक सामान्य महिला ठााड 5,6,8,10,12,13,19,28,29,42 तक ओबीसी वार्ड 1,15,17,18,27,35 तक ओबीसी महिला वार्ड 16,36,41 तक एस सी वार्ड 33,38,40 तक एस सी महिला वार्ड 39 व एस टी का वार्ड 7 की लॉटरी निकल ली है।

वहीं कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों की आरक्षण लॉटरी के अनुसार सामान्य जनरल के वार्ड 1,3,6,7,8,10,11,18 तक सामान्य जनरल महिला के वार्ड 2,13,17,20 तक ओबीसी वार्ड 14,15,16 तक ओबीसी महिला वार्ड 12 व एस सी वार्ड 5,9,तक एस सी महिला वार्ड 20 एवं एस टी की वार्ड 4 में लॉटरी निकाली गई। लॉटरी के जारी होने के साथ ही चौमूं व कालाडेरा में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं।

भूमि परीक्षण के लिए मिट्टी का नमूना लिया

सांभरझील, (निसं) । आलमपुरा, निर्वानों का मौहल्ला, बरडोटी मोहल्ला, शहीद पूनम चंद मार्ग, खटीकों की हताई व इसके नीचे की तमाम बस्तियों के लोगों को पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के लिए निवर्तमान सरकार ने मंजूरी दी थी उसकी क्रियान्वित के पहले चरण में आज जलदाय विभाग के एक्सईएन मदन लाल मीणा, सहायक अभियंता राम सिंह गुर्जर व कनिष्ठ अभियंता अंजलि नागरवाल पुराने जेल परिसर में पहुंचे तथा उच्च जलाशय निर्माण हेतु जेसीबी की मदद से दो गहरे गड्ढे खुदवा कर भूमि का परीक्षण किए जाने हेतु मिट्टी के नमूने उठाए। बताया जा रहा है कि झांसी पुट आने के बाद जिला से निर्माण का काम शुरू हो सकेगा। बता दे की निवर्तमान सरकार की ओर से मंजूर की गई करीब 5 करोड़ 49 लाख रुपए की पेयजल योजना स्वीकृति थी। यह बात अलग है कि अब इस योजना को अमृत जल योजना के नाम से तब्दील कर दिया गया है। योजना के अंतर्गत तमाम पुरानी पेयजल लाइनों को बदला जाना है जो विगत कई दशकों से जर्जर हो चुकी है।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए वार्डवार आरक्षण की लॉटरी निकली

भरतपुर में नगरीय निकाय चुनाव के लिए वार्डवार आरक्षण की लॉटरी सम्पन्न हुई।

- नगर निगम भरतपुर सहित नपा नदबई, उच्चौन, बयाना, वैर, भुसावर एवं रूपवास के वार्डो का आरक्षण निर्धारित

भरतपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के मद्देनजर जिले के नगरीय निकायों के वार्डों के आरक्षण निर्धारण की लॉटरी प्रक्रिया जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। लॉटरी परिणाम के माध्यम से जिले के विभिन्न नगरीय निकायों के वार्डों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य तथा संबंधित महिला श्रेणियों के लिए आरक्षण का निर्धारण किया गया है। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन राजीव शर्मा, शहर राहुल सैनी, एसडीएम वैर आलोक सिंह, भरतपुर भारती गुप्ता, चुनाव शाखा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हेमन्त शर्मा सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर निगम भरतपुर के कुल 65 वार्डों के लिए जारी लॉटरी परिणाम में विभिन्न श्रेणियों का निर्धारण किया गया है। वार्ड संख्या 1 को अनुसूचित जनजाति, वार्ड 2 को सामान्य, वार्ड 3 एवं 4 को अनुसूचित जाति, वार्ड 5 को सामान्य तथा वार्ड 6 को सामान्य महिला के लिए निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में वार्ड 7 और 8 सामान्य, वार्ड 9 अनुसूचित जाति महिला, वार्ड 10 अनुसूचित जाति, वार्ड 11 सामान्य, वार्ड 12 सामान्य महिला, वार्ड 13 एवं 14 अनुसूचित जाति तथा वार्ड 15 अनुसूचित जाति महिला के लिए निर्धारित है। वार्ड 16 अनुसूचित जाति तथा वार्ड 17 एवं 18 सामान्य महिला श्रेणी में हैं। भरतपुर नगर निगम में वार्ड 19 अन्य पिछड़ा वर्ग, वार्ड 20 अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, वार्ड 21 सामान्य, वार्ड 22 अन्य पिछड़ा वर्ग, वार्ड 23 सामान्य महिला, वार्ड 24 सामान्य तथा वार्ड 25 सामान्य महिला के लिए निर्धारित किया गया है। वार्ड 26 सामान्य, वार्ड 27 अन्य पिछड़ा वर्ग, वार्ड 28 अनुसूचित जाति महिला, वार्ड 29 एवं 30 अन्य पिछड़ा वर्ग, वार्ड 31 सामान्य तथा वार्ड 32 सामान्य महिला श्रेणी में हैं। वार्ड 33 सामान्य तथा वार्ड 34 अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए निर्धारित है।

वार्ड 35 अनुसूचित जाति, वार्ड 36 अन्य पिछड़ा वर्ग, वार्ड 37, 38 एवं 39 अनुसूचित जाति तथा वार्ड 40 अनुसूचित जाति महिला के लिए निर्धारित है। वार्ड 41 सामान्य महिला, वार्ड 42, 43 एवं 44 सामान्य, वार्ड 45 एवं 46 सामान्य महिला तथा वार्ड 47 अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित है।

सार-समाचार

नशा बेचने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

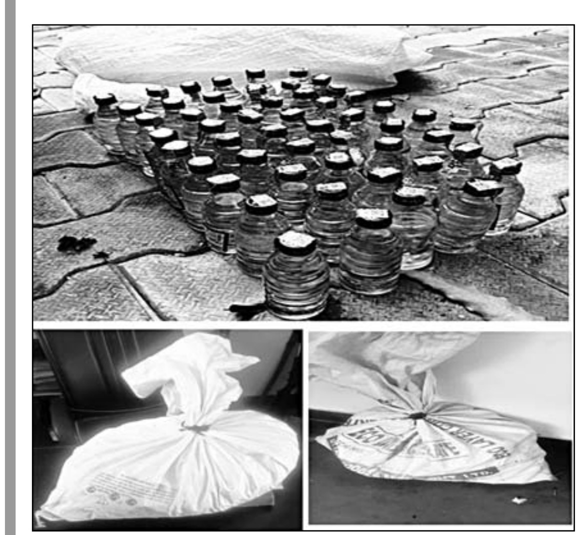

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत वृताधिकारी मृत्युन्जय मिश्रा एवं मेहन्दवास थानाधिकारी रामसिह यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम व डीएसटी टीम द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हुये क्षैत्र के सोनवा टोल प्लाजा एनएच 52 पर जाचं के दौरान मिली संदिग्ध कार की तलाशी के दौरान सीट के नीचे अवैध गांजा पाया जाने पर चालक मोहम्मद राशिद खान पुत्र मोहम्मद साजिद केसरी उम्र 26 साल निवासी गली एवज खॉ की, पाँचबत्ती बावडी थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर कार को जप्त किया गया। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने 2.014 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा को जप्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार टीम ने सोनवा टोल प्लाजा पर मोटरसाईकिल सवार एक महिला व संदिग्ध व्यक्ति पर शक होने पर टीम ने पीछा करते हुए हाईवे स्थित नायरा पेटोल पम्प के पास मोटरसाईकिल को रूकवाकर जांच करने पर मोटरसाईकिल पर रखे प्लास्टिक के कटटे मे अवैध देशी शराब के 96 पव्वे मिले। जिसके बाद आरोपी सोनु पुत्र रमेश सांसी उम्र 38 साल व महिला आरोपी मीरा देवी पत्नी सोनू सांसी उम्र 36 साल निवासी हाल चंदलाई थाना सदर टोक को गिरफ्तार किया गया है। दोनो के खिलाफ एक्साईज एक्ट में प्रकरण दर्ज कर उनके द्वारा प्रयुक्त की गई मोटरसाईकिल को जप्त किया गया है। इसी क्रम में निवाई पुलिस थाना टीम ने कार्यवाही करते हुये बीते दिन गश्त के दौरान निवाई कस्बा स्थित जमात शिवाजी कॉलोनी मोड से अवैध देशी शराब को परिवहन करते हुए आरोपी मुकेश पुत्र छीतर लाल सांसी उम्र 38 साल निवासी डांगरथल थाना निवाई को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के कब्जे से 53 पव्वे अवैध देशी शराब जप्त कियो गये है।

कांवड यात्रा में शामिल हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा

चौमूं / कालाडेरा । पवित्र श्रावण मास के पावन एवं पुण्य अवसर पर सोमवार को मालेश्वर धाम, महारकलाँ (चौमूं) में बाबा अमरनाथ कावड़िया संघ द्वारा दिव्य एवं भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं अलौकिक यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सहभागिता निभाई तथा कांवड़ उठाकर शिवभक्ति का संदेश दिया। कांवड़ यात्रा के चौमूं पहुँचने पर सुभाष सर्किल पर भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमूं के कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में अमरनाथ कांवड़िया संघ का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की तथा उन पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा, "जब भक्ति और अगाध आस्था से ओतप्रोत इस अलौकिक यात्रा में कांवड को अपने कांधे पर धारण किया, तो हृदय असीम आनंद और शिव-भक्ति के रस से आप्लावित हो उठा। बोल बम के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया है। मैं देवाधिदेव भगवान महादेव से यही प्रार्थना करता हूँ कि वे हम सभी पर अपनी अनुकम्पा, कृपा और आशीर्वाद सदैव बनाए रखें। उन्होंने यात्रा के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं बड़ी संख्या में पधारे सभी श्रद्धालुजनों का हृदय से आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, पूर्व ज़िला उपाध्यक्ष बजरंग सोनी, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, मुकेश सैनी, रमेश कुमावत, राजेश चोपड़ा, कैलाश तिवाड़ी, हजारी लाल शर्मा, बाबूलाल यादव, मोहन जलुथरिया, ओमप्रकाश कुमावत, धर्मेन्द्र बंजारा, विनोद गोदारा, अंकित ठोड, अजीत बारावल, हनुमान बागडा, गजेन्द्र यादव, महेश सेरावत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय शिवभक्त एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल योजनाओं में तेजी लाएं : कलेक्टर

खैरथल। जिले में विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने के साथ आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने सोमवार को जिला सचिवालय में दो अहम बैठकें लीं। पहली बैठक जिला जल एवं स्वच्छता समिति की थी, जिसमें जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध काम पूरा करने के निर्देश दिए। दूसरी साप्ताहिक समीक्षा बैठक में हरियालो राजस्थान अभियान, पालनहार योजना और संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने साफ कहा कि 30 दिन से अधिक लंबित हर शिकायत पर संबंधित अधिकारी को हर शनिवार जवाबदेही देनी होगी। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग धर्मवीर सिंह ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत जिले में 548 ग्राम स्वीकृत हैं। इनमें से 502 ग्रामों के कार्यादेश जारी हो चुके हैं और अब तक 92,557 घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। शेष 46 ग्राम नॉन-फिजिबल हैं या शहरी क्षेत्र में शामिल हो गए हैं। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 320 ग्रामों में 100 जल कनेक्शन हो चुके हैं। 105 ग्रामों के हर घर प्रमाण-पत्र मिल चुके हैं। भौतिक रूप से 326 ग्रामों का कार्य पूरा हो चुका है और 93 ग्रामों की योजनाएं ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित भी की जा चुकी हैं।

कलेक्टर की उपस्थिति में निकाली लाटरी

खैरथल। जिले की नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के आगामी चुनावों के लिए सोमवार को जिला सचिवालय में वार्डवार आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में हुई इस प्रक्रिया में एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के साथ-साथ महिला आरक्षण भी तय किया गया। जिले के 7 नगर निकायों के 230 वार्डों में आरक्षण का खाका तैयार हो गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट सहित विधायक और विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आरक्षण राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार लॉटरी पद्धित से किया गया। अब राजनीतिक दलों और संभावित उम्मीदवारों के लिए चुनावी समीकरण तय करने का रास्ता साफ हो गया है। आरक्षण सूची जारी होते ही सभी नगर निकायों में दावेदारों की धड़कनें बढ़ गई हैं। कई पुराने पार्षदों के वार्ड आरक्षित होने से उन्हें नई रणनीति बनानी पड़ेगी, तो कई नए चेहरों के लिए रास्ता खुल गया है। महिला आरक्षण के चलते महिला उम्मीदवारों की संख्या में भी इजाफा होने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने कहा कि आरक्षण सूची को सभी निकायों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है। आपत्तियां निर्धारित समय में ली जाएंगी। वार्डवार आरक्षण तय होने के साथ ही खैरथल जिले में निकाय चुनावों की अनौपचारिक शुरुआत हो चुकी है। अब निगाहें चुनाव तिथि की घोषणा पर टिकी हैं।

उत्कृष्ट कार्य पर कुमावत सम्मानित

मनोहरपुर । 15 अगस्त 2026 को 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शाहपुरा उपखंड कार्यालय में आयोजित समारोह में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा में कार्यरत सहायक अभियंता कार्यालय के कर्मी दिलीप कुमार कुमावत को विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने पर उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर उपखंड अधिकारी एवं शाहपुरा विधायक के द्वारा दिलीप कुमार कुमावत को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दिलीप कुमार कुमावत ने विभाग में अपनी मेहनत, ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करते हुए उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान की हैं।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
o/o मुख्य अभियंता (सिविल), एल.आई.सी. जीवनदीप भवन, लालकोठी, जयपुर

निविदा आमंत्रण सूचना : TN-08 (RVU2627WSOB01112)

"आर.जी.टी.पी.पी. रामगढ में कूलिंग टॉवर स्टेज-1 एवं 2 की आरसीसी संरचना का सुदृढ़ीकरण और विशेष मरम्मत कार्य" हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/10025 RVUN/PR-4457 मुख्य अभियन्ता (Civil)

कार्यालय नगर परिषद, फलोदी जिला-फलौदी (राज0)

क्रमांक / न0प0फ0 / 2026-27 / 3599 दिनांक :- 10.08.2026

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर परिषद फलोदी द्वारा परिषद क्षेत्र में 3 कार्य हेतु सक्षम एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 21.08.2026 को 12:00PM बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा की विस्तृत जानकारी व वेब साईट https://eproc.rajasthan.gov.in, व https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है ।

Tender ID :- 2026_DLB_585555_1, 2026_DLB_585555_2, 2026_DLB_585555_3
UBN No. :- DLB2627WSOB17716, DLB2627WSOB17726, DLB2627WSOB17734

राज.संवाद / सी / 26 / 10092 आयुक्त, नगर परिषद,फलोदी

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2026 / 5556 दिनांक :- 10.08.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 18.08.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2627WSOB17920), (DLB2627WSOB17923), (DLB2627WSOB17925), (DLB2627WSOB17928), (DLB2627WSOB17930) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 10123 नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2026 / 5546 दिनांक :- 10.08.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 18.08.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2627WSOB17892) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 10122 नगर परिषद, सुजानगढ

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/12113 - 26 दिनांक :- 13/08/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 43/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए एवं एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN No.: WAQ2627WLRC00114 अधिशाषी अभियंता
राज.संवाद/सी/26/10042 भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
उत्पादन वृत्त, राजभवन मार्ग, कोटा-324001, फोन: 0744-2327613

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यो / सामग्री की आपूर्ति / वार्षिक अनुबंध हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-16 (RVU2627WSOB01094) संचालन एवं शिफ्ट अनुरक्षण में सहायता तथा अधीक्षण अभियंता, जनरेशन सर्किल, कोटा एवं डिविजन कार्यालय जवाहर सागर में दैनिक कार्य, 17(RVU2627WSOB01095) हाउसकीपिंग एवं खानपान व्यवस्था तथा दैनिक सफाई, 18 (RVU2627WSOB01096) जनरेटरों, पावर ट्रांसफॉर्मरों एवं संबंधित उपकरणों के वार्षिक/आकस्मिक / निवारक / नियमित अनुरक्षण कार्य, 19(RVU2627WSOB01099) स्विचयार्ड एवं उससे संबंधित उपकरणों के नियमित / आकस्मिक / वार्षिक अनुरक्षण एवं ब्रेकडाउन कार्य, 20 (RVU2627WSOB01101) टर्बाइनों एवं उनसे संबंधित उपकरणों / सहायक प्रणालियों तथा गैन्ट्री/ई.ओ.टी. क्रेनों के नियमित/निवारक / आकस्मिक खराबी एवं वार्षिक रखरखाव, 22(RVU2627WSOB01102) जनरेटरों, ट्रांसफॉर्मरों, स्विचयार्ड एवं उनसे संबंधित सहायक प्रणालियों के नियमित / निवारक /आकस्मिक खराबी एवं वार्षिक रखरखाव कार्यों, प्रकाश व्यवस्था तथा विविध कार्य, 02(RVU2627WSOB01097) सिविल, सैनिटरी एवं स्टील जॉइनरी कार्य एवं 21(RVU2627WSOB01092) डीसी बैटरी बैंक की स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा विभिन्न विद्युत उपकरण की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/10021 RVUN/PR-4453 अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या-12 और 13 (2026-27)

केंद्र / राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य व अनुभवी निविदाकारो से अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या-12 (2026-27) के क्र.सं. 01 से 02 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 03 से 06 अधिशाषी अभियन्ता द्वितीय (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 07 से 09 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि० लि० हनुमानगढ व क्र.सं. 10 से 11 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि० लि० रतनगढ के अन्तर्गत कार्यों हेतु प्रोक्यूरमेंट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। एवमं ई निविदा सूचना संख्या-13 (2026-27) के क्र.सं. 01 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 02 अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर के अन्तर्गत कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in. &www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।

UBN : VPN2627WSOB01224,1225,1211, 1213, 1215,1216,1217,1218,1221,1214,1212 (NIT No.12)

UBN : VPN2627WSOB01222,1219 (NIT No.13)

अधीक्षण अभियन्ता (सिविल), बीकानेर
राज.संवाद/सी/26/10011 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7751/2026

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
सांगलपुरा, जयपुर रोड, बीकानेर - 334001 दूरभाष : 0151-2226200

अल्पकालिक ई - निविदा सूचना

"132 केवी जी.एस.एस. डल्लूसर से भोजूसर, नैणासर-सुमेरिया, सावर एवं तोलासर-रोलासर फीडरों द्वारा क्रमशः 33/11 केवी S/S गोगाणी जोहड़ी, नैणासर-सुमेरिया, सावर तथा तोलासर-रोलासर के इंटरकनेक्शन (I/C) हेतु एस.टी.पी. (STP) योजना के अंतर्गत A.C.S.R. (Dog) कंडक्टर सहित 33 केवी ओवरहेड सिंगल सर्किट लाइन (लंबाई क्रमशः 16.00 कि.मी. + 0.27 कि.मी. + 0.25 कि.मी. + 3.50 कि.मी. = कुल 20.02 Kms.) के निर्माण कार्य को श्रम दर (Labour Rate Basis) पर निष्पादित किए जाने हेतु सहायक अभियंता (ओ एंड एम), भानीपुरा उपखण्ड, जोधपुर डिस्कॉम, चूरू वृत्त द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।"

TN-BZ-05/2026-27(UBN No. JVV2627WSOB00371)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले। भविष्य में इन् निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी। मुख्य अभियंता (बी.सं.)

राज.संवाद/सी/26/10030 जोधपुर डिस्कॉम बीकानेर

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग भरतपुर 321 001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9983296632

क्रमांक/M&H/2026-27/953 दिनांक : 13.08.2026

निविदा सूचना संख्याः 16/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर / डीग / करौली में रू. 135.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

	अनुमानित लागत (रू.लाखों में)	UBN No.
NIB Code- MHS2627A2533		
Construction work of PHC Building Bookna Distt Karauli	135.00	UBN is: MHS2627WSOB03518

(संदीप वर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/14940/2026 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

परिवार की मौजूदगी में घर से 13 लाख का सोना और नगदी चोरी

चोरों ने परिवार वालों को कमरे में बंद कर लॉक लगा दिया और सीसीटीवी कैमरे बंद कर वारदात अंजाम दी

- **पीड़ित ने अपने पूर्व नौकर बबलू, निवासी लखनऊ, पर शक जताया, एफआईआर में पुलिस ने उसे संदिग्ध के रूप में दर्ज किया**

जोधपुर, (कासं)। शहर के बीजेएस कॉलोनी, हनुवंत ए सेक्टर में 14 अगस्त की आधी रात में चोरी हो गई। चोरों ने परिवार के लोगों को कमरे बंद कर बाहर से लॉक लगा दिया और सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर डाले। बाद में घर से 12 लाख का सोना, एक लाख की नगदी आदि सामान चोरी कर ले गए। इस बारे में सूचना दिए जाने पर महामंदिर पुलिस ने मौके पर पहुंच मुआयना किया। अब रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

बीजेएस कॉलोनी, मटकी चौराहा निवासी अक्षय ज्योत रतनू पुत्र भंवरदान रतनू ने रिपोर्ट दी है। इसके अनुसार 14 अगस्त की रात को परिवार के सो जाने के बाद तीन अज्ञात व्यक्ति छत के रास्ते मकान में दाखिल हुए। बदमाशों ने उनके माता-पिता के कमरे से टेबल पर रखे सोने के आभूषण चुरा लिए। इनमें सोने की चेन, अंगूठी, मूर्ति और हाथों के कड़े सहित करीब 7-8 तोला सोना था। इसके अलावा करीब एक लाख रुपए नकद भी ले गए।

चोरों ने परिवादी अक्षय ज्योत और उनकी भाभी के कमरों को बाहर से लॉक कर दिया। घर में सामान अस्त-व्यस्त करने के साथ नौकर के ईयरफोन और 300 रुपए भी चोरी किए। शिकायत में बताया गया कि बदमाशों ने घर के सभी सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए थे।

घटना के बाद अभय कमांड सेंटर में रूट के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। इसमें एक आई-20 कार के बी रोड पर गली नंबर 3 के पास रुकने और उसमें से तीन लोगों के उतरने की जानकारी सामने आई है। अक्षय ने अपने पूर्व नौकर बबलू, निवासी लखनऊ, पर शक जताया है। हालांकि एफआईआर में पुलिस ने उसे संदिग्ध के रूप में दर्ज किया है, उसकी संलिप्तता की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

सर्पदंश से एक युवक की मौत : करौली-हिंडौन सड़क मार्ग पर स्थित जुंगीनपुरा गांव निवासी कुमार गौरव (31) पुत्र हरदयाल गुर्जर कृषि कार्य कर रहा था। अकस्मात ही सर्प ने डस लिया। उपचार के लिए करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

आकाश कोचिंग ने सबसे बड़ा टैलेंट हंट "एग्जाम एंथे" लॉन्च किया

- **भारत की सबसे लंबे समय से आयोजित की जा रही इस टैलेंट आइडेंटिफिकेशन परीक्षा ने 16 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की है**

कोटा, (निसं)। आकाश कोचिंग ने सबसे बड़ा टैलेंट हंट एग्जाम एंथे (आकाश नेशनल टेलेंट हंट एग्जाम) लॉन्च किया है। भारत की सबसे लंबे समय से आयोजित की जा रही इस टैलेंट आइडेंटिफिकेशन परीक्षा ने पिछले 16 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की है। यह परीक्षा वैज्ञानिक मूल्यांकन, राष्ट्रीय स्तर की बेंचमार्किंग और पर्सनलाइज्ड अकादमिक इनसाइट्स के माध्यम से छात्रों को यह समझने में मदद करती है कि उन्हें किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है और आगे क्या करना है। छात्रों की योग्यता और प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप और 2.5 करोड़ रुपए के कैश प्राइज दिए जाएंगे।

कोटा में आकाश नेशनल टेलेंट हंट एग्जाम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (एंथे) पिछले 16 वर्षों से तैयारी और छात्रों की सेल्फ-अवेयरनेस के बीच इसी गैप को दूर करने की दिशा में काम कर रहा है। इस शुरुआती आकलन का महत्व उन छात्रों की सफलता की यात्राओं से भी स्पष्ट होता है, जिन्होंने आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया। नीट 2026 में टॉप 100 में रैंक हासिल करने वाले आकाश के 41 छात्रों में से 31 छात्र पहले एंथे में क्वालीफाई कर चुके थे। इसी तरह जेईई एडवांस 2026 के टॉप 100 में जगह बनाने वाले 11 छात्रों में से 7 छात्र एंथे से जुड़े रहे हैं। ये उपलब्धियां बताती हैं कि छात्र की शुरुआती पहचान, व्यवस्थित अकादमिक तैयारी और लगातार मार्गदर्शन उसकी प्रतियोगी परीक्षा की पूरी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एंथे के महत्व पर बात करते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के एमडी एवं सीईओ चंद्र शेखर गरिसा रेड्डी ने कहा कि हमारे लिए एंथे कभी भी सिर्फ ऐसी परीक्षा नहीं रही है, जो किसी छात्र की स्कॉलरशिप तय करती हो। इसका बड़ा उद्देश्य छात्रों को अपनी अकादमिक क्षमता को समझने में मदद करना है, खासकर उस स्तर पर जब सही मार्गदर्शन उनके भविष्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। हमारा प्रयास है कि हर छात्र एंथे के बाद अपनी अकादमिक यात्रा को लेकर ज्यादा स्पष्टता और आगे बढ़ने के लिए बेहतर समझ के साथ आगे बढ़े। एंथे में शामिल होने वाले हर छात्र को एक विस्तृत 'एंथे इंटेलिजेंस रिपोर्ट' दी जाती है, जिसे परीक्षा के प्रदर्शन को उपयोगी और व्यावहारिक अकादमिक इनसाइट्स में बदलने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट छात्रों को विषयवार अपनी मजबूतियों और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करती है, जिन पर उन्हें अधिक ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही, यह उन्हें यह समझने का नजरिया भी देती है कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए कितने तैयार हैं। यह परीक्षा कक्षा से तक के छात्रों के लिए खुली है और ऑनलाइन व ऑफलाइन, दोनों माध्यमों में आयोजित की जाएगी। एंथे 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन अब शुरू हो चुके हैं और छात्र आधिकारिक एंथे पोर्टल तथा देशभर में मौजूद आकाश सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन परीक्षा 27 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित होगी, जबकि ऑफलाइन परीक्षा 11 अक्टूबर, 25 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर
पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर के अन्दर, गौरव पथ, जोधपुर
फोन संख्या :-0291-2651491 हेल्पलाईन :- 0291-2651473 e-mail: ceo_nnj@rediffmail.com

क्रमाकः-सं. / एफ-15 / कार्य / 2026 / RL-16906 दिनांकः- 11.08.2026

ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-16900 दिनाक 11.08.2026
UBN No. DLB2627WSOB18178

जोधपुर नगर निगम द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी / योग्यताधारी, डिजिटल विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको, नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको, अन्य विभाग में पंजीकृत E-EWSD-I ऑन-लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर eproc.rajasthan.gov.in अथवा sppp.rajasthan.gov.in अथवा https://lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur पर देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
राज.संवाद / सी / 26 / 10098 नगर निगम जोधपुर

कार्यालय नगरपरिषद सलूम्बर जिला-सलूम्बर (राज0)

क्रमांकः-न.प.स. / निर्माण / 2026-27 / 2159-2163 दिनांक :- 11.08.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना 08 वर्ष 2026-27

नगरपरिषद सलूम्बर द्वारा उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में E-Procurement प्रकिया से www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र, निविदा शर्तो व अन्य विस्तृत जानकारी इंटरनेट वेबसाईट www.sppp.rajathan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

कुल निविदा के कार्य	:	02 कार्य
निविदा की कुल लागत	:	रू 70.00 लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फार्म प्राप्त करने व जमा करवाने की दिनांक	:	12 / 08 / 2026 प्रातः 12.00 बजे से 20 / 08 / 2026 सांय : 06.00 बजे तक
निविदा शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा कराने की अवधि	:	12 / 08 / 2026 प्रातः 12.00 बजे से 20 / 08 / 2026 सांय : 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	:	21 / 08 / 2026 दोपहर 12:00 बजे
NIB Code :- DLB2627A7093		
UBN Code :- DLB2627WSOB18218		UBN Code :- DLB2627WSOB18219

राज.संवाद / सी / 26 / 10090 आयुक्त, नगर परिषद सलूम्बर

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर

क्रमांक/ चुनाव / लेखा/2026/497 **शुद्धि पत्र** दिनांकः 14.08.2026

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर द्वारा आगामी पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय चुनाव 2026 एवं अन्य चुनावों के लिए विभिन्न ई-निविदा एवं खुली निविदा आमंत्रित की गई थी अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार निविदा में आंशिक संशोधन किया जाता हैं

क्र. सं.	निविदा का विवरण	UBN No.	बिड प्रस्तुत करने की पूर्व अंतिम दिनांक	बिड प्रस्तुत करने की संशोधित अतिम तिथि
1.	STATIONARY AND POLL MATERIAL	CJL2627 GLRC00016	18.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
2	BALLOT PAPER AND OTHER PRINTING WORK	CJL2627 SLRC00017	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
3	ALPAHAR AND MEAL	CJL2627 SLRC00018	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
4	PIPE, TENT, PANDAL & FURNITURE	CJL2627 SLRC00019	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
5	PHOTOCOPY AND MAP PRINTING	CJL2627 SSRC00020	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
6	COMPUTER REGARDING ITEMS	CJL2627 SSRC00023	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
7	CCTV CAMERA WORK	CJL2627 SSRC00024	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
8	GPS/GSM SYSTEM	CJL2627 SSRC00025	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
9	VIDEOGRAPHY/ PHOTOGRAPHY	CJL2627 SLRC00026	17.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
10	MACHINE WITH MAN	CJL2627 SSRC00030	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM

DIPR/C/15046/2026 उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अति. जिला कलक्टर) जालोर

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा आमंत्रण सूचना

RVPN/Superintending Engineer (TBCB Cell)/ BN- TBCB-03 to TBCB-05

1) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले बबई में 765/400 केवी जीएसएस का निर्माण, जिसमें 2x1500 MVA, 765/400 kV ICT, 2x500 MVA, 400/220 kV ICT और संबंधित 02 संख्या में 765 kV Bay अलवर (रुंध गिदावरा) जीएसएस, 02 संख्या में 400 kV Bay बबई जीएसएस, 02 संख्या में 400 kV आमेर (जयपुर नॉर्थ) जीएसएस और 02 संख्या में 220 kV Bay बेरी भजनगढ़ जीएसएस पर शामिल हैं, जिसमें सभी उपकरणा/सामग्री की आपूर्ति, निर्माण (सिविल कार्यो सहित), परीक्षण और कमीशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल है, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-03 और UBN संख्या-VPN2627WSOB01238)

2) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले प्रस्तावित 765 केवी जीएसएस, बबई के लिए 765 केवी D/C बबई (765 केवी जीएसएस) - अलवर (रुध गिदावरा) लाइन (हेक्स जेबरा) (टावर डिजाइन बोलीदाता के कार्यक्षेत्र में) के निर्माण सर्वे, सभी उपकरणों, सामग्रियों की आपूर्ति, इरेक्शन (सिविल कार्यों सहित), टेस्टिंग और कमिशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल हैं, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-04 और UBN संख्या - VPN2627WSOB01241)

3) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले प्रस्तावित 765 केवी जीएसएस, बबई के लिए विभिन्न ट्रांसमिशन तत्वों (02 संख्या 400 केवी D/C लाइन (01 क्वैड मूस. 01 ट्विन मूस) (टावर डिजाइन बोलीदाता के कार्यक्षेत्र में) और 02 संख्या 220 केवी D/C लाइन (टावर डिजाइन नियोक्ता के कार्यक्षेत्र में) के निर्माण सर्वे, सभी उपकरणों, सामग्रियों की आपूर्ति, इरेक्शन (सिविल कार्यों सहित). टेस्टिंग और कमिशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल हैं, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-05 और UBN संख्या-VPN2627WSOB01245)

विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना एवं बोलीदाता के लिए निर्देश वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in और https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर देखने एवं डाउनलोड करने हेतु उपलब्ध हैं। इच्छुक बोलीदाता बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अधीक्षण अभियंता, (TBCB Cell), कमरा संख्या No 414, विद्युत भवन RVPN, Jaipur के कार्यालय में बोलियां प्रस्तुत करेंगे। बिड जमा तिथि बढाने की सूचना. यदि कोई होगी तो. केवल https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.rajasthan.gov.in की वेबसाईट पर ही उपलब्ध करायी जायेगी।

Superintending Engineer (TBCB Cell)
राज.संवाद/सी/26/10016 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7756/2026

तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

- **दूसरा युवक गंभीर घायल, हालत गंभीर होने पर जयपुर रैफर किया**
- **मंदिर में जागरण कार्यक्रम में जा रहे थे, हादसे के बाद वाहन चालक फरार**

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड क्षेत्र में स्टेट हाइवे-13 पर नानूवाली बावड़ी के पास देर रात तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाली सफेद रंग की गाड़ी मौके से फरार हो गई। गंभीर घायल को खेतड़ी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार चावड़ा की ढाणी निवासी कृष्ण कुमार (25) पुत्र जगदीश और अधाणा की ढाणी निवासी देवराज (35) पुत्र रामोतार अपने साथियों के साथ नानूवाली बावड़ी स्कूल परिसर स्थित शिव मंदिर में जागरण कार्यक्रम का आयोजन कर रहे थे। रविवार रात करीब 11 बजे दोनों बाइक से अपने घर परिवार के सदस्यों को लेने के लिए रवाना हुए थे। दोनों जब ढाणी भरगड़ान के पास स्टेट हाइवे-13 पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आई सफेद रंग की गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार कृष्ण कुमार और देवराज सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा देखकर मौके पर पहुंचे राहगीरों ने दोनों घायलों को तत्काल राजकीय उप जिला अस्पताल, खेतड़ी पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं देवराज की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रैफर कर दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार कृष्ण कुमार और देवराज अपने साथियों के साथ ग्रामीणों के सहयोग से पिछले करीब तीन वर्षों से शिव मंदिर में जागरण कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे थे। दोनों युवकों के साथ हुए हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक कृष्ण कुमार विवाहित था और उसका करीब एक साल का बेटा है। वह जयपुर में मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। कृष्ण कुमार के बड़े भाई सुनील और पिता जगदीश भी मजदूरी करते हैं। वहीं घायल देवराज अविवाहित है और निजामपुर मोड़ पर वेल्डिंग का काम करता है। हादसे की सूचना मिलते ही खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने दुर्घटना से संबंधित जानकारी जुटाई। टक्कर मारने वाली गाड़ी मौके से फरार हो जाने के कारण पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। एएसआई विजय कुमार ने बताया कि हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के साढ़े तीन साल से अधिक पुराने मामले में पॉस्को क्रम-5 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई, साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक महेश चांदवानी ने बताया कि 4 अक्टूबर 2022 को पीड़िता के पिता ने ग्रामीण के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी घर से जेरोक्स कराने की कहकर निकली थी और घर नहीं लौटी। उसको काफी तलाश किया गया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर

क्रमांक : एनएचएम-लेखा/2026-27/3502 दिनांक : 12/8/26

ई-निविदा सूचना -03-04/2026-27

इस कार्यालय के अधीन समय समय पर आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों में नाश्ता, भोजन एवं प्रशिक्षण हॉल व आवास की व्यवस्था के लिए पृथक-पृथक निविदाए राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग के समय-समय पर जारी परिपत्रों के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार पंजीकृत फर्मो/निविदादाताओं से E-proc. पॉर्टल पर ई-निविदा आमंत्रित कि जाती हैं -

आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN: MHS2627A2449
UBN: MHS2627SLOB03417
NIB: MHS2627SLOB03416
NIB: MHS2627A2450

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत

- **दोनों बच्चे रविवार को घर से क्रिकेट खेलने को निकले थे, दूसरे दिन शव मिले**
- **चिकनी मिट्टी होने के कारण प्रारंभिक तौर पर पैर फिसलने से पानी में गिरने की आशंका जताई**

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती करवड़ क्षेत्र में आई जेडीए कॉलोनी में भरे बारिश के पानी में बने गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। रविवार को बच्चे खेलते समय पानी तक पहुंच गए, बाद में आठ-दस फीट बने गड्ढे तक उतर गए और दलदल में फंसने से उनकी मौत हो गई। बच्चे समय पर घर नहीं पहुंचे तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने अपने स्तर पर बच्चों को इधर-उधर ढूंढा, मगर वे नहीं मिले। रातभर बच्चों की तलाश की गई। सोमवार सुबह उनके शव पानी में ऊपर आने पर दिखे। दोपहर में पुलिस ने कार्रवाई की और पोस्टमार्टम करवा शव परिजन को सुपुर्द किए।

करवड़ थाना अधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि मृतकों की पहचान विष्णु पटेल (13) पुत्र सोहनराम और नीतेश (11) पुत्र ओमाराम निवासी लोरड़ी पंडितजी के रूप में हुई है। दोनों रविवार को घर से क्रिकेट खेलने के लिए निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह दोनों के शव गांव के श्मशान के पास जेडीए की ओर से विकसित की जा रही कॉलोनी में भरे पानी में मिले। थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि चिकनी मिट्टी होने के कारण प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि पैर फिसलने से दोनों बच्चे पानी में गिर गए और डूब गए। पानी ऊपरी तौर पर साफ नजर आ रहा था, मगर कुछ ही दूरी पर बड़ा गड्ढा तकरीबन 8-10 फीट होगा, जिसमें गिर गए और दलदल में फंस गए। रात को उनकी तलाश की गई थी। आज सुबह शव पानी में ऊपर आ गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों का आरोप है कि जेडीए की ओर से काटी गई कॉलोनी में बरसात का पानी जमा है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पानी निकासी और सुरक्षा के इंतजाम किए जाते तो इस तरह की दर्दनाक घटना को टाला जा सकता था। दोनों मृतक बच्चों के माता-पिता किसान हैं। हादसे की खबर से परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर छा गई। थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि शवों का दोपहर में पोस्टमार्टम करवाया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय उप वन संरक्षक, सीकर (राजस्थान)
(सांवली रोड़, सीकर-332001, Ph. No. 01572-274094; email: dcf.sikar.forest@rajasthan.gov.in, dcfsikar@gmail.com)

क्रमांकःएफ () भण्डार/उवसंसी/2026-27/9970 **निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक : 10-8-26

राजकीय निर्माण विभागों में सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों को सूचित किया जाता है कि इस वन मण्डल के अधीनस्थ रेंज श्रीमाधोपुर / पाटन / नीमकाथाना में निम्नानुसार कार्य करवाया जाना है। जिसके लिए शीलबन्द लिफाफों में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.08.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 18.08.2026 दोपहर 11.00 बजे तक कार्यालय उप वन संरक्षक, सीकर से क्रय किये जा सकते है, समस्त दस्तावेज दिनांक 18.08.2026 को दोपहर 1.00 बजे कार्यालय में जमा करवाने होंगे। प्राप्त निविदाएँ उसी दिन सांय 3.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी।

क्र. सं.	निविदा संख्या	नाम कार्य	स्थान का नाम जहाँ कार्य करवाया जाना	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क (रूपये में)
1	43/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01934	गजिबो हट निर्माण कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	4.99	10,000/-	500/-
2	44/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01935	स्टोर रूम मरम्मत कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	3.92	7,900/-	500/-
3	45/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01937	गार्ड चौकी एवं चार दीवारी पर रंग-रोगन का कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	2.49	5,000/-	500/-
4	46/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01938	लोहे के साईन बोर्ड आपूर्ति एवं फिक्सिंग कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	1.99	4,000/-	500/-
5	47/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01940	वॉटर हॉल निर्माण कार्य	शाकम्भरी कन्जर्वेशन रिजर्व, रेंज सीकर	1.98	4,000 /-	500/-
6	48/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01942	वॉच टॉवर मरम्मत कार्य	ईकोलॉजी पार्क एवं पक्षी विहार, बीड़ नानी	3.96	8,000 /-	500/-
7	49/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01944	वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	बगड़ियों की ढ्राणी रेंज सीकर	4.99	10,000/-	500/-
8	50/2026-27 UBN:- FOR2627WSOB01945	अग्रिम मृदा कार्य (फेनिसंग, ट्रेंच, कैटलगार्ड हट, पिलर, गेट एवं साईनेज निर्माण कार्य)	रेंज नीमकाथाना के अधीन साईट Eco Restoration for woodland ecosystem Pithalpur 50 है.	2.14	4,300/-	500/-

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा के विस्तृत नियम शर्ते एवं माल / सेवा से संबंधित मात्रा / संख्या एवं विशिष्टयां आदि निविदा प्रपत्र में अंकित है।

DIPR/C/14636/2026 उप वन संरक्षक, सीकर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण)–द्वितीय, उत्तर–पश्चिम रेलवे, जोधपुर निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा (खुली निविदा सिंगल स्टेज दोहरी पैकेट पद्धति) आमंत्रित करते है। 1. निविदा सूचना संख्याः DY CE/C-II-JU-EPC. 2. कार्य का नाम स्थान सहितः **Executive of Balance works for Major Redevelopment of Jodhpur Railway station of North Western Railway on Engineering procurement & Construction (EPC).** 3. कार्य की अनुमानित लागतः **रु. 4692014371.64**। 4. जमा की जाने वाली बयाना राशिः **रु. 93840300.00**। 5. ई–निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समयः **16.09.2026 15.00 बजे तक**। 6. वेबसाईट का विवरण, जहां पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती हैं। www.ireps.gov.in. 7. कार्यालय ई–मेल का पताः dycec2jodhpur@gmail.com.

1197-MG/26

हमे /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

खोया पाया

दी शिवा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि. जयपुर की गृह निर्माण योजना संख्या-5 खोले के हनुमानजी के सामने, दिल्ली रोड, जयपुर के प्लाट सं 60,61, 62 के मूल पट्टा नक्शा, व रसीद आदि गुम हो गए मिलने पर संपर्क करें रामजीलाल पुत्र कालूराम 9928277346

मेरे प्लाट नं. 2/15, जवाहर नगर, जयपुर का अलॉटमेंट लेटर, NOC लेटर, साईट प्लॅान, और ऑफिस आर्डर दिनांक 01.08.2026 को जवाहर नगर में कहीं गुम गये है मिलने पर सूचित करेंः विजय कुमार सुखिजा 9414046505

मेरे भूखंड सं. G-39 जे.डी.ए. की योजना करधनी (गोविंदपुरा) कालवाड़ रोड जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र और कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गया है सूचित करे- राजेंद्र पाल सिंह मो. 9650465765

जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना रिंग रोड लखेसरा के प्लॉट नंबर 10/OB/20 का जेडीए से जारी ओरिजिनल अलॉटमेंट लेटर खो गया है मिलने पर सूचित करें। सतीश चंद्र मंगल मोबाइल- 94143360001

नाम परिवर्तन

JC-709206L Nb Sub राकेश कुमार गोदारा निवासी गोदारा का बास, भोड़की, झुंझुनू, राजस्थान अपने सर्विस रिकॉर्ड में पिता का नाम रामेश्वर गोदारा (Rameshwer Godara) से बदलकर रामेश्वर (Rameshwar) और जन्मतिथि 25.03.1965 से बदलकर 01.01.1952 करवा रहा हूँ। इसके लिए मैंने जयपुर ज़िला न्यायालय में 06.08.2026 को शपथपत्र दिया।

मैंनें अपनी पुत्री का नाम श्रद्धा जैन से बदल कर साक्षी जैन पुत्री श्री शरद कुमार जैन निवासः- B-401, महल योजना, जगतपुरा, जयपुर, 302017 रख लिया है भविष्य में उसे साक्षी जैन (Sakshi Jain) के नाम से जाना पहचाना जावें।

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से अरुण कुमार जैन दर्ज हो गया है, जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम अरुण जैन है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम अरुण जैन पुत्र श्री पदम चंद जैन, निवासी- 3 ड 23, जवाहर नगर, जयपुर (राजस्थान) 302004 से ही जाना व पहचाना जावे।

I Kiran Bai legally wedded spouse of army no 2832009 Ex RFN Late Uggam Singh resident of 2168 raja shivdas ji ka rasta chaugan stadium ke samne gangauri bazar jaipur that i want to change my name from KIRAN BAI to KIRAN KANWAR vide affidavit dated 13 aug 26 sub divisional magistrate jaipur city south

I shimi legally wedded spouse of army no 1523414 SPR Late Ramesh singh resident of vpo antela tehsil viratnagar district jaipur that i want to change my name from SHIMI to SHIMI ALIAS SHIMBHU DEVI vide affidavit dated 14 aug 2026 before S D M viratnagar kotputli behror

I army no 2883908A Ex Hav Lila Ram resident of 100 pawan nagar niwaroo Road jhotwara jaipur that i want to change name of my dependent from SHIVANI to SHIVANI CHOUDHARY vide affidavit dated 10 aug2026 before sub divisional magistrate jaipur city north

I, Shanti Devi legally wedded spouse of Army No 2853733N Ex Rfn Late Mohan Singh resident of House No 237-B, A.K. Gopalan Nagar, Khatipura, Jhotwara, Jaipur that I want to change my name from SHANTI DEVI to SANTOSH KANWAR vide affidavit dated 10 Aug 2026 Sub Divisional Magistrate Jaipur City South.

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर के दुर्गा का बास गांव में अटल स्मृति वन का शुभारंभ

डॉ. सतीश पूनियाँ, दीया कुमारी, राव राजेन्द्र सिंह ने मातृशक्ति और युवाओं के साथ पौधे लगाये

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, सांसद डॉ. सतीश पूनियाँ, सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने 'अटल स्मृति वन' का शुभारंभ किया।

- एक दिन में 11 हजार पौधे लगाये
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से देशभर में पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है- डॉ. सतीश पूनियाँ

जयपुर। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में जयपुर जिले की मुंडिया ग्राम पंचायत के दुर्गा का बास गांव में 'अटल स्मृति वन' का शुभारंभ किया गया, जो पूरे प्रदेश के एतिहासिक कार्यक्रमों में शामिल हुआ, जिसमें एक दिन में

मातृशक्ति व युवाओं ने 11 हजार पौधे लगाये गये, जो आमजन ने बड़ी भागीदारी निभाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा संदेश है। पौधारोपण के इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान से राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियाँ, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह,जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अटल स्मृति वन के शुभारंभ अवसर पर जयपुर के दुर्गा का बास गांव में 11 हजार पौधों का रोपण किया गया। विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से इस अनूठी पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा भावी पीढ़ियों को प्रकृति संरक्षण के प्रति निरंतर जागरूक करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश पूनियाँ ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन, संवेदनशीलता और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणास्त्रोत रहा है।

वह एक युगपुरुष और विकासपुरुष थे । उनके नाम पर बनाया गया यह अटल स्मृति वन आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी स्मृतियों और विचारों को जीवंत रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देगा, पौधारोपण अभियान को केंद्र की मोदी सरकार एक बड़े मिशन के रूप में राजस्थान से लेकर देशभर में प्रतिबद्धता से करने में जुटी है, जिसमें माता बहन, युवा बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, जो बड़ा सकारात्मक संदेश है। उन्होंने कहा कि 11 हजार पौधे लगाने का सिर्फ एक

कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ, हरिभरी भूमि और हरा–भरा पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है, जो हम सबके लिए अनुकरणीय है अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और उनके राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम में मौजूद मातृशक्ति, युवाओं,जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। अटल स्मृति वन क्षेत्र में भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. सतीश पूनियाँ ने पौधरोपण कर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा, राष्ट्रप्रेम, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है। उनके नाम पर विकसित किया जा रहा 'अटल स्मृति वन' पर्यावरण संरक्षण के साथ- साथ नई पीढ़ियों को प्रकृति से जोड़ने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण और उनका वृक्ष के रूप में विकसित होना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी से ही प्रभावी रूप से संभव है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधरोपण को संस्कार और सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाना चाहिए, जो हम सबका कर्तव्य है।

डॉ. पूनियाँ ने उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से निवेदन किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से देशभर में पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है और ऐसे प्रयासों को गांव- ढाणी, शहर-कस्बों तक ले जाने की आवश्यकता है, जो मोदी सरकार और राजस्थान सरकार कर रही है, जिसमें हम सबकी जनभागीदारी मजबूती से बढ़ाने की आवश्यकता है।

बैठक आयोजित

जयपुर। कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य कौशल एवं उद्यिमता समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राज्य में युवाओं के कौशल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में राज्य के 41 जिलों में किए गए मैनपावर मांग–आपूर्ति, स्किल सेट मैपिंग एवं स्वरोजगार के लिए सरकार से अपेक्षित सहायता सहित 'स्किल गैप असेसमेंट' अध्ययन की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देश दिए गए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जिलावार एवं क्षेत्रवार कौशल मांग के अनुरूप तैयार किया जाए तथा स्थानीय उद्योगों से सीधे जोड़कर युवाओं को उद्योग की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

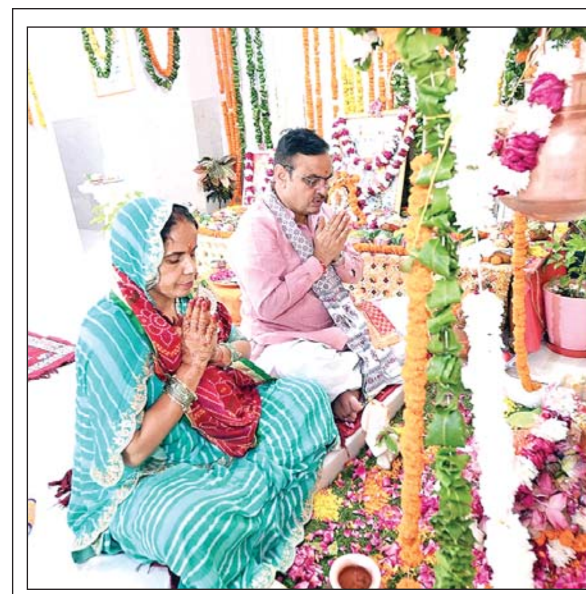

श्रावण मास के तीसरे सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का विधिवत अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक किया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

स्कूलों की जर्जर हालत सुधारने के बजाय सेंसरशिप लागू कर रही सरकार : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त करने और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए उठाए जा रहे विद्यालयों की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी पर प्रतिबन्ध लगाने जैसे अलोकतांत्रिक कदमों की कड़े शब्दों में निंदा की है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में लगातार बदहाल होती शिक्षा व्यवस्था, जर्जर स्कूल भवनों और मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसी विकराल समस्याओं का समाधान करने के बजाय अपनी आवाज उठाने वाले मासूम बच्चों और सच दिखाने वाले मीडिया से लड़ रही है। सरकार में व्याप्त डर का आलम यह है कि वह अपनी कमियों को उजागर होने से बचाने के लिए तानाशाही पूर्ण और जनविरोधी फैसले लागू कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाल ही में जेन - अल्फा विवाद के दौरान 4-5 स्कूलों में हुए विरोध प्रदर्शनों से यह सरकार बुरी तरह घबरा चुकी है। इसी खौफ में आकर सरकार ने मोबाइल पर प्रतिबंध लगा दिया है और मीडिया के स्कूल परिसरों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि सरकार के मन में सबसे बड़ा डर मीडिया का ही है, क्योंकि अगर मीडिया अंदर जाएगी तो स्कूल परिसरों की बदहाली और सरकार की कमियों की पोल पूरे प्रदेश के सामने खुल जाएगी। प्रेस और मीडिया पर इस तरह से रोक लगाकर भाजपा सरकार अपनी तानाशाही मानसिकता और प्रशासनिक नाकामी को छिपाने का असफल प्रयास कर रही है।

टीकाराम जूली ने ध्यान दिलाया कि हाई कोर्ट ने भी सरकार को शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर कड़ी फटकार लगाई है और सरकार को अदालत में माफी मांगनी पड़ी है। हाई कोर्ट ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सरकार स्कूल के कमरों तक को ठीक कराने की स्थिति में नहीं है, तो वह पूरे राजस्थान का क्या करेगी। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि आज प्रदेश के 85,000 स्कूलों के कमरे पूरी तरह खराब पड़े हैं और लगभग 3,768 स्कूल जर्जर घोषित हो चुके हैं, लेकिन सरकार ने एक भी नया भवन या कमरा बनाने की सुध नहीं ली है।

दुष्कर्म आरोपी सहित महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पश्चिम की दौलतपुरा थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्पेशल एरिया डोमिनेशन के तहत कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक महिला को 2.12 ग्राम अवैध स्मैक के साथ पकड़ा। इसके अलावा शांति भंग की आशंका में पांच लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई कर उन्हें पाबंद किया गया। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि पुलिस टीम ने दौलतपुरा थाने में दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपी महेंद्र कुमार सैनी (20) निवासी सामोद हाल बदनपुरा चेतावाला रोड खोरा श्यामदास को गिरफ्तार किया।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:3201 जाहिर आम-सूचना दिनांक:14.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 115/65 (EWS), (एरिया 30.937 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री रजनी देवी पत्नी स्व. श्री किशनचन्द को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3189 दिनांक 16.03.2000 को जारी किया गया। श्रीमती विशनी देवी पत्नी श्री खुबचन्द कुंदानी के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 3527/4269 दिनांक 23.01.2019 के द्वारा किया गया। श्रीमती विशनी देवी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 04.04. 2019 को उप पंजीयक-अष्टम, मानसरोवर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती विशनी देवी की मृत्यु दिनांक 06.03.2022 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री रमेश कुमार कुंदानी पुत्र स्व. श्री खूब चन्द कुंदानी द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री रमेश कुमार कुंदानी पुत्र स्व. श्री खूब चन्द कुंदानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-11/2026/डी-1376 दिनांक 14/8/2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

आवेदक मैसर्स श्रीराम फिनवेस्ट एलएलपी जिसका पंजीकृत कार्यालय सीताराम भवन, लोहा मण्डी, संसार चन्द्र रोड, जयपुर जरिये साझेदार श्री मनीष कुमार बागला पुत्र श्री प्रभूदयाल बागला द्वारा निजी खातेदारी की भूमि ग्राम जयसिंहपुरा बांस भांकरोटा तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के खसरा नंबर 1226/793, 1227/793 कुल किता 02 कुल रकबा 0.2020 हैक्टेयर 90ए शुदा भूमि पर आवासीय प्रयोजनार्थ एकल पटटे का मानचित्र अनुमोदन हेतु आवेदन किया गया था। जिसके क्रम में प्राधिकरण की बी.पी.सी (एल.पी) समिति की 314वीं बैठक दिनांक 10.02.2022 में आवेदित भूमि के लगते हुए स्थित मौके पर डामर से निर्मित रास्ता जो कि प्रश्नगत भूमि के उत्तरी पश्चिमी भाग में अनुमोदित सेलिब्रिटी होम्स योजना की पूर्व सीमा के समानान्तर 18.00 मीटर चौडी सड़क प्रस्तावित करते हुये जोनल विकास योजना की 30 मीटर चोडी सड़क से मिलान किया जाने का निर्णय लिया गया है। यदि उक्त सड़क मार्गाधिकार के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 10 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जोन-11, जविप्रा में अपने दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त कालावधि में आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित रहे। यह विज्ञपित आज दिनांक 14/8/2026 को जारी की गई है।

उपायुक्त जोन-11,
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री अशोक कुमार सैनी एवं श्रीमती सुमित्रा सैनी, निवासीयान प्लाट नं. 103, गणेशम टाउन, निवारू रोड, लालचंदपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर ने अपने पुत्र श्री संदीप सैनी को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति एवं सभी नाते-रिश्तों से पृथक कर दिया है। आज के बाद श्री संदीप सैनी के साथ किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई लेन-देन, कहासुनी, वाद-विवाद, नाते-रिश्तेदारी इत्यादि सभी के जिम्मेदार वे स्वयं होंगे। आज दिनांक के वाद मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

(रत्नेश यादव) एडवोकेट, मो.-9887066979

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-11, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांकः 90A/JDA/2026-27/100650 लोक सूचना दिनांकः 17.08.2026

श्रीमति KAILASHI DEVI पत्नी श्री HARINARAYAN, श्री HARINARAYAN CHOUDHARY पुत्र श्री HARI KISHAN CHOUDHARY जाति JAT निवासी KESAR NAGAR SUKHIYA TEH. SANGANER, MANSAROVAR, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	समर्पण क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	नेवटा, सांगानेर (जयपुर)	1.) कैलाशीदेवी पत्नि हरिनारायण हिस्सा 12/25 जाति जाट सा ग्राम सुखिया तहसील सांगानेर खातेदार 2.) हरिनारायण पुत्र हरिकिशन हिस्सा 13/25 जाति जाट निकेसर नगर ग्राम सुखिया तहसील सांगानेर जिला जयपुर खातेदार	2491/1	0.75	0.75
2	नेवटा, सांगानेर (जयपुर)	1.) हरिनारायण पुत्र हरिकिशन हिस्सा पूर्ण जाति जाट ग्राम सुखिया खातेदार	3251/2491	0.77	0.77
				कुल	1.52

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 17.08.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-11, जविप्रा, जयपुर

कृषि विभाग में स्थापित होगा कृषि स्टैक आयुक्तालय

- किसानों से संबंधित सभी योजनाओं में अनिवार्य होगी फार्मर आई डी
- किसान सम्मान निधि कृषि विभाग को हस्तांतरित करने की तैयारी

जयपुर। राजस्थान में कृषि क्षेत्र को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी, सुगम एवं लक्षित तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हाल ही में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित कृषि स्टैक राज्य स्तरीय स्टीयरिंग समिति की बैठक में कृषि स्टैक की प्रगति, किसान रजिस्ट्री, डिजिटल क्रॉप सर्वे, उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा किसान कल्याण योजनाओं के डिजिटलीकरण की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कृषि विभाग, राजस्व विभाग, बोर्ड ऑफ रेवेन्यू, सहकारिता, वित्त एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मुख्य ज्ञान अधिकारी राजीव चावला भी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, कृषि ने बताया कि राज्य में अब तक 87.44 लाख किसानों का किसान रजिस्ट्री में पंजीकरण पूरा हो चुका है, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 96.95 प्रतिशत है। इनमें 49.46 लाख पीएम-किसान लाभार्थी सफलतापूर्वक किसान रजिस्ट्री से जुड़ चुके हैं।

ग्रामीण सेवा शिविरों, जन आधार के माध्यम से सत्यापन तथा कृषि पर्यवेक्षकों को डिजिटल प्रणाली से जोड़ने के प्रयासों से किसान रजिस्ट्री के कार्य में तेजी आई है।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि कृषि विभाग की किसान-केंद्रित योजनाओं में किसान आईडी को प्राथमिक पहचानकर्ता के रूप में अपनाया जा चुका है। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि किसान हित से जुड़ी सभी योजनाओं में किसान आईडी के अनिवार्य उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कृषि स्टैक के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए कृषि विभाग के अधीन समर्पित कृषि स्टैक आयुक्तालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। कृषि आयुक्त को कृषि स्टैक आयुक्त का दायित्व सौंपा जाएगा। इससे कृषि स्टैक से जुड़े विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म, किसान रजिस्ट्री, डेटा एकीकरण एवं विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन को एकीकृत दिशा मिलेगी।

बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को सहकारिता विभाग से कृषि विभाग में स्थानांतरित करने के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। वहीं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 26वीं किस्त से किसान आईडी को अनिवार्य किए जाने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। राज्य के सिस्टम और किसान रजिस्ट्री के बीच डेटा सिंक्रनाइजेशन का कार्य 31 अगस्त 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद निरंतर डेटा आदान-प्रदान की व्यवस्था विकसित की जाएगी तथा आरओआर सत्यापन मॉड्यूल लागू किया जाएगा।

लाखों वीर-वीरांगनाओं ने शहादत देकर भारत को आजादी दिलवाई : स्वामी रामदेव

स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण जी ने सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी।

हरिद्वार। देश के80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष व पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव जी महाराज तथा पतंजलि योगपीठ के महामंत्री एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ–2स्थित योगभवन में ध्वजारोहण कर सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी ने कहा कि लाखों वीर-वीरांगनाओं ने शहादत देकर भारत माता को आजादी दिलवाई,अब हमारा कर्तव्य है कि हम इस देश को सम्पूर्ण विश्व की श्रेष्ठतम आर्थिक,आध्यात्मिक,राजनैतिक महाशक्ति के रूप में खड़ा करने के लिए भूमिका निभाएँ। स्वामी जी ने कहा कि भारत के सभी नागरिक देश के संवैधानिक, लोकतांत्रिक,मानवीय व आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करके इस तरह का आचरण करें कि भारत का नागरिक विश्व का श्रेष्ठतम नागरिक बने। भारत की करेंसी विश्व की श्रेष्ठतम करेंसी हो। भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की श्रेष्ठतम अर्थव्यवस्था हो,भारत की शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था विश्व की श्रेष्ठतम शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था हो। भारत के लोगों की जीवन पद्धति व उनका चरित्र पूरे विश्व में आदर्श के रूप में जाना जाए। इसको कहते हैं एक भारत व श्रेष्ठ भारत का निर्माण। कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि जब तक हम अपनी शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति आदि व्यवस्थाओं को ठीक नहीं करेंगे,भ्रष्टाचार, अनाचार, दूराचार आदि विकृतियाँ समाप्त नहीं होंगी,पक्ष-विपक्ष में घमासान समाप्त नहीं होगा, छोटे बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे और बड़े छोटों की भावनाओं का सम्मान नहीं करेंगे तब तक देश की समृद्धि अवरूद्ध रहेगी और देश के विश्व गुरु बनने में बाधाएँ आएँगी। यदि हम सबको अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को सहीं ढंग से निभाएँ तो निश्चित ही भारत बहुत जल्द विश्वगुरु बनेगा। कार्यक्रम में पतंजलि से सम्बद्ध सभी शिक्षण संस्थानों- पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम् तथा पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क लि. व पतंजलि फूड्स लि. के कर्मचारियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित गणमान्यों के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया।

Government of India
Ministry of Environment, Forest & Climate Change
B-215 & B-216, "ARANYA BHAWAN" Jhalana Institutioanl Area, Jaipur-302004
Regional Office, Gandhinagar (Sub Regional Office-Jaipur)

Online Proposal No. : FP/RJ/RAIL/552879/2025 **Dated :- 29/06/2026**

To,
Additional Chief Secretary (Forest and Environment) Department of Forest and Wildlife
Government of Rajasthan, Vaniki Path, Near Secretariat Jaipur-302005 (Rajasthan)

Subject: Proposal for seeking approval of the Central Government under Section 2 (1) (ii) of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 for diversion of 2.01 ha. of protected forest land in favour of Jaipur Metro Rail Corporation Limited for execution of the Jaipur Metro Phase-1C Project from Badi Chaupar to Transport Nagar at Jaipur, Rajasthan. (Online Proposal No. FP/RJ/RAIL/552879/2025).

Sir/Madam,

I am directed to refer the Govt. of Rajasthan, proposal No. FP/RI/RAIL/552879/2025 seeking prior approval of the Central Government under Section 2 (1) (ii) of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 on the above mentioned subject and to say that the proposal has been examined by the Advisory Committee, constituted under Section-3 of the said Adhiniyam. After careful examination of the proposal of the State Government & on the basis of the recommendations of the Advisory Committee and with due approval of the Competent Authority in the Ministry, the Central Government hereby accords 'in-principle/Stage-1' approval under Section 2 (1) (ii) of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 for diversion of 2.01 ha. of protected forest land in favour of Jaipur Metro Rail Corporation Limited for execution of the Jaipur Metro Phase-IC Project from Badi Chaupar to Transport Nagar at Jaipur, Rajasthan subject to following conditions:-

1. General Conditions:- 1.1 Legal status of the diverted forest land shall remain unchanged; 1.2 Compensatory afforestation over the non-forest land (2.01ha. of Non-Forest land of Village- Daulatpura Tehsil-Amber District- Jaipur) equal in extent to the forest land being diverted shall be raised and maintained by the State Forest Department at the project cost within two years from the date of grant of Stage- II approval; 1.3 The non-forest land identified for raising compensatory afforestation shall be transferred and mutated in favour of the State Forest Department before issue of the Stage-II clearance; 1.4 The non-forest land shall be notified by the State Government as Protected forest under section 29 of the Indian Forest Act, 1927 or under the relevant section(s) of the local Forest Act, before et, before handing over the forest land to the user agency; 1.5 The User Agency shall transfer the cost of raising and maintaining the compensatory afforestation, at the current wage rate, to the State Forest Department. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years; 1.6 The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) of the forest land being diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 28.03.2008, 24.04.2008 and 09.05.2008 in Writ Petition (Civil) No. 202/1995 and the guidelines issued by this Ministry vide its letter No. 5-3/2007-FC dated 05.02.2009 in this regard e-Payments; 1.7 At the time of payment of the Net Present Value (NPV) at the then prevailing rate, the User Agency shall furnish an undertaking to pay the additional amount of NPV, if so determined, as per the final decision of the Hon'ble Supreme Court of India; 1.8 Compensatory levies, to be realized from the User agency, in lieu of diversion of forest land, shall be transferred/deposited, through e-payment, into the concerned account of State/UT CAMPA, managed by the National Authority (CAMPA); 1.9 The User Agency shall obtain the Environment Clearance as per the provisions of the Environmental (Protection) Act, 1986, if required; 1.10 The boundary of the diverted forest land, shall be demarcated on ground at the project cost, by erecting four feet high reinforced cement concrete pillars, cach inscribed with its serial number, forward and back bearing and distance from pillar to pillar; 1.11 The User agency, if required, will undertake comprehensive soil conservation measures in the area being diverted at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same may be submitted along with the compliance report; 1.12 No labour camp shall be established on the forest land; 1.13 The User Agency shall provide fuels preferably alternate fuels to the labourers and the staff working at the site so as to avoid any damage and pressure on the nearby forest areas; 1.14 The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the proposal; 1.15 The layout plan of the proposal shall not be changed without the prior approval of the Central Government; 1.16 The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be The forest land proposed to be diverted transferred to any other agency, department or person without prior approval of the Central Government; 1.17 No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused; 1.18 The user agency shall explore the possibility of translocation of maximum number of trees identified to be felled and shall ensure that any tree felling shall be done only when it is unavoidable and that too under strict supervision of the State Forest Department; 1.19 The State Government shall complete settlement of rights, in terms of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, if any, on the forest land to be diverted in accordance with the relevant guidelines issued by the MoEF; 1.20 The user agency in consultation with the State Government shall create and maintain alternate habitat/home for the avifauna, whose nesting trees are to be cleared in this project. Bird's nests artificially made out of eco-friendly material shall be used in the area, including forest area and human settlements, adjoining the forest area being diverted for the project; 1.21 The State Government shall monitor compliance of conditions of Forest Clearance and shall submit in this regard yearly report as on 31st December of every year; 1.22 Any other condition that the Ministry of Environment, Forests & Climate Change may stipulate, from time to time, in the interest of conservation, protection and development of forests & wildlife shall be carried out by the State Government and user agency; 1.23 The User Agency and the State Government shall comply all the provisions of all Acts, Rules, Regulations, Guidelines, Hon'ble Court Order (s) and NGT Order (s) pertaining to this project, if any, for the time being in force, as applicable to the project; 1.24 The KML files of proposed area for diversion and the CA area shall be uploaded on the e-Green watch portal with all requisite details; 1.25 The cost of felling of trees shall be deposited by the User Agency with the State Forest Department; 1.26 The User Agency shall submit the annual self-compliance report in respect of the above stated conditions to the State Government, concerned Regional Office and to this Ministry by the end of March every year regularly; 1.27 Violation of any of these conditions will amount to violation of Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and action would be taken as prescribed in para 1.16 of Chapter 1 of the consolidated guidelines and clarifications issued under Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Rules, 2023 as issued by this Ministry's letter No. 5-2/2017-FC dated 29.12.2023; 1.28 The complete Compliance report shall be uploaded on e-portal (https://parivesh.nic.in);
2. Standard conditions:- 2.1 The State Government shall ensure controlled speed limit if the trains passing through the forest portion to enable the trains drivers to react to the sudden appearance of the wild animals on the track. As and when required speed of train shall be regulated in consultation with Chief Wildlife Warden of the State Government; 2.2 The designing of culverts/bridges, if any, over the natural streams/rivers/canals should be done in such a manner that it does not hamper the natural course of water, does not give rise to water-logging, and also does not hamper movement of wild animals; 2.3 The reclamation of quarry, if any, should be done under the supervision of the State Forest Department. The quarry shall be reclaimed and afforested completely before the project is closed; 2.4 The user agency will provide retaining walls, breast walls and drainage as per requirement to make the slope stable; 2.5 If required, provision for construction of sufficient underpasses for safe crossing of animal shall be made in consultation with Chief Wildlife Warden; 2.6 The user agency shall carry out muck disposal, if any, at pre-designated sites; 2.7 The User agency, if required, will undertake comprehensive soil conservation measures in the area being diverted at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same may be submitted along with the compliance report.
3. Specific Conditions:- 3.1 The Ministry has issued guidelines dated 21.01.2026 prescribing penal compensatory afforestation in cases where forest land has been used in violation of the provisions of the Adhiniyam. Accordingly, the State Government shall ensure compliance with the said guidelines and furnish details of the Net Present Value (NPV) or penal compensatory afforestation, as may be charged from the user agency, along with supporting documents such as the KML file, Compensatory Afforestation scheme, suitability certificate, etc. The compensatory levies corresponding to the penal CA shall be deposited in the account of the State CAMPA, and the same shall be duly intimated to the Ministry; 3.2 Penal compensatory afforestation, if proposed by the State Government, shall be verified by Regional Office, Gandhinagar and report shall be sent to the Ministry for examination along with CA details during submission of compliance report of Stage- I approval; 3.3 The User Agency shall pay five (5) times penal NPV for the extent of violation done plus 12 percent simple interest from the date of raising of such demand till the deposit is made by the User Agency; 3.4 The State Government shall initiate action /penal proceedings against the erring officials in accordance with the provisions of the section 3 A and 3 B of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhinyam, 1980. The State Govt, shall submit action taken report with respect to 3A/3B violation alongwith Stage-1 compliance; 3.5 The State Government shall submit action taken report against the user agency alongwith Stage-I compliance.

After receipt of the compliance report on the fulfillment of the conditions mentioned above, the proposal shall be considered for final approval under section 2 of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980. Transfer of forest land shall not be affected till final approval is granted by the Government in this regard.

Your's faithfully

(Aditi Bhardwaj)
Assistant Inspector General/Scientist,
MEF General of Forests (AIGF) Regional Office,
Gandhinagar MoEF&CC, Govt of India

Raj.Samwad/C/26/10121

जब कोई खिलाड़ी एक फ्रेंचाइजी से दूसरी टीम में ट्रेड होता है, तो उसकी डील की रकम भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। इससे सभी फ्रेंचाइजियों को यह पता रहेगा कि टीमों ने तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं।

– सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल में खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि सऊदी प्रो लीग का यह सत्र संभवतः उनके पेशेवर करियर का आखिरी सत्र होगा। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी का सऊदी अरब के क्लब अल नासर के साथ अनुबंध अगले साल जून में समाप्त हो रहा है और उन्होंने वोग पत्रिका को बताया है कि एक और अनुबंध की संभावना नहीं है। रोनाल्डो ने कहा, "शायद यह फुटबॉल में मेरा आखिरी साल है। मैं एक शानदार विरासत छोड़ना चाहता हूं।" अपने करियर में अब तक 976 गोल करने वाले रोनाल्डो ने इसी महीने की शुरुआत में अपनी लंबे समय की साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज से शादी की।

क्या आप जानते हैं ?... मैच रिकॉर्ड: ओलंपिक इतिहास में 142 मैचों में 87 जीत दर्ज की हैं।

हॉकी वर्ल्डकप में इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय टीम मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार गई है। सोमवार को एम्सटेलवीन के वैगेनर स्टेडियम में भारत हाफ टाइम तक 2-1 से आगे था। लेकिन, दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने तीन गोल कर मैच पलट दिया। इस हार के साथ वर्ल्डकप में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का इंतजार 32 साल का हो गया। उसने आखिरी बार 1994 में इंग्लैंड को हराया था। इंडिया का अगला मैच 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा। भारत ने तेज शुरुआत की। उसे छठे मिनट में गोल का मौका मिला, लेकिन जरमनप्रीत सिंह का शॉर्ट गोल पोस्ट के बाहर चला गया। 14वें मिनट में निकोलस बंडुराक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके इंग्लैंड को 1-0 से आगे कर दिया। उनका शॉर्ट इतना तेज था कि भारतीय गोलकीपर मोहित रिएक्ट तक नहीं कर सके।

अभिनव स्वामी इंडियन आर्मी (पिनाका) रेजिमेंट के आधिकारिक फुटबॉल कोच नियुक्त

जयपुर, 17 अगस्त। महिपाल स्वामी, सेक्रेटरी, यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) ने बताया कि अभिनव स्वामी को नसीराबाद, अजमेर में होने वाले इंडियन आर्मी टूर्नामेंट के लिए इंडियन आर्मी (पिनाका) रेजिमेंट का आधिकारिक फुटबॉल कोच नियुक्त किया गया है। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम 17 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026 तक नसीराबाद, अजमेर में होने वाले फुटबॉल मैचों में हिस्सा लेने वाली है। अभिनव स्वामी उनके गाइडेंस, अनुभव और टेक्निकल एक्सपर्टीज़ से कॉम्पिटिशन के दौरान टीम को बहुत फायदा होगा।

जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी 145 रन से विजेता

जयपुर, 17 अगस्त। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी और अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 280/3 40.0 मे रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्षित सैनी ने 111 रन, जे आर विराट शर्मा ने 93 रन और यश मीना ने 25 रन बनाये। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन और से गेदबाजी करते हुए दिपेश कुशवाहा ने 30 रन देकर 1 विकेट, वंश प्रताप ने 80 रन देकर के 1 विकेट और प्रशांत परमार ने 69 रन देकर के 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन ने बल्लेबाजी करते हुए 135/10 30.1 ओवर मे आल आउट हो गई। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन कि ओर से सूर्याशं ने 49 रन, दक्ष बचमी ने 33 रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए यश मीना ने 19 रन देकर के 3 विकेट, श्रेयांस सिंह ने 16 रन देकर के 2 विकेट लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी 145 रन से विजेता हुई।

अंडर -16 टीम चयन ट्रायल मैं चयनित खिलाड़ियों का दो दिवसीय अभ्यास कैंप

दौसा, 17 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 16 प्रतियोगिता 05 सितंबर से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 16.08.2026 रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर लिया गया। ट्रायल के लिए आए खिलाड़ियों की ट्रायल ली गई ट्रायल में लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनमें से 56 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट करके अभ्यास कैंप के लिए बुलाया गया है। अभ्यास कैंप राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर मंगलवार एवं बुधवार को सुबह 7:30 बजे आयोजित किया जाएगा। फिटनेस कैंप मैं सफल खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट करके उनकी दो टीम बनाकर 2 से 3 अभ्यास मैच करवाए जाएंगे। सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि पिछले दो टर्म से अंडर 16 टीम का प्रदर्शन काफी निराशा जनक रहा है इसलिए उनका पहले अभ्यास कैम्प के अंतर्गत खिलाड़ियों की फिटनेस और उनका यो यो टेस्ट लिया जाएगा और पूर्व खिलाड़ियों का पिछले 2 वर्षों का प्रदर्शन भी देखा जाएगा।

अंडर-16 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 19 एवं 20 अगस्त को

जयपुर, 17 अगस्त। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर - 16 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल दिनांक 19 एवं 20 अगस्त को प्रातः 9 बजे के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित की जाएगी। चयन ट्रायल में केवल जयपुर के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1 सितंबर 2010 व 31 अगस्त 2012 के मध्य हुआ है। जो खिलाड़ी ट्रायल देना चाहते है उनको अपना रजिस्ट्रेशन के एल सैनी स्टेडियम पर दिनांक 18 अगस्त को प्रातः 10 बजे से 6 बजे तक कराना होगा।

खिलाड़ियों को रजिस्ट्रेशन के लिए निम्नलिखित दस्तावेज लाने होंगे।

1. कंप्यूटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र।
2. स्वयं का व माता - पिता का आधार कार्ड।
3. मूल निवास प्रमाण पत्र।
4. पिछले 3 वर्ष की मार्कशीट।

सोनल दिनुषा के शतक के बावजूद श्रीलंका 284 पर ढेर, भारत को 178 रन की बढ़त

गाले, 17 अगस्त। सोनल दिनुषा के शानदार शतक के बावजूद श्रीलंका भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 284 रन पर सिमट गया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे, जिससे उसे 178 रन की मजबूत बढ़त हासिल हुई।

दिनुषा ने संकट में फंसी श्रीलंकाई पारी को संभालते हुए निचले क्रम के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। उन्होंने निरोशन डिकवेला के साथ छठे विकेट के लिए 146 रन जोड़े। दिनुषा ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा किया और 100 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 76 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 57 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। जडेजा इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए।

90 रन पर पांच विकेट, फिर डिकवेला-दिनुषा ने संभाला : श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 90 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद डिकवेला और दिनुषा ने मोर्चा संभाला। डिकवेला ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेज अर्धशतक पूरा किया, जबकि दिनुषा ने धैर्य के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी पूरी की। यह भारत के खिलाफ श्रीलंका की पारी में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के 100 रन से पहले आउट होने के बाद छठे विकेट के लिए दूसरी 100 से अधिक रन की साझेदारी रही। डिकवेला ने 80 रन बनाए, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर उनकी पारी समाप्त हुई। इसके बाद जडेजा ने केशरा नुवान्था को आउट कर 350 टेस्ट विकेट का आंकड़ा पूरा किया। प्रभात जयसूर्या ने कुछ देर टिककर श्रीलंका को फॉलोऑन से बचाया और दिनुषा को अपना पहला टेस्ट शतक पूरा करने का मौका दिया। हालांकि, शतक पूरा होते ही भारत ने श्रीलंका की पारी समेट दी।

भारत की पारी 462 रन पर समाप्त : इससे पहले भारत ने दिन की शुरुआत 460/9 से की थी, लेकिन टीम केवल दो रन जोड़ सकी। असिथा फर्नांडो ने प्रसिद्ध कृष्णा को आउट कर भारतीय पारी 462 रन पर समाप्त की। श्रीलंका की पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने शुरुआती झटके दिए। सुथार ने अपने पहले ही ओवर की पहली गेंद पर विकेट हासिल किया और बाद में शानदार एक हाथ के कैच की मदद से अपना दूसरा विकेट भी लिया।

रवींद्र जडेजा ने धनंजय डी सिल्वा को आउट कर अपना 349वां टेस्ट विकेट हासिल किया। इसके बाद दिनुषा और डिकवेला ने श्रीलंका को संकट से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन भारत ने अंततः पूरी टीम को 284 रन पर समेट दिया।

जडेजा 4,000 रन और 350 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे ऑलराउंडर बने

गाले, 17 अगस्त। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। जडेजा टेस्ट क्रिकेट में 4,000 से अधिक रन और 350 विकेट हासिल करने वाले दुनिया के केवल चौथे ऑलराउंडर बन गए। जडेजा के अब 4095 रन हो गए हैं, और विकेट 350 हैं। श्रीलंका की पहली पारी में जडेजा ने धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुशा और केशरा नुवान्था के विकेट हासिल किए। इससे उनके टेस्ट विकेटों की संख्या 350 पहुंच गई। जडेजा ने इससे पहले भारतीय पारी में 13 रन बनाए थे। जडेजा से पहले यह उपलब्धि भारत के कपिल देव, इंग्लैंड के इयान बॉथम और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी हासिल कर चुके हैं। इन चारों में जडेजा ऐसे एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 से कम टेस्ट मैचों में यह मुकाम हासिल किया है। कपिल देव इस सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने भारत के लिए 131 टेस्ट में 5,248 रन और 434 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के बॉथम ने 102 टेस्ट में 5,200 रन और 383 विकेट हासिल किए हैं। न्यूजीलैंड के विटोरी ने 113 टेस्ट में 4,530 रन और 362 विकेट अपने नाम किए हैं। जडेजा अब इस खास सूची में शामिल होने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं।

पीवी सिंधु ने दर्ज की शानदार जीत, सीधे गेम में रेचल नोबल को हराया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने सोमवार को नई दिल्ली में शुरू हुई बीएफडब्ल्यू विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया। सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में आयरलैंड की रेचल नोबल को सीधे गेम में 21-7, 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इंदिरा गांधी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने पहले गेम में तेज शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त हासिल की। अपनी तेज स्मैश और आक्रामक खेल से सिंधु ने नोबल को लगातार दबाव में रखा। सिंधु ने इसके बाद बढ़त को और मजबूत करते हुए स्कोर 17-4 कर दिया और महज 12 मिनट में पहला गेम 21-7 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में नोबल ने वापसी की कोशिश की और सिंधु को कुछ देर चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा। सिंधु ने रैलियों पर पकड़ बनाए रखते हुए लगातार अंक जुटाए और दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया। इस तरह सिंधु ने मुकाबला सीधे गेम में अपने नाम किया और विश्व चैंपियनशिप के पहले ही दिन शानदार प्रदर्शन के साथ अगले दौर में जगह बनाई। घरेलू दर्शकों के सामने मिली इस जीत से सिंधु ने टूर्नामेंट में अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं।

ट्रीसा-गायत्री और अर्जुन-हरिहरन भी दूसरे दौर में : भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी तथा एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की पुरुष युगल जोड़ी ने सोमवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दौर में जगह बना ली। ट्रीसा और गायत्री ने महिला युगल के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज को सीधे गेम में 21-9, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और दोनों गेम आसानी से अपने नाम किए। अब राउंड ऑफ 32 में 16वीं वरीय अमेरिकी जोड़ी लॉरेन लैम और एलिसन क्विन ली से ट्रीसा-गायत्री का सामना होगा। पुरुष युगल में 15वीं वरीयता प्राप्त एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन ने भी अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी के खिलाफ आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स मुकाबला कर रहे थे, लेकिन आयरिश जोड़ी ने चोट के कारण मुकाबला बीच में छोड़ दिया।

महिला हॉकी विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एम्स्टेलवीन, 17 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से मंगलवार को पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया। चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा।

पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि भारत और चीन एक-एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास, पहली बार जीता द हंड्रेड का खिताब

लंदन, 17 अगस्त। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। **नूर अहमद ने दिलाई रॉकेट्स को शुरुआती सफलता:** अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले का रुख बदल दिया। एनीयूरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर पर हमला बोला और पहली छह गेंदों पर 17 रन ठोके, लेकिन वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रॉकेट्स का स्कोर 97/5 हो गया।

एफआईएच विश्व कप में पुरुष-महिला टीमों की भागीदारी पर गर्व : पी.टी. उषा

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 से 30 अगस्त तक हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की भागीदारी का स्वागत किया है। आईओए ने दोनों टीमों को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी।

आईओए ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत की मौजूदगी भारतीय हॉकी की मजबूती और लगातार हो रही प्रगति को दर्शाती है। भारत इस वर्ष एफआईएच हॉकी विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ भाग लेने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है।

विश्व कप दोनों टीमों को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने और अपने उच्च प्रदर्शन वाले खेल कार्यक्रम को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। इसके बाद भारतीय टीमों का लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और फिर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारियों पर रहेगा।

उन्होंने कहा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ इस स्तर के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करना किसी भी खिलाड़ी की उच्च प्रदर्शन वाली यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां हासिल होने वाला अनुभव आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और अंततः लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारी में बेहद उपयोगी होगा।

पीटी उषा ने कहा, एशियाई खेल हमारी हॉकी टीमों के लिए बड़े बहु-खेल आयोजन में खुद को परखने और ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर होंगे। हमें दोनों टीमों पर पूरा भरोसा है और मुझे विश्व ास है कि हमारे खिलाड़ी गर्व, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो हमेशा से भारतीय हॉकी की पहचान रही है।

डूरंड कप के सेमीफाइनल में पहुंची एससी दिल्ली, 19 अगस्त को ईस्ट बंगाल एफसी से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 17 अगस्त। एससी दिल्ली ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को मणिपुर की एफसी रेंगदाई को 5-1 से करारी शिकस्त देकर डूरंड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना कोलकाता की दिग्गज टीम ईस्ट बंगाल एफसी से होगा। ईस्ट बंगाल ने कोलकाता में खेले गए एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ने पीवी विष्णु के पहले हाफ में किए गए शानदार हेडर की बदौलत रोमांचक मुकाबले में भारतीय सेना एफटी को 1-0 से मात दी। दिन के पहले मुकाबले में टूर्नामेंट में पदार्ण कर रही एफसी रेंगदाई को पहले हाफ में चोंगथम किशन सिंह ने नौवें मिनट में लंबी दूरी से शानदार गोल दागकर को बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी जोसेफ सनी (57वें और 67वें मिनट) ने यहां के बिरसा मुंडा स्टेडियम में 10 मिनट के अंदर दो गोल कर मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। एससी दिल्ली की ओर से इसके बाद रोड्रिगुइन्हो ने 82वें मिनट, जुआन सेबेस्टियन पेना (90 तीसरे मिनट) और ऑगस्टिन लालरोचना (90 आठवें मिनट) ने आखिरी पलों में गोल कर टीम के जीत के अंतर को बड़ा किया। ईस्ट बंगाल एफसी और सी दिल्ली के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 19 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में खेला जाएगा। भारतीय सेना के लिए लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखना मुश्किल साबित हुआ। दबाव से निकलने के लिए टीम को अक्सर गेंद को हवा में मारने और लंबे पासों का सहारा लेना पड़ा। ईस्ट बंगाल को 38वें मिनट में सफलता मिली।

टिम साइफर्ट की आतिशी पारी से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स चैंपियन

नई दिल्ली, 17 अगस्त। लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आखिरकार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की किस्मत बदल गई। फाइनल में लगातार दो बार हारने के बाद टीम ने तीसरे मौके को हाथ से नहीं जाने दिया और ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार हंड्रेड का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम की इस जीत के सबसे बड़े नायक न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम साइफर्ट रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेलकर लक्ष्य की राह आसान कर दी। बता दें कि मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से जाना जाता था। टीम इससे पहले 2022 के फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स और 2023 के फाइनल में ओवल इनविंसिबल्स से हार गई थी। ऐसे में लॉर्ड्स में मिली यह जीत उसके लिए खास रही।

भारत की धाविका अंकिता ध्यानी ने दूसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारत की मध्यम एवं लंबी दूरी की धाविका अंकिता ध्यानी ने अमेरिका में आयोजित 'स्टम्पटाउन ट्वाइलाइट' प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चौबीस वर्षीय अंकिता ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स 'कॉन्टिनेंटल टूर' चैलेंजर स्तर (कैटेगरी-डी) की इस प्रतियोगिता में चार मिनट 06.75 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में पांच सेकंड से अधिक का सुधार किया। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ समय चार मिनट 12.28 सेकंड था। अंकिता का यह प्रदर्शन इस सत्र में 1500 मीटर में किसी भारतीय का सबसे तेज समय है। यह एशिया में इस सत्र का तीसरा सबसे तेज समय है। भारतीय धाविकाओं में यह अब तक का चौथा सबसे तेज प्रदर्शन भी है। इस स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड केएम दीक्षा के नाम है, जिन्होंने चार मिनट 04.78 सेकंड का समय दर्ज किया है। इक्वाडोर की कारमेन एल्डर कैसालिटिन ने चार मिनट 06.40 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका की एलेनोर फुल्टन 4:09.36 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

सेंट एनसलम एवं संस्कार स्कूल जीती

जयपुर, 17 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में दिन का पहला मुकाबला सेंट एनसलम स्कूल चोमू व सैंट एंसेल्म सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर के मध्य खेला गया। जिसमें सैंट एंसेल्म स्कूल चोमू ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 95 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें प्रदीप मीणा ने 11 रन व वंश कुमावत ने 9 रनों का योगदान दिया। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर की ओर से गेंदबाजी में तनिष अरोड़ा ने चार विकेट और समृद्ध पांडे व अहान मिश्रा ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट एंसेलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर 8.5 ओवर में 99/4 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें तनिष अरोड़ा ने 40 रन व प्रियांशु सिंह ने 33 रनों की पारी खेली। सेंट एनसलम स्कूल चोमू की ओर से गेंदबाजी में तुषार चौधरी ने दो विकेट लिए। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर ने 6 विकेट से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा मुकाबला ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल व संस्कार स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 109 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें ओजस सैनी ने 54 रन व अथर्व शर्मा ने 14 रनों का योगदान दिया। संस्कार स्कूल की ओर से गेंदबाजी में गौरांश पारीक ने तीन विकेट और युग जाजड़िया ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल 6 ओवर में 110/1 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें शिफान खान ने नाबाद 70 रन व देवांग सिंगोदिया ने 27 रनों की पारी खेली। ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में भव्य शर्मा ने एक विकेट लिया। संस्कार स्कूल ने 9 विकेट से मुकाबला जीता।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को देता हूं बराबर महत्व : हर्ष त्यागी

नई दिल्ली, 17 अगस्त। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में रविवार रात पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने 21 रन से जीत दर्ज की। टीम की जीत में हरफनमौला हर्ष त्यागी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया।

अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए त्यागी ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए गया तो छह ओवर बचे थे और लक्ष्य 200 रन तक पहुंचना था। मैंने करीब 30 महत्वपूर्ण रन बनाए। गेंदबाजी में मेरे पहले दो ओवर मुश्किल रहे, लेकिन आखिरी दो ओवर में मैंने रनों पर नियंत्रण रखने पर ध्यान दिया।

महत्वपूर्ण ओवरों में अपनी गेंदबाजी की रणनीति के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पता था कि इन स्लॉग ओवरों में कुछ रन खर्च हो सकते हैं, लेकिन मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था। मैंने पूरे साल दिल्ली में यॉर्कर और धीमी गेंदों पर काफी काम किया है, ताकि बल्लेबाजों को अनुमान लगाने में परेशानी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज गेंद का सही तरीके से इस्तेमाल करना था।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक एथलेटिक्स चैंपियनशिप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन

जयपुर, 17 अगस्त। राजस्थान एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में पटेल स्टेडियम, अजमेर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालक एथलेटिक्स चैंपियनशिप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आज पटेल स्टेडियम, अजमेर में उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह गुर्जर, महासचिव राजस्थान ओलंपिक संघ थे। समारोह की अध्यक्षता शारदा देवी जादम, अध्यक्ष राजस्थान एथलेटिक संघ द्वारा की गई। दुर्गा शंकर शर्मा अध्यक्ष फाइनेंस कमेटी, हरिराम चौधरी, पूर्व चेयरमैन राजस्थान तीरंदाजी संघ, कार्तिक शर्मा कोषाध्यक्ष राज. एथलेटिक्स संघ, शंकरलाल बुनकर चीफ कोच, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। आयोजन सचिव गिरिराज सांखला एवं जिला संघ के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम दिवस के परिणाम निम्न अनुसार हैं -

अंडर 20 5000 मीटर रेस वॉक प्रवीण जोधपुर प्रथम, हनुमान बीकानेर द्वितीय, रोहित कुमार चित्तौड़गढ़ तृतीय, अंडर 18 पवन गुर्जर करौली प्रथम, सुभाष कुमार चूरू द्वितीय, अभिषेक सुखवाल उदयपुर तृतीय। अंडर 20 5000 मीटर दौड़ रोहित चौधरी श्रीगंगानगर प्रथम, अनमोल गिलहोत्रा झालावाड़ द्वितीय, देशराज प्रजापत तृतीय। अंडर 16 80 मीटर हर्डल घनश्याम जाट भीलवाड़ा प्रथम, सुमित चौधरी अलवर द्वितीय, अमन कुमार झुंझुनू तृतीय, अंडर 20 110 मीटर हर्डल नकुल श्रीगंगानगर प्रथम, भवानी सिंह जैसलमेर द्वितीय, सुभाष सैनी जैसलमेर तृतीय। अंडर 18 110 मीटर हर्डल कार्तिक प्रजापति सीकर प्रथम, हेमंत सिंह भीलवाड़ा द्वितीय, राजवीर बिश्नोई जोधपुर तृतीय। अंडर 20 गोला फेंक कुंदन गुर्जर कोटा प्रथम, निर्मल शर्मा जयपुर द्वितीय, अभिनव शेखावत अजमेर तृतीय। अंडर 18 गोला फेंक में युवराज सिंह जयपुर प्रथम, मनोज पिपलोदा जयपुर द्वितीय, अनुराग ज्यानी श्रीगंगानगर तृतीय। अंडर 20 1500 मीटर रोहित चौधरी श्रीगंगानगर प्रथम, हैप्पी झुंझुनू द्वितीय, आयुष चौधरी जयपुर तृतीय।

मुख्यमंत्री भजनलाल के महत्वपूर्ण जल समझौतों से विकास की गंगा बहेगी- शिवराज सिंह चौहान

केन्द्रीय कृषि मंत्री तथा मुख्यमंत्री ने बारां व झालावाड़ में 1258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

बारां/जयपुर, 17 अगस्त। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना समझौते से 4 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। इसी प्रकार, यमुना जल से जुड़ा महत्वपूर्ण समझौता भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में निरंतर विकास की गंगा बहेगी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री सोमवार को बारां की कृषि उपज मंडी में बारां-झालावाड़ के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि बारां, झालावाड़, कोटा के कृषि क्षेत्र में विकास का रोडमैप बनाया जाएगा। इससे किसान नई फसलों की पैदावार कर सकेंगे और उनकी आमदनी बढ़ेगी।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत राजस्थान के लिए 3 हजार 473 करोड़ रुपये की लागत से 2 लाख 89 हजार 355 नवीन आवास निर्माण तथा कृषि विभाग की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं कृषि उन्नत योजना के लिए 340 करोड़ 59 लाख रुपये की स्वीकृति के पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने किसानों की आय को सुरक्षित करने, कृषि लागत कम करने और उन्हें आसान ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बारां की कृषि उपज मंडी में बारां-झालावाड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारां एवं झालावाड़ जिलों में 1 हजार 258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। पिछले ढाई साल में बारां के समग्र विकास के लिए 3 हजार 316 करोड़ एवं झालावाड़ के लिए 6 हजार 474 करोड़ सहित कुल 10 हजार करोड़ से अधिक का बजट आवंटित किया गया है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम तथा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने किसानों की आय को सुरक्षित करने व कृषि लागत कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभा स्थल पर बारां जिला प्रशासन की विकास कार्यों एवं विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद दुष्यंत सिंह, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, ललित मीणा, राधेश्याम बैरवा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने छात्रों की मांग मानी, परीक्षा रद्द की

- **मुख्यमंत्री सोरेन की घोषणा पर आंदोलनरत छात्रों ने खुशी जताई, पर सीबीआई जांच की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की**
- **मुख्यमंत्री सोरेन ने लखनऊ की डेटा प्रोसैसिंग और परीक्षा करवाने वाली संस्था टीएसआर डेटा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं व भर्तियों को रद्द करने की घोषणा की।**

रांची, 17 अगस्त। जेपीएससी - जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं को लेकर 24 दिनों से जारी छात्र आंदोलन में सोमवार देर रात बड़ा मोड़ आया। लंबे समय तक चली बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख मांगें मानने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आंदोलनरत छात्रों की मांगों पर करीब तीन घंटे तक गहन चर्चा हुई। बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द किया जाएगा। साथ ही, टीडीपीएल के माध्यम से हुई भर्तियों को भी रद्द करने की बात कही गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2014 से अब तक टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित सभी परीक्षाएं रद्द होंगी।

मुख्यमंत्री के इस ऐलान के बाद आंदोलनरत छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्रों ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी मांगों को लेकर सरकार ने गंभीरता दिखाई है। छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फैसले के लिए बधाई दी और इसे छात्रों के आंदोलन की बड़ी सफलता बताया।

हालांकि, आंदोलन कर रहे कुछ छात्रों का कहना है कि सरकार की ओर से महत्वपूर्ण मांगें मान ली गई हैं, लेकिन उनका आंदोलन अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। छात्रों ने कहा कि परीक्षाएं और भर्तियां रद्द करने की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच भी जरूरी है।

छात्रों की प्रमुख मांग अब पूरे मामले की सीबीआई जांच को लेकर है। उनका कहना है कि जब तक सरकार सीबीआई जांच कराने पर स्पष्ट निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि केवल परीक्षाएं रद्द करने से पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आएगी। दोषियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है।

दूसरी तरफ, परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों ने मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना है, "हम लोगों का क्या दोष है, जो हमारी परीक्षा रद्द कर दी गई?"

जेपीएससी विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखे पत्र से भी मामला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया था। राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उनके समाधान की दिशा में पहल करने की बात कही थी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई टीम घोषित की

राममाधव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, स्मृति ईरानी राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त, पीयूष गोयल कोषाध्यक्ष बने

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक समावेश का व्यापक संतुलन देखने को मिला है। सोमवार को जारी नई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। करीब 65 सदस्यों की नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष ध्यान दिया गया है।

- **नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष तवज्जो दी गई है तथा संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा व क्षेत्रीय संतुलन पर ध्यान दिया गया है।**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निबीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत, 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत, आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भाजपा की विज्ञिप्त के मुताबिक, वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गयी है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेन्द्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटीदार, के सुरेन्द्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वर भाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेन्द्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णु दत्त शर्मा को बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है।

हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान सौंपी गई है। अनिल बलूनी को फिर मीडिया संयोजक बनाया गया है। आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को सह संयोजक बनाया गया है। दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट, अरुण यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

नितिन नबीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंगल को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में राजस्थान के नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारियों के बाद प्रदेश की राजनीति में भी इसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। एक तरफ वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर बनाए रखा गया है, तो दूसरी ओर सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाकर संगठन में उनका कद बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा की सरकार है। ऐसे में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय संगठन में मौजूदगी आने वाले समय में केन्द्र और प्रदेश संगठन के बीच समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नई नियुक्तियों से एक बात साफ है कि भाजपा ने राजस्थान के अनुभवी, संगठनात्मक और सामाजिक आधार वाले नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी देकर प्रदेश को संगठन की नई रणनीति में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। अब इन नियुक्तियों का असर राजस्थान भाजपा के भीतर आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक समीकरणों पर कितना पड़ता है, इस पर सबकी नजर रहेगी।

आईएसआई के शहज़ाद भट्टी नेटवर्क के 255 संदिग्ध गिरफ्तार

- **सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले कार्यवाही कर आतंकवादियों के मंसूबे नाकाम किये**
- **केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पोस्ट में यह जानकारी दी।**

नई दिल्ली, 17 अगस्त। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज़ इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 राज्यों में 253 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इस नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस के आसपास एसबीएन से जुड़ी संभावित गड़बड़ियों को रोकने के लिए 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने वाली प्रणाली के जरिए समन्वित बहु-राज्यीय अभियान चलाया गया। इसमें 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहज़ाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज़्यादा सदस्यों को गिरफ़्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। शाह ने कहा कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

शहजाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूनावाला ने भाजपा और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और बीएल संतोष से उन्हें लगातार मार्गदर्शन और सहयोग मिला।

उन्होंने कहा कि भाजपा और व्यापक संघ परिवार ने उन्हें जो अवसर और मंच प्रदान किया, उसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति को भाजपा ने अवसर प्रदान किया। पूनावाला ने कहा कि वे उस पार्टी और राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद को अलविदा कह रहे हैं, जिसे वे बेहद पसंद करते हैं।

क्या देवेन्द्र फड़नवीस दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पीछे कई संभावित कारण बताए जा रहे हैं। इनमें तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में उनका मजबूत प्रदर्शन, नागपुर से उनका संबंध और आरएसएस से उनके करीबी रिश्ते प्रमुख हैं। इसके अलावा, विपक्षी नेताओं की ओर भी से बार-बार यह दावा किया जाता रहा है कि उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, तथा शिक्षा जैसे किसी महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की समय -समय पर होने वाली चर्चाओं और केन्द्र में अनुभवी प्रशासकों की भाजपा की जरूरत ने भी इन अटकलों को लगातार हवा दी है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी के साथ फडणवीस की मुलाकात ने उनके राष्ट्रीय स्तर पर संभावित भविष्य को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं को फिर से जीवित कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में भाजपा और आरएसएस के हलकों में उन्हें कभी-कभार भविष्य के संभावित प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में भी देखा गया है। इसके पीछे उनका प्रशासनिक अनुभव, अपेक्षाकृत कम उम्र और संघ परिवार में उनकी मजबूत जड़ें बताई जाती हैं।

कुछ राजनीतिक विश्लेषणों में यह भी कहा गया है कि उन्हें मोदी के बाद दीर्घकालिक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, फडणवीस खुद पहले भी मोदी के उत्तराधिकारी संबंधी अटकलों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना रहा है कि मोदी ही पार्टी के नेता हैं और 2029 में भी वही पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

आरएसएस के दबाव में निकट भविष्य में नेतृत्व परिवर्तन के दावे फिलहाल वास्तविकता पर आधारित होने के बजाय, विपक्ष की ओर से पैदा की गई राजनीतिक अटकलें अधिक दिखाई देते हैं।

अगर फडणवीस अंततः दिल्ली चले जाते हैं, तो महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। राज्य में भाजपा के सबसे प्रमुख चेहरे और महायुति गठबंधन की हालिया सफलताओं के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक होने के कारण, उनके जाने से मुख्यमंत्री पद के लिए एकनाथ शिंदे, चंद्रशेखर बावनकुले या अन्य वरिष्ठ नेताओं के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है।

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट के साथ गठबंधन के समीकरणों पर भी नए सिरे से बातचीत की जरूरत पड़ सकती है। इससे जहाँ एक तरफ, सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिरता की परीक्षा हो सकती है, वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र भाजपा के भीतर गुटीय खींचतान से जुड़े पुराने विवाद भी फिर उभर सकते हैं।

कतर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राप्तकर्ता की यूपीआई आईडी के साथ जरूरी पहचान संबंधी जानकारी देनी होगी। भारत में पैसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति को अपने यूपीआई ऐप में विदेश से धन प्राप्त करने की सुविधा सक्रिय करनी होगी। इसके बाद भेजी गई राशि सीधे उसके यूपीआई से जुड़े बैंक खाते में जमा हो जाएगी। एक लेनदेन में न्यूनतम 10 कतर रियाल और अधिकतम 4,000 कतर रियाल भेजे जा सकेंगे। हालांकि, एक लेनदेन की अधिकतम भारतीय मुद्रा में सीमा एक लाख रुपये के बराबर होगी। प्रत्येक लेनदेन पर 15 कतर रियाल का सेवा शुल्क लिया जाएगा।

विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अनुरूप संचालित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी दल विधानसभा की गरिमा बनाए रखते हुए सत्र के सफल संचालन में सहयोग करेंगे।

"दिमागी नक्सल" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारंपरिक राजनीतिक दलों से स्वतंत्र होकर खुद को संगठित किया है।

स्पष्ट रूप से, मोदी का यह संदेश वामपंथी विचारधारा वाले बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, कार्यकर्ताओं, नागरिक समाज की आवाजों और सरकार के आलोचकों को निशाना बनाता है, जिन्हें भाजपा लंबे समय से "अर्बन नक्सल" कहती रही है।

इसमें असहमति, विशेषकर शासन, शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं या हिंदुत्व की प्राथमिकताओं की आलोचना, को वैध राजनीतिक विरोध के बजाय माओवादी विद्रोह के वैचारिक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

कांग्रेस ने इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने इस टिप्पणी को हताशा का पक्का संकेत बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अक्सर अपने आलोचकों को बदनाम करती है और बाद में उन्हीं की मांगों को अपना लेती है। उन्होंने इसके उदाहरण के रूप में जातीय जनगणना का हवाला दिया।

विपक्ष के अन्य नेताओं, जिनमें भाकपा के डी. राजा भी शामिल हैं, ने इस शब्द को असहमति को कलंकित करने और सरकार पर सवाल उठाने वालों को डराने की कोशिश बताया है।

'अगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन ने आरोप लगाया कि एयरलाइंस जिस तरह से यात्रियों से शुल्क वसूल रही हैं, उसके लिए बनाए गए आधिकारिक नियमों का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है।

वंदे मातरम् का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यालय इंदिरा भवन में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया।

पहले दो अंतरे गाए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोनिया गांधी से कहा कि गीत गाया जा चुका है और इतना पर्याप्त है। सोनिया गांधी ने इसके बाद राहुल गांधी से कहा कि खड़गे जी कुछ कह रहे हैं, उनकी बात सुनो।

राहुल गांधी ने उन्हें समझाया कि कांग्रेस के कुछ लोगों को पूरा वंदे मातरम् गाने पर आपत्ति है और ध्वजारोहण से पहले इस मुद्दे पर चर्चा भी हुई थी।

इसके बाद तय किया गया कि चूंकि अब इसे कानून का रूप दे दिया गया है, इसलिए पूरा गीत गाया जाएगा।

और इंदिरा भवन में ठीक यही हुआ।

इससे पहले सोनिया गांधी को इशारे करते हुए देखा गया कि वे कुछ कैमरा संचालकों से वहां से हटने और कार्यक्रम की कार्यवाही में बाधा न डालने के लिए कह रही थीं।

मामला यहीं समाप्त हो गया।

लेकिन अमित शाह ने इस मुद्दे को बड़ा राजनीतिक विवाद बना दिया है। वे सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् को रोकने की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं और इसके लिए माफी मांगने की बात कर रहे हैं।

वे केवल माफी ही नहीं चाहते, बल्कि उन्होंने दिल्ली पुलिस से पूरे घटनाक्रम की जांच करने और यह रिपोर्ट देने को भी कहा है कि क्या कानून का उल्लंघन हुआ है। एक बेहद खूबसूरत देशभक्ति गीत को नफरत और दुश्मनी की राजनीति में घसीटकर भाजपा द्वारा हिंदू बनाम मुस्लिम विभाजन की आग को जलाए रखने और उससे अधिकतम राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

वंदे मातरम् की शुरुआत कांग्रेस के साथ हुई थी और अब भाजपा इस आग को जलाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, ताकि इससे अधिकतम राजनीतिक लाभ उठाया जा सके।

इलायची और माउथ फ्रैशनर के बहाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में, सरकार ने आरोप लगाया था कि उत्पाद का प्रचार वास्तव में विमल तंबाकू उत्पादों के लिए सरोगेट विज्ञापन है। इस कानूनी विवाद ने एक बुनियादी समस्या को उजागर किया: केवल तंबाकू और गैर-तंबाकू उत्पादों के लिए एक ही ब्रांड नाम का होना अपने आप यह साबित नहीं करता कि विज्ञापन गैर-कानूनी है। रेगुलेटर को दोनों के बीच यह संबंध साबित करना होगा और दिखाना होगा कि देखने में वैध उत्पाद का विज्ञापन असल में प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार कर रहा है।

सबूत जुटाने की इस चुनौती की वजह से यह प्रथा अब भी ऐसे धुंधले क्षेत्र (ग्रे एरिया) में बनी हुई है, जहाँ कानून की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

तथापि, विज्ञापन की रणनीति अब और भी बेहतर होती जा रही है। कोई तंबाकू ब्रांड किसी कानूनी ब्रांड विस्तार (ब्रांड एक्सटेंशन) के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बनाए रख सकता है, जबकि विज्ञापन में उसी नाम, लोगो, रंग, सेलिब्रिटी, स्लोगन और विजुअल पहचान का इस्तेमाल किया जाता है, जो प्रतिबंधित उत्पाद से जुड़े होते हैं। ग्राहकों को ब्रांड पहचानने के लिए तंबाकू उत्पाद देखने की भी ज़रूरत नहीं पड़ती।

इसीलिए रेगुलेटरी टेस्ट को मुख्य रूप से इरादा साबित करने पर आधारित होने के बजाय ठोस और स्पष्ट पैमानों पर आधारित होना चाहिए।

रेगुलेटर यह जांच सकते हैं कि क्या इसी ब्रांड का इस्तेमाल तंबाकू उत्पादों के लिए भी किया जाता है; क्या कथित रूप से वैध उत्पाद का अपना पर्याप्त और स्वतंत्र रूप से चलने वाला कारोबार है; क्या उसका वितरण और बिक्री वास्तव में होती है; क्या विज्ञापन संबंधी प्रतिबंध लागू होने से पहले वह वास्तव में एक असली उत्पाद के तौर पर मौजूद था; और क्या उसका विज्ञापन तंबाकू ब्रांड की खास पहचान को बहुत करीब से दोहराता है।

जहाँ इनमें से कई संकेत एक साथ दिखाई दें, वहाँ विज्ञापन देने वाले पर यह साबित करने की ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि ब्रांड विस्तार वास्तव में एक वास्तविक और स्वतंत्र कारोबार है।

सेलिब्रिटी के विज्ञापन में शामिल होने की भी विशेष रूप से जाँच होनी चाहिए। कोई एक्टर यह तर्क दे सकता है कि उसने इलायची का विज्ञापन किया, तंबाकू का नहीं। लेकिन अगर विज्ञापन का मुख्य मकसद प्रतिबंधित तंबाकू ब्रांड की पहचान को लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचाना है, तो इस अंतर को सही ठहराना लगातार मुश्किल हो जाता है।

उद्देश्य यह नहीं होना चाहिए कि वैध कारोबारों को कानूनी उत्पादों का विज्ञापन करने से रोका जाए। उद्देश्य यह होना चाहिए कि किसी कानूनी उत्पाद को गैर-कानूनी उत्पाद के विज्ञापन के लिए सुविधाजनक माध्यम बनने से रोका जाए।

इसलिए भारत को ब्रांड विस्तार के लिए एक अधिक स्पष्ट और तकनीक से स्वतंत्र नियम की ज़रूरत है, जिसमें पारदर्शी मानदंड और कड़े दंड का प्रावधान हो। विज्ञापन एजेंसियों और सेलिब्रिटीज़ से भी यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे प्रतिबंधित वस्तुओं की ब्रांड पहचान वाले उत्पादों का विज्ञापन करने से पहले पूरी जाँच-पड़ताल करें।

इस तरह, महाराष्ट्र सरकार की ओर से भेजे गए नोटिस सिर्फ़ एक और सेलिब्रिटी विवाद बनकर न रह जाएं। वे एक ऐसे सवाल को सुलझाने का मौका दे सकते हैं जो बरसों से बना हुआ है: कोई उत्पाद कानूनी हो सकता है, लेकिन क्या उसका विज्ञापन कानूनी तौर पर किसी ऐसी चीज़ के विज्ञापन के रूप में काम कर सकता है, जो खुद कानूनी नहीं है?

जब तक इस सवाल का जवाब एक स्पष्ट रेगुलेटरी टेस्ट के ज़रिए नहीं दिया जाता, तब तक सरोगेट विज्ञापन की यह कानूनी खामी प्रतिबंधित ब्रांडों को बाज़ार में अपनी पहचान बनाए रखने का मौका देती रहेगी और उन्हें अपने उत्पाद का खुलकर विज्ञापन करने की ज़रुरत भी पड़ेगी।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

नियमित/संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित/संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/11 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - साइबर इनोवेशन और सिमुलेशन लैब	1		
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - सिटिज़न सेंट्रिक इनिशिएटिव्स	1	35	45
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - सायबर सुरक्षा	2		

(नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप प्रबंधक - एआई विशेषज्ञ	25			
उप प्रबंधक - साइबर सुरक्षा विश्लेषक	3	एमएमजीएस -II	25	35
उप प्रबंधक - आईटी सुरक्षा विशेषज्ञ	2			

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/12 (नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
प्रबंधक (मैनपावर प्लानिंग और रिक्रूटमेंट)	1	एमएमजीएस -III	28	40
प्रबंधक (लर्निंग और डेवलपमेंट)	1	एमएमजीएस -III	28	40

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/13 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु न्यूनतम	आयु अधिकतम
उप-अध्यक्ष (एंटरप्राइज़ और टेक्नोलॉजी आर्किटेक्ट)	1	40	48
उप-मुख्य टेक्नोलॉजी अधिकारी (एंटरप्राइज़ आर्किटेक्चर)	1	42	50

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 07.08.2026 से 27.08.2026 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 07.08.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908